शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 253 | गुवाहाटी | रविवार, 9 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बरपेटा से प्रतिबंधित पीएफआई और सीएफआई के तीन शीर्ष कैडर गिरफ्तार — पेज 3

तेलंगाना के सपनों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी — पेज 4

बिटिया की शादी रुकेगी न अपनों का इलाज : मुख्यमंत्री — पेज 5

दो मई से सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक होगा समय — पेज 8

राष्ट्रपति ने सुखोई में ऐतिहासिक उड़ान भरी

रक्षा क्षमता ने सभी सीमाओं को कवर करने के लिए किया विस्तार : मुर्मू

शोणितपुर (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को तेजपुर वायु सेना स्टेशन से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में ऐतिहासिक उड़ान भरी। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने वायु सेना स्टेशन लौटने से पहले हिमालय के दृश्य के साथ ब्रह्मपुत्र और तेजपुर घाटी को कवर करते हुए लगभग 30 मिनट तक उड़ान भरी। विमान को 106 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन नवीन कुमार ने उड़ाया। विमान ने समुद्र तल से करीब दो किमी की ऊंचाई पर और करीब 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरी। राष्ट्रपति मुर्मू इस तरह की उड़ान भरने वाली तीसरी राष्ट्रपति और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। बाद में आगंतुक -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का राहुल गांधी पर पलटवार, पूछा-

बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड घोटालों की कमाई कहां छिपाई ?

गुवाहाटी। अदाणी मामले को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। शर्मा ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह हमारी शालीलना थी कि हमने आपसे कभी नहीं पूछा कि आपने बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड घोटालों से अपराध की कमाई कहां छिपाई है। खैर, हम अदालत में मिलेंगे। दरअसल, राहुल गांधी ने आज एक ट्वीट किया कि जिसमें उन्होंने अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी समेत छह नेताओं पर निशाना साधा था। उन्होंने गौतम अदाणी, गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण कुमार रेड्डी, हिमंत विश्व शर्मा और अनिल एंटनी पर निशाना साधते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि सच्चाई छुपाते हैं, इसलिए रोज भटकाते हैं। सवाल वही है कि अदाणी की कंपनियों में बीस हजार करोड़ बेनामी पैसे किसके हैं? कांग्रेस नेता अदाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट सामने आने के बाद से लगातार हमलावर हैं। असम में 14 अप्रैल को बिहू उत्सव मनाया जाएगा जिसमें 14,000 से अधिक लड़के और लड़कियां भाग लेंगे। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। मैं असम आने और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। दरअसल जनवरी में अमेरिकी निवेशक -शेष पृष्ठ दो पर

विजय के लिए संगठित कार्य शक्ति जरूरी : मोहन भागवत

जयपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संगठित कार्य शक्ति हमेशा विजयी रहती है। हम विश्व मंगल साधना के मौन पुजारी हैं। इसके लिए समार्थ्य-संपन्न संघ शक्ति चाहिए, क्योंकि अच्छा कार्य भी बिना शक्ति के कोई मानता नहीं है, कोई देखता नहीं है। यह विश्व का स्वभाव है। डॉ. भागवत जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ परिसर में सेवा संगम के दूसरे दिन शनिवार को देशभर से आए सेवा भारती के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संघ की -शेष पृष्ठ दो पर

अदालतों का बोझ कम करने के लिए राज्य सरकार ने वापस लिए 27 हजार मामले

गुवाहाटी। असम में न्यायपालिका को बोझ को कम करने के लिए हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने छोटे अपराधों से संबंधित 27,000 से ज्यादा मामलों को वापस ले लिया है। सीएम ने यह जानकारी गौहाटी हाई कोर्ट के प्लेटिनम जयंती समारोह में भाग लेते हुए दी। शर्मा ने कहा कि न्याय में आसानी की सुविधा के लिए, असम सरकार ने मामलों की लंबितता को कम करने के लिए छोटे अपराध के मामलों को वापस लेने का निर्णय लिया। शर्मा ने कहा कि जघन्य प्रकृति के मामलों को छोड़कर, जुर्माने के साथ या बिना तीन साल तक की सजा वाले मामलों को वापस लेने पर विचार किया गया। इस साल फरवरी तक ऐसे करीब 27,000 मामले वापस लिए जा चुके हैं। सीएम ने बताया कि इस पहल से अनुमान है कि करीब एक लाख आपराधिक मामलों का निपटारा हो जाएगा। शर्मा ने यह भी कहा कि इससे निचली अदालतों पर भार कम होगा। मुख्यमंत्री ने गौहाटी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

एलएसी पर वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का केंद्रीय गृहमंत्री 10 को करेंगे शुरूआत

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 अप्रैल को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव में *वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम* की शुरुआत करेंगे। गृह मंत्रालय (एमएचए) के अनुसार शाह 10 और 11 अप्रैल को पूर्वोत्तर राज्य के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। भारत-चीन सीमा पर गांवों के व्यापक विकास के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी) को लॉन्च किया जा रहा है। यह चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में पर्वत चोटियों, नदियों और आवासीय क्षेत्रों सहित 11 स्थानों का नाम -शेष पृष्ठ दो पर

देश की टॉप पांच राजनीतिक पार्टियों की सालाना कमाई 1200 करोड़ के पार : रिपोर्ट

नई दिल्ली। डीएमके, आप, वाईएसआर कांग्रेस, जदयू, बीजेडी सहित कुल 10 क्षेत्रीय पार्टियों की सालना कमाई सामने आई है। चुनावों में काम करने वाले एक एनजीओ की एक रिपोर्ट से कमाई का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में दावा है कि पिछले साल पार्टियों को कुल 852.88 करोड़ रुपए चंदा प्राप्त करने की घोषणा की है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने आधिकारिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले साल 36 क्षेत्रीय दलों की कुल आय 1,213 करोड़ रुपए थी। 36 क्षेत्रीय पार्टियों ने अपनी आय और खर्च का विश्लेषण किया। पार्टियों ने जानकारियां चुनाव आयोग को सौंपी अपनी ऑडिट रिपोर्ट में घोषित किया है। दस क्षेत्रीय दल जिनमें डीएमके, आप, वाईएसआर कांग्रेस सहित अन्य पार्टियां शामिल है, इन्होंने साल 2021-22 में 852.88 करोड़ रुपए के चुनावी बांड से दान प्राप्त करने की घोषणा की है। तमिलनाडु की सत्ता में काबिज डीएमके ने साल में सबसे अधिक 318 करोड़ रुपए दान में मिलने की जानकारी दी है। दूसरे नंबर पर बीजेडी है, जिसे 307 करोड़ रुपए की कमाई हुई है। टीआरएस 218 करोड़ की सालाना कमाई के साथ तीसरे नंबर पर है। देश की टॉप पांच पार्टियों की कुल कमाई 1024.424 करोड़ रुपए हैं। 36 में से 35 पार्टियां के साल 2020-21 और 2021-22 -शेष पृष्ठ दो पर

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू शनिवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक की चपेट में आने के बाद सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे। सड़क हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। किरेन रिजिजू पूरी तरह से सुरक्षित हैं। रामबन पुलिस ने बताया कि आज सड़क मार्ग से जम्मू से श्रीनगर जाते समय केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू की कार का मामूली एक्सीडेंट हो गया। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। किरण रिजिजू को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचा दिया गया। इससे पहले रीजीजू ने जम्मू विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। संवाददाताओं ने रीजीजू से हिंडनबर्ग-अडाणी मुद्दे पर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि मैं इस -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet
ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा में शामिल होने की सजा

जमीन पर रेंगते हुए टीएमसी दफ्तर जाना पड़ा चार महिलाओं को

कोलकाता (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज में राजनीतिक प्रतिशोध का यह बर्बर वाकया नैतिकता के गाल पर तमाचा है। भारतीय जनता पार्टी के शनिवार को जारी वीडियो में चार महिलाएं जमीन पर रेंगती (घिसटती) दिख रही हैं। दावा किया गया है कि इनका कुसूर सिर्फ इतना है कि चारों ने हाल ही में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इन्हें सिर्फ इसलिए यह सजा दी गई। यह घटना दक्षिण दिनाजपुर जिले के -शेष पृष्ठ दो पर

एनसीईआरटी बवाल

इतिहास बदल नहीं सकते : फारूक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की ओर से 12वीं की इतिहास की किताब से मुगल साम्राज्य से जुड़े चैप्टरों को हटाने पर विवाद जारी है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस बदलाव को लेकर मोदी सरकार पर हमलावर हैं। ताजा बयान नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और सांसद फारूक अब्दुल्ला का आया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि चैप्टरों को हटा देंगे, लेकिन इतिहास को कैसे बदलोगे। क्या लाल किले और हुमायूं के मकबरे को भी छुपा दोगे? जम्मू-कश्मीर में -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम पर विपक्षी एकता में बिखराव

मुझे इसपर पूरा भरोसा : पवार

नई दिल्ली। देश में राजनीतिक चर्चाओं का दौर लगातार जारी रहता है। ईवीएम को लेकर भी चर्चा होती है। ईवीएम पर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहता है। हाल में ही एनसीपी प्रमुख शरद पवार के यहां ईवीएम को लेकर एक बड़ी बैठक भी हुई थी। लेकिन इस मुद्दे पर शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार का बयान विपक्षी एकता को बड़ा झटका दे सकता है। अजित पवार ने साफ तौर पर कहा है कि मुझे ईवीएम पर पूरा विश्वास है। अपने बयान में अजित पवार ने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से ईवीएम पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि अगर ईवीएम खराब होती -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं हैं, जितना की सीखने की इच्छा न रखना।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

तिहाड़ जेल में सरेंडर करने के लिए लगी कैदियों की कतार

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल के बाहर कैदियों के सरेंडर करने की लंबी कतारें लग गईं। कैदियों में होड़ लगी है कि कौन पहले जेल में दाखइल हो जाए। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 4683 कैदियों को जमानत पर रिहा किया गया था। इसमें 1184 कैदी दोषी करार दिए गए थे, जबकि अन्य विचाराधीन थे। लेकिन इनमें से अधिकतर कैदियों ने अब तक जेल में वापस सरेंडर नहीं किया था। इसके बाद 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए आदेश दिया -शेष पृष्ठ दो पर

एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ काम करता है रामकृष्ण मठ : पीएम मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तमिलनाडु में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कई परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाने के बाद, शाम के समय चेन्नई में श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लिया। इससे पहले पीएम मोदी ने चेन्नई और कोयंबटूर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ समारोह में पीएम मोदी ने कहा कि रामकृष्ण मठ का मैं बहुत सम्मान करता हूं। इस मठ ने मेरे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रामकृष्ण मठ चेन्नई में 125वीं वर्षगांठ मना रहा है। ये मुझे खुशी का एक और कारण देता है। मैं तमिल भाषा, संस्कृति और चेन्नई के माहौल से प्यार करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे विवेकानंद हाउस जाने का मौका मिला। कन्याकुमारी में प्रसिद्ध शिला पर ध्यान करते हुए, स्वामी जी ने अपने जीवन के उद्देश्य की खोज की। मैं प्रेरित और ऊर्जावान महसूस कर रहा हूं। मैं यह देख कर खुश हूं कि प्राचीन विचार नई पीढ़ी तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के लोगों के पास हजारों वर्षों से एक राष्ट्र के रूप में भारत की स्पष्ट अवधारणा थी। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना है। यह वही भावना है जिसके साथ रामकृष्ण मठ काम करता है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने अगले 25 साल को अमृत काल बनाने की ठान ली है। इस अमृत काल का उपयोग पांच विचारों-पंच प्राणों को आत्मसात करके महान -शेष पृष्ठ दो पर

फ्लाइट में बैठे रह गए यात्री, कैप्टन दूसरी फ्लाइट के लिए हो गया रवाना

मुंबई। फ्लाइट में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। कभी एयर इंडिया में पेशाब कांड तो कभी इंडिगो में एयर होस्टेज से बदतमीजी वहीं अब गो फर्स्ट फ्लाइट में एक नया ही विवाद देखने को मिला। दरअसल, मुंबई से दिल्ली आ रही गो फर्स्ट फ्लाइट में पायलट की लापरवाही की वजह से यात्रियों को कई घंटों का इंतजार करना पड़ा। बता दें कि इस बात को लेकर आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने शुक्रवार (07 अप्रैल) को ट्वीट्स कर दी। उन्होंने यात्रियों की फोटो ट्वीट कर लिखा गो फर्स्ट एयरवेज द्वारा उड़ान संचालन की अप्रत्याशित और दयनीय हैंडलिंग...फ्लाइट जी-8 345 मुंबई से दिल्ली के लिए 22:30 बजे प्रस्थान करने वाली थी। 1 घंटे से अधिक की देरी और यात्री विमान के अंदर फंसे हुए हैं; वहीं, एयरलाइन स्टाफ का कहना है कि कैप्टन उपलब्ध नहीं है। इस ट्वीट में उन्होंने एक फोटो भी शेयर की है जिसमें यात्रियों को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हाथी-मानव संघर्ष को रोकने के लिए केले के 10 लाख पौधे रोपने की हुई शुरुआत

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिलांतर्गत जगीरोड स्थित दहाली-मकारिया में शनिवार को कई गांवों के लोग एकत्रित हुए। हाथी-मानव संघर्ष को समाप्त करने के लिए केले के पौधे लगाने की विशेष पहल की गई है। वृक्षबंधु के रूप में प्रसिद्ध बकुल गोगोई और प्रांजल डेकारजा की पहल के तहत लगातार बढ़ रहे हाथी-मानव संघर्ष के समाधान की खातिर असम के विभिन्न जिलों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आज दहाली-मकारिया में शुरू किया गया। हाल के दिनों में जंगली हाथी राज्य भर में भोजन की तलाश में जंगलों से बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों में एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा कर रहे हैं। जंगली हाथियों ने कभी इंसानों से संघर्ष के कारण अपनी जान गंवाई है तो कभी इंसानों की जान ले ली है। इसलिए इस समस्या को दूर करने के लिए क्षेत्र के पुरुष, महिला और छात्र सहित सभी वर्गों के लोगों ने हाथियों के पसंदीदा भोजन के रूप में उपयोग किए जाने वाले केले के पौधे लगाकर संघर्ष को हल करने की पहल की है। लोगों ने हाथों में केले के पौधे लेकर इस खास कार्यक्रम में सहयोग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन जाने-माने पत्रकार प्रणय बरदलै ने किया। असम में दस लाख पौधे लगाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के तहत आज दहाली-मकारिया में एक लाख पौधे लगाए गए। उन्होंने हाथी-मानव संघर्ष को समाप्त करने के लिए जन जागरण की सराहना की और कहा कि अगर यह कार्रवाई सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती है तो अगले पांच वर्षों में हाथी-मानव संघर्ष समाप्त हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में हाथी-मनुष्य संघर्ष की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं। देश में सबसे अधिक हाथी वाले राज्य के रूप में असम दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान में हिंदू विवाह अधिनियम लागू अल्पसंख्यक कर सकेंगे रीति-रिवाज से शादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रशासन ने हिंदू विवाह अधिनियम 2017 को इसके पारित होने के पांच साल से अधिक समय बाद इसे लागू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस कानून के अधिसूचित होने से अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को फायदा होगा और वे अब पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अपनी शादी कर सकते हैं। *डॉन* अखबार ने कहा है कि *इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र हिंदू विवाह नियम 2023* नामक अधिसूचना पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में 2017 में पारित विवाह अधिनियम के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र (आईसीटी) प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि संघीय क्षेत्र की सभी यूनियन काउंसिल को क्रियान्वयन के लिए अधिसूचना भेज दी गई है। नियमों के अनुसार, इस्लामाबाद में संबंधित यूनियन काउंसिल विवाह संपन्न कराने के लिए एक महाराज का पंजीकरण करेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू धर्म का पर्याप्त ज्ञान रखने वाला हिंदू पुरुष पंडित या महाराज बन सकता है। खबर में कहा गया है कि हालांकि, महाराज की नियुक्ति स्थानीय पुलिस से चरित्र प्रमाण पत्र जमा करने और हिंदू समुदाय के कम से कम 10 सदस्यों की लिखित स्वीकृति के बाद ही की जाएगी। नियमों का मसौदा तैयार करने वाले इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र के जिला अटॉर्नी महफूज पिराचा ने अखबार को बताया कि अधिसूचना अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में *एक बड़ा कदम* है। उन्होंने कहा कि पंजाब, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत अब इन नियमों को अपना सकते हैं। मुसलमानों के लिए *पंजीकृत निकाह-ख्वां* के मामले के समान, संबंधित यूनियन काउंसिल स्थानीय सरकारी निकाय के साथ पंजीकृत महाराज को विवाह प्रमाण पत्र जारी करेगी। खबर में कहा गया है कि सभी विवाह यूनियन काउंसिल में भी पंजीकृत होंगे। नियमों के अनुसार, विवाह अधिनियम के तहत नियुक्त महाराज सरकार द्वारा अनिवार्य शुल्क के अलावा विवाह संपन्न कराने के लिए कोई पैसा नहीं लेगा। खबर के अनुसार, नियमों की धारा 7 विवाह को समाप्त करने और पुनर्विवाह से संबंधित मामलों से संबंधित है। ये नियम इस्लामाबाद में रहने वाले हिंदुओं को विवाह विवादों के मामले में वेस्ट पाकिस्तान फैमिली कोर्ट्स एक्ट 1964% के तहत अदालतों का रुख करने की भी अनुमति देते हैं।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मशाल जुलूस में भाग लेने जयपुर रवाना

जोधपुर (हिंस)। अडानी महाघोटाले एवं राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर भारतीय युवा कांग्रेस लोकतंत्र बचाओ के रूप में देशभर में प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में राजधानी जयपुर में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवासन के नेतृत्व में प्रदेश स्तरीय लोकतंत्र बचाओ मशाल जुलूस निकालकर युवा कांग्रेस के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें भाग लेने के लिए युवा कांग्रेस जोधपुर जिलाध्यक्ष रामनिवास बुधनगर एवं जिलाध्यक्ष प्रत्याशी पुखराज दिवराया के नेतृत्व में कई कार्यकर्ता शनिवार सुबह जयपुर के लिए रवाना हुए एवं शाम को अल्बर्ट हॉल से शुरू मशाल जुलूस में शामिल होकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

साइबर अपराध : दंपती से लाखों रुपए की ठगी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में साइबर अपराधियों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। शहर के गीतानगर के एक दंपति साइबर अपराधियों के जाल में फंस गए। साइबर अपराधियों ने गीतानगर के दिनेश चंद्र दत्त और उनकी पत्नी से 7 लाख 51 हजार रुपए की ठगी कर ली। दिनेश चंद्र दत्त के खाते से 4 लाख 3 हजार 900 रुपए निकाले गए थे जबकि साइबर अपराधियों ने उनकी पत्नी के खाते से 3 लाख 47 हजार 100 रुपए निकाल लिये। दंपति को एक अज्ञात नंबर से फोन पर बिजली का बिल मांगने की धमकी दी गई थी। पता चला है कि इस साइबर अपराधी गिरोह ने बिजली बिल का भुगतान नहीं करने पर बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दी थी। अपराधियों ने दंपति को एक नंबर पर 100 रुपए का रिचार्ज कराने के लिए कहा। रिचार्ज के तुरंत बाद यह रुपए खाते से निकल गए। बैंक से रुपए निकलने की जानकारी मिलते ही दंपति तुरंत पुलिस से इसकी शिकायत करने के साथ ही अपने बैंक को भी जानकारी देते हुए इस मामले में कदम उठाने का आह्वान किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हरियाणा में अगले वर्ष तक नहीं रहेगा एक भी बच्चा स्कूल से बाहर : मनोहर लाल

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि प्रदेश में हर बच्चे को शिक्षा के माध्यम से देश की मुख्यधारा में लाने के लिए जीरो ड्रॉप आउट की नीति पर काम किया जा रहा है, ताकि अगले वर्ष तक प्रदेश में कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। इसके लिए 6 से 18 वर्ष आयु के करीब 48 लाख बच्चों के शिक्षा के स्टेट्स को जानने के लिए ट्रैक किया जा रहा है। उन्होंने यह बात शनिवार को गुरुग्राम में एक निजी स्कूल के शुभारंभ के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने स्कूल का उद्घाटन करने के बाद नवनिर्मित भवन का अवलोकन करते हुए अलग-अलग कक्षाओं व लैब में जाकर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक व्यक्तित्वों के बारे में भी बताया और सवाल भी पूछे। मनोहर लाल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना का जिक्र करते हुए बताया कि इस योजना से अगले वर्ष तक प्रदेश के सभी 135 खंडों में दो-दो अर्थात कुल 270 पीएम-श्री स्कूल खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य के निर्माण में शिक्षा के मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत प्राचीन समय में उच्च कोटि की शिक्षा का केंद्र रहा है।

गुवाहाटी में नकली नोटों के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 2.93 लाख रुपए के नकली भारतीय नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर गुवाहाटी (मेट्रो) पुलिस ने शहर में छापेमारी करते हुए खानापाड़ा इलाके से भारी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वशिष्ठ थाना पुलिस और पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन टीम ने खानापाड़ा ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से रात करीब 11.45 बजे आरोपी को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। गुवाहाटी पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से 2 लाख 93 हजार रुपए के नकली भारतीय नोट जब्त किए गए। पुलिस ने व्यापारियों, दुकानदारों, विक्रेताओं और जनता से आह्वान किया है कि वे खरीद और बिक्री के दौरान लेनदेन किए गए भारतीय मुद्रा नोटों की अच्छी तरह से जांच करें।

वाहन समेत सात मवेशी जब्त

ग्वालपारा (हिंस)। पुलिस ने बीती रात ग्वालपाड़ा जिला के माटिया में तस्करी के जरिए लाये गए मवेशियों के साथ एक पिक-अप वैन को भी जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि माटिया थाना क्षेत्र के सिधाबाड़ी के रनुआ गांव में सात मवेशियों को दूसरे राज्यों में तस्करी के लिए एक पिकअप वाहन में तस्कर लोड कर रहे थे। विशेष सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव में छापेमारी की और वाहन तथा मवेशियों को जब्त कर लिया। इस बीच पुलिस को देख तस्कर और वाहन चालक मवेशियों और वाहन को छोड़कर फरार हो गए।

पृष्ठ एक का शेष

रक्षा क्षमता ने सभी ...

पुस्तिका में राष्ट्रपति ने एक संक्षिप्त नोट लिखकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के शक्तिशाली सुखोई -30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरना मेरे लिए एक उत्साहजनक अनुभव था। यह गर्व की बात है कि भारत की रक्षा क्षमताओं ने जल, थल और वायु की सभी सीमाओं को कवर करने के लिए काफी विस्तार किया है। मैं इस उड़ान के आयोजन के लिए भारतीय वायु सेना और तेजपुर वायु सेना स्टेशन की पूरी टीम को बधाई देती हूं। राष्ट्रपति को विमान और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की परिचालन क्षमताओं के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने भारतीय वायुसेना की परिचालन तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में राष्ट्रपति की उड़ान भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में सशस्त्र बलों के साथ जुड़ने के उनके प्रयासों का एक हिस्सा है। मार्च 2023 में राष्ट्रपति ने आईएनएस विक्रांत का दौरा किया और स्वदेशी रूप से निर्मित विमान के बोर्ड पर अधिकारियों और नाविकों के साथ बातचीत की। सुखोई-30 एमकेआई दो सीट वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसे रूसी कंपनी सुखोई ने विकसित किया है और इसका निर्माण लाइसेंस के तहत भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर 6 अप्रैल को असम पहुंची थीं। उनकी यात्रा का आज अंतिम दिन है।

बोफोर्स और नेशनल...

हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया है कि अदाणी समूह दशकों से शेयरों के हेरफेर और अकाउंट की धोखाधड़ी में शामिल है। रिपोर्ट अदाणी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपए के फॉलोऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) से पहले आई थी। एफपीओ 27 जनवरी को खुलना था। लेकिन समूह ने इसे वापस ले लिया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि तीन साल में शेयरों की कीमतें बढ़ने से अदाणी समूह के मालिक गौतम अदाणी की संपत्ति 100 अरब डॉलर बढ़कर 120 अरब डॉलर हो गई। इस दौरान समूह की 7 कंपनियों के शेयर औसत 819 फीसदी बढ़े। रिपोर्ट में मॉरीशस से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक फैले टैक्स चोरी वाले देशों में अदाणी परिवार की कई मुखौटा कंपनियों के एक नेटवर्क का विवरण था। इसका उपयोग भ्रष्टाचार, मनी लांड्रिंग के लिए किया गया था। फंड की हेराफेरी भी की गई थी। रिसर्च रिपोर्ट में अदाणी समूह के पूर्व अधिकारियों सहित दर्जनों लोगों से बात करना, हजारों दस्तावेजों की समीक्षा करना और आधा दर्जन देशों में दौरा शामिल था। रिपोर्ट में कहा गया था कि समूह की सात प्रमुख कंपनियों के मूल्य को देखें तो यह फंडामेंटल आधार पर मूल्यांकन से 85 फीसदी नीचे हैं। इन कंपनियों ने बड़े पैमाने पर शेयर गिरवी रखकर कर्ज लिए हैं। वहीं, अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को निराधार और बदनाम करने वाला बताया था। समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर सिंह ने कहा था कि रिपोर्ट में इस्तेमाल तथ्यात्मक आंकड़े प्राप्त करने के लिए समूह से कोई संपर्क नहीं किया गया। यह रिपोर्ट चुनिंदा गलत व बासी सूचनाओं, निराधार और बदनाम आरोपों का एक दुर्भावनापूर्ण संयोजन है। इसे भारत की सर्वोच्च अदालतों ने खारिज कर दिया है। तबसे विपक्षी कांग्रेस और अन्य दल अदाणी समूह के खिलाफ हमलावर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद में भी इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं। हालांकि, मानहानि मामले में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने दोषी ठहरा दिया और उन्हें दो साल के कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म कर दी गई। सांसद के रूप में अयोग्य करार दिए जाने के बाद से राहुल गांधी ने अदाणी समूह के खिलाफ हमले तेज किए हैं।

विजय के लिए ...

प्रार्थना का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठित कार्य शक्ति हमेशा विजयी रहती है। धर्म का सरंक्षण करते हुए हम राष्ट्र को परमवैभव संपन्न बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों ने सेवा कार्य किए। इनसे ही सेवा भारती का जन्म हुआ। सेवा का कार्य सात्विक होता है। फल की इच्छा नहीं रखकर किए जाने वाले कार्य सात्विक होते हैं। जो कार्य स्वार्थवश किए जाते हैं वे राजसी कार्य होते हैं। तामसिक कार्य भी होते हैं, ऐसा करने वाले अपना तो भला करते नहीं और दूसरों का भी नुकसान करते हैं। उन्होंने नि:स्वार्थ सेवा पर बल देते हुए कहा कि कार्यकर्ता कार्य के स्वभाव के साथ तन्मय होता है, तब कार्य होता है। कार्य के अनुरूप कार्यकर्ता हो, ऐसी समझ हमें विकसित करनी है। सेवाकार्य मन की तड़पन से होते हैं। हमें विश्व मंगल के लिए काम करना है। इसलिए काम करने वालों का बड़ा समूह खड़ा करना है। कार्य करने के लिए कार्यकर्ता में रुचि, ज्ञान और भान होना आवश्यक है। हमें जय-जय नहीं करनी है और ना ही करानी है। जो सभी ने मिलकर तय किया उसको मानना और असहमत होते हुए भी कार्य सफल करना कार्यकर्ता का स्वभाव होना चाहिए। सेवा कार्य में जोश से ज्यादा होश की आवश्यकता रहती है। डॉ. भागवत ने प्रसिद्धि से दूर रहकर सेवा कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि सेवा करते हैं तो अपने आप प्रसिद्धि मिलती है, लेकिन उस ओर ध्यान नहीं देना है। सात्विक सेवा के पीछे अहंकार नहीं होता है। कई बार छोटी-छोटी बातों से बड़ी बातें बनती हैं। सात्विक प्रकृति का हमारा कार्य है, इसलिए सात्विक कार्यकर्ता बनाने पड़ेंगे। ज्यादा बड़बोलापन काम का नहीं है। इसलिए सौ काम हो जाएं, तब एक बताने का हमारा स्वभाव होना चाहिए। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि सेवा का कार्यकर्ता बनना बहुत आसान बात नहीं है। अपना जैसा रीति रिवाज है, वैसा अन्य किसी संस्था में नहीं है। हम अपनी-अपनी जगह खूब सेवा कार्य करते हैं। सेवा का काम डॉ. हेडगेवार की जन्मशती से नहीं, उनके जन्म से शुरू हुआ। संघ की स्थापना तक डॉ. हेडगेवार ने भी बहुत सेवा कार्य किए। आपदा प्रबंधन भी किया। पीड़ितों की सेवा की। इसी का प्रतिबिंब संघ के कार्यक्रमों में आया और जगह-जगह होने वाले सेवा कार्यों को सेवा भारती के रूप में व्यवस्थित रूप दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा के लिए उपयुक्त एवं उत्कृष्टतापूर्ण कार्यकर्ता बनने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

अदालतों का बोझ ...

हाई कोर्ट के मानवाधिकारों के सच्चे संरक्षक, संविधान के रक्षक और सदियों पुराने लोकतांत्रिक लोकाचार के प्रवर्तक के रूप में निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने उल्लेख किया कि गौहाटी हाई कोर्ट की अपने अस्तित्व की लंबी अवधि के लिए पूर्वोत्तर के सभी सात राज्यों के लिए सामान्य उच्च न्यायालय होने के लिए एक विशिष्ट पहचान है। शर्मा ने कहा कि यह अदालत अधिनियमित कानूनों के साथ-साथ आदिवासी कानूनों और रीति-रिवाजों की व्याख्या करने के साथ अच्छा काम कर रही है। भारत के संविधान की छठी अनुसूची के तहत आने वाले विषयों पर न्यायिक अधिकार है, जो केवल इस क्षेत्र के लिए अद्वितीय है। मुख्यमंत्री ने निचली न्यायपालिका में पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ अधिक से अधिक पद सृजित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गौहाटी हाई कोर्ट का एक नया परिसर बनाने का फैसला किया है, जिसके लिए काम इसी साल शुरू हो जाएगा।

जमीन पर रेंगते ...

बालूरघाट है। इन चारों महिलाओं को सजा के तौर पर एक किलोमीटर तक तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर तक जमीन पर रेंगने को मजबूर किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। मजूमदार ने लिखा है कि चारों महिलाएं मार्टिना किसकु, सिउली मार्डी, ठाकरान सोरेन और मालती मुर्मू जनजातीय समुदाय की हैं। इस घटना से एक बार फिर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का जनजातीय समुदाय के प्रति नफरत और बर्बरता का चेहरा उजागर हुआ है। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए हर महत्वपूर्ण कदम उठाएगी। अमित मालवीय ने ट्वीट किया है कि वीडियो में रेंगती दिख रहीं ये महिलाएं किसी जनजातीय प्रथा का पालन नहीं कर रही हैं। उन्हें भाजपा में शामिल होने की सजा स्थानीय तृणमूल नेतृत्व ने दी है। ममता के शासन में पश्चिम बंगाल को बर्बाद किया जा रहा है।

एलएसी पर वाइब्रेंट ...

बदलने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसे वह दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के कदम को यह कहते हुए दृढ़ता से खारिज कर दिया है कि यह राज्य भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अपनी यात्रा के पहले दिन वह 10 अप्रैल को अरूणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के सीमावर्ती गांव किबिथू में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे। वीवीपी का लक्ष्य चार राज्यों अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और एक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख (यूटी) के उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 सीमावर्ती ब्लॉकों में गांवों का विकास करना है। इन सीमावर्ती गांवों के व्यापक विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के कार्यक्रम के लिए 4,800 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है। इसके लिए 19 जिलों के 46 ब्लॉक में 2,967 गांव की व्यापक विकास के लिए पहचान की गई है। पहले चरण में, प्राथमिकता कवरेज के लिए आंध्र प्रदेश में 455 सहित 662 गांव की पहचान की गई है। बयान में कहा गया है कि वीवीपी, चिन्हित सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करेगा और लोगों को अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे इन गांवों से पलायन को रोकने में और सीमा की सुरक्षा बढ़ाने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर उपयुक्त तंत्र की मदद से, केंद्र और राज्य की योजनाओं की 100 प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित गांवों के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा। गांवों के विकास के लिए हस्तक्षेपों वाले क्षेत्र के रूप में जिन क्षेत्रों की पहचान की गई है, उनमें सड़क संपर्क, पेयजल, सौर एवं पवन ऊर्जा सहित बिजली, मोबाइल और इंटरनेट संपर्क, पर्यटन केंद्र, बहुउद्देश्यीय केंद्र और स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना एवं कल्याण केंद्र शामिल हैं।

देश की टॉप ...

के कमाई की तुलना की गई, इसमें 20 पार्टियों की कमाई पिछले साल की तुलना में बढ़ी है। वहां 15 पार्टियों की कमाई पिछले साल की तुलना में घटी है। साल 2020-21 में 35 पार्टियों की सालाना कमाई जहां मात्र 565.424 करोड़ थी, वहीं 2021-22 में इन्ही पार्टियों की कमाई 1,212.708 करोड़ रही है। दोनों सालों के बीच पार्टियों की कमाई में 114.48 प्रतिशत की बढ़त हुई है। 20-21 की तुलना में बीजेडी की कमाई 233 करोड़ रुपए बढ़ी है। वहीं टीआरएस की 180 करोड़ तो डीएमके की कमाई 168 करोड़ के करीब बढ़ी है। इस साल के अंत में डीएमके के पास 283 तो बीजेडी के पास 278 करोड़ से अधिक रुपए बचे हैं। वहीं टीआरएस के पास मात्र 190 करोड़ रुपए हैं। 2021-22 में 36 क्षेत्रीय दलों का कुल खर्च 288 करोड़ रुपए था। शीर्ष पांच दलों द्वारा किया गया कुल खर्च 176.779 करोड़ रुपए है। सबसे अधिक खर्च करने वाली पार्टियों में सपा 54 करोड़ रुपए के साथ पहले नंबर पर है। वहीं, डीएमके 35 करोड़ रुपए के साथ दूसरे नंबर पर है। आप ने पिछले साल 30 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। बीजेडी ने 28 करोड़ रुपए तो एआईएडीएमके ने 28 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

इतिहास बदल नहीं ...

अनंतनाग केकोकरनाग में जब मीडिया ने मुगल विवाद को लेकर फारूक अब्दुल्ला से सवाल किया तो उन्होंने कहा कितारीख मिट नहीं सकती। आप कितना इसको किताबों से निकालेंगे ? शाहजहां, अकबर, हुमायूं, जहांगीर को कैसे भूल जाएंगे ? मुगलों ने 800 सालों तक हुकुमत की, लेकिन कभी किसी हिंदू, ईसाई, सिख को खतरा नहीं हुआ। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि राजधानी दिल्ली के लाल किला और हुमायूं के मकबरा को आप कैसे छुपाएंगे ? लाल किला, ताजमहल और अन्य स्मारक अपने आप में एक इतिहास है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार रही है। बता दें कि एनसीईआरटी ने नए सत्र पर कक्षा 12वीं की इतिहास किताबों से मुगल के अलावा संघ, महात्मा गांधी और गोडसे से जुड़े भी कए चैप्टर हटा दिए हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने पाठ्यक्रम में बदलाव के नाम पर मुगलों को किताबों से पूरी तरह बाहर करने की साजिश रची है। इन आरोपों पर एनसीईआरटी के डायरेक्टर दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि किताबों में बदलाव किसी को खुश या नाराज करने के लिए नहीं किए गए। ऐसे आरोप पूरी तरह से गलत हैं।

मुझे इसपर पूरा...

तो छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें नहीं होतीं। अजित पवार ने साफ तौर पर कहा कि हमारे देश में ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। यह पूरी तरह से एक बड़ी प्रणाली है, इसमें बहुत सारे चेक और बैलेंस शामिल हैं। महाराष्ट्र एलओपी ने कहा कि अगर किसी तरह यह साबित हो जाता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई तो देश में बड़ा बवाल खड़ा हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा। महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कई बार कुछ लोग चुनाव हार जाते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि हम हार नहीं सकते, फिर वे ईवीएम को लेकर आरोप लगाने लगते हैं। लेकिन वास्तव में यह जनता का वास्तविक जनादेश है। इससे पहले विपक्षी दलों के एक समूह द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चिंता जताए जाने के कुछ दिनों बाद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि इस बारे में राजनीतिक दलों को समझाना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ने उन सभी के पक्ष में परिणाम दिए हैं, जिन्होंने इसकी विश्वसनीयता पर चिंता जताई है। कई विपक्षी दलों ने पिछले सप्ताह ईवीएम की विश्वसनीयता पर चिंता जताई थी और निर्वाचन आयोग से उनकी शंकाओं को दूर करने का आग्रह किया था।

सड़क हादसे में ...

पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि उच्चतम न्यायालय पहले ही एक समिति का गठन कर चुका है और इस पर विचार कर रहा है, लेकिन मैं (इतना जरूर) कहना चाहता हूं कि यह सब राहुल गांधी के राजनीतिक करियर को चमकाने के लिए किया जा रहा है।

एक भारत श्रेष्ठ ...

चीजों को प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है, जो है विकसित भारत बनाना, औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना, अपनी विरासत का जश्न मनाना, एकता को मजबूत करना और अपने विचारों पर ध्यान केंद्रित करना। बता दें कि स्वामी रामकृष्णानंद ने 1897 में चेन्नई में श्री रामकृष्ण मठ की शुरुआत की थी। रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन आध्यात्मिक संगठन हैं, जो मानवतावादी और सामाजिक सेवा गतिविधियों के विभिन्न रूपों में लगे हुए हैं। वहीं, पीएम मोदी ने एक ही दिन में दूसरी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। इससे पहले उन्होंने तमिलनाडु के चेन्नई में रोड शो किया। साथ ही, आज पीएम मोदी ने चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन (फेज-1) का उद्घाटन किया।

फ्लाइट में बैठे ...

इंतजार करते देखा जा सकता है। गोयल ने दूसरे ट्वीट में लिखा है, यदि कप्तान उपलब्ध नहीं है...सभी यात्रियों को फ्लाइट में क्यों चढ़ाया गया...बोर्ड पर छोटे बच्चों, महिलाओं और वृद्ध यात्रियों के साथ...वे फ्लाइट में पानी के अलावा कुछ भी नहीं परोस रहे थे। पहले उड़ान में देरी के बारे में भी कोई सूचना नहीं दी गई। दरअसल, यात्रियों को जानकारी दी गई कि फ्लाइट का कैप्टन दूसरी फ्लाइट के लिए रवाना हो गया। वहीं सोनल की शिकायत पर गो फर्स्ट एयरलाइन ने अपनी सफाई देते हुए माफी मांगी और कहा कि सोनल, आपको हुई देरी के लिए क्षमा चाहते हैं। हम समय पर एयरलाइन चलाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। हालांकि, अप्रत्याशित घटनाएं कभी-कभी हमें चुनौती देती हैं। क्षमा करें, यह आपकी उड़ान के साथ हुआ। भविष्य में हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।

तिहाड़ जेल में ...

कि जेल से बाहर आए सभी कैदियों को 15 दिन के अंदर जेल जाकर सरेंडर करना होगा। सरेंडर करने की आखिरी तारीख 7 अप्रैल है। इसके बाद 7 अप्रैल को सरेंडर करने की होड़ लग गई, अब तक 1768 कैदी सरेंडर कर चुके हैं। हालांकि अभी भी बहुत कैदी सरेंडर करने नहीं पहुंचे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

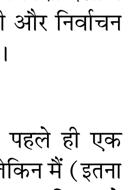

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

बिनु जाने दुख देतु है, जाने करे सहाय।
महिमा सन्त गृहस्थ की, जो जाने सो पाय॥ 23॥

शब्दार्थ : (दुख) कष्ट (महिमा) महत्व।

भाष्य : अज्ञानी जीवों को यह दु:ख देती है और ज्ञानी संतजनों की सहायता करती है। जो इस अध्यात्मविद्या के तत्वज्ञान को जानकेर माया के संग से असंग है, उस गृहस्थ संत की महती महिमा है।

तन माया माया रहे, चेतन चेतन ध्याय।
अन्तर भेद रहस्य में, अमृत पियत अघाय॥ 24॥

शब्दार्थ : (माया) प्रकृति (तन माया) सारा देह-संघात (चेतन) आत्मा (चेतन) परब्रह्म (अघाय) पूर्ण, तृप्त।

भाष्य : योग विवेक के द्वारा सेर देह-संघात की समस्त क्रियाएं प्रकृति-मंडल में होती रहती हैं और चेतन आत्मा अंतर-भेद-साधन से चेतन परब्रह्म का ध्यान करके अमृत पीकर पूर्ण तृप्त हो जाती है।

बरपेटा से प्रतिबंधित पीएफआई और सीएफआई के तीन शीर्ष कैडर गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) और कैंपस फ्रंट आफ इंडिया (सीएफआई) के तीन शीर्ष कैडरों को बरपेटा जिले के बरपेटारोड रेलवे स्टेशन इलाके से गिरफ्तार किया गया। फिलहाल तीनों से पुलिस की पूछताछ जारी है। केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआई पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। बरपेटा जिले के पुलिस अधीक्षक अमिताभ सिन्हा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में पीएफआई और सीएफआई के तीन शीर्ष कैडरों की गिरफ्तारी की जानकारी साझा की। शुक्रवार रात को गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों में जाहिदुल इस्लाम, जाकिर हुसैन और अबू समा शामिल हैं। तीनों को पुलिस अधीक्षक सिन्हा के नेतृत्व वाली टीम ने बरपेटारोड रेलवे स्टेशन इलाके से पकड़ा। तीनों को आज बरपेटा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश कियाजाएगा। जाहिदुल इस्लाम सीएफआई की राष्ट्रीय समिति का कोषाध्यक्ष और असम राज्य समिति का अध्यक्ष है। जाहिदुल इस्लाम

असम के बाक्सा जिलांतर्गत गोवर्धना के ग्राम सनबारी का निवासी है। जाकिर हुसैन पीएफआई का राज्य सचिव है और वह बाक्सा के ग्राम गोवर्धना का निवासी। अबू समा पीएफआई का प्रदेश अध्यक्ष है और वह बरपेटारोड के वार्ड-9 का रहने वाला है। पुलिस ने पीएफआई और सीएफआई के कैडरों के पास से 1.5 लाख रुपए नकदी के साथ बैंक दस्तावेज और कई अन्य सामान जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार प्रतिबंधित पीएफआई की संगठनात्मक गतिविधियां अभी भी जारी हैं। पीएफआई और सीएफआई के ये कैडर असम से भागने के बाद लंबे समय से देश के अलग-अलग राज्यों में छिपे हुए थे। दिल्ली से ट्रेन से असम में प्रवेश करने के बाद पीएफआई और सीएफआई के नेताओं के साथ पीएफआई अध्यक्ष अबू समा को बरपेटारोड रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने गिरफ्तार किया। अबू समा ने दिल्ली से गुपचुप तरीके से असम में प्रवेश करने वाले जाकिर हुसैन और जाहिदुल इस्लाम को बरपेटारोड रेलवे स्टेशन से किसी गुप्त स्थान पर ले जाने की योजना बनाई थी। पुलिस अधीक्षक सिन्हा ने कहा कि पुलिस को लंबे समय से पीएफआई और सीएफआई के दोनों शीर्ष नेताओं की तलाश थी। शीर्ष तीन कैडरों से पुलिस की पूछताछ जारी है।

अजब चोर : चोरी के बाद दुकान की दीवार पर लिखा संदेश

मामा, मुझे बुरा मत मानना

नगांव (हिंस)। पिछले दो महीनों में नगांव जिला के कामपुर में चोरी के मामले में वृद्धि हुई है। घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और मंदिरों आदि में चोरी की घटनाएं हो रही है। इसी कड़ी में नगांव जिला के कामपुर के वेस्ट कवाईमारी में बीती रात फिर से चोरी की घटना हुई। हालांकि, इस बार चोर ने चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद दुकान की दीवार पर अपना संदेश भी लिख छोड़ा है। जिसको पढ़कर लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। बिपुल राजखोवा नामक युवक की दुकान में चोरों ने बीती रात चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर 15 हजार रुपए नकद सहित और कीमती सामान चुरा ले गए। चोरी करने के बाद भागते समय चोर ने दुकान की दीवार पर संदेश लिखा, मामा,मुझे बुरा मत मानना। अब लोग चोर के इस अजीबोगरीब संदेश को पढ़कर सवाल कर रहे हैं कि दुकानदार को मामा कहने वाले चोर की असल में मंशा क्या है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर चोरी की घटना का पता लगाने में जुट गयी है।

हथियार एवं हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई में दो युवकों को हथियारों और हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में संगम होटल के कमरा नंबर 201 से दो युवक पकड़े गए हैं। पुलिस ने दोनों युवकों के पास से 7.65 एमएम की पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस और 50 ग्राम हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार युवकों की पहचान चेन्नई के अब्दुल नीलिम और मणिपुर निवासी के सूरदास के रूप में हुई है।

विलुप्त प्रजाति की केको छिपकली के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। प्रदेश में विलुप्त प्रजाति की केको छिपकली का कारोबार काफी समय से चोरी-छिपे चल रहा है। इसी कड़ी में धुबड़ी जिलांतर्गत बिलासीपाड़ा के साप्टग्राम में केको छिपकली की तस्करी के खिलाफ चलाए गए अभियान में केको छिपकली के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग के सूत्रों ने शनिवार को बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी टीम ने पिछले छह दिनों से कोशिश कर रही थी। साप्टग्राम वन विभाग और पानबाड़ी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त अभियान में वेलाकोवा गांव में तीन जिंदा केको छिपकली के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। तस्कर की पहचान सलाम अली के रूप में की गयी है। सलाम अली साप्टग्राम के वेलाकोवा गांव का निवासी बताया गया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को बाद में कानूनी कार्रवाई के लिए साप्टग्राम पुलिस को सौंप दिया गया।

भैंसा के हमले में तीन चरवाहे गंभीर रूप से घायल

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत दलगांव में भैंसा के हमले में तीन चरवाहे गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को संकटजनक अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दलगांव में आज सुबह एक घरेलू भैंसा तांडव मचा रहा था। दलगांव के दुआरपारा, जमालपुर, गादैझाड़, सरीसाबाड़ी आदि गांवों में घरेलू भैंसा ने आतंक मचा रखा था। खेतों में काम करने के दौरान भैंसा के हमले में दलगांव के जमालपुर गांव के नूर इस्लाम, सुल्तान अली और निज गादैझार गांव के जहीरन नेसा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को गंभीर हालत में मंगलदै सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय लोगों ने घरेलू भैंस को भगाने की कोशिश की लेकिन देर शाम तक उसे भगाया नहीं जा सका था। यह भी पता नहीं चल पाया है कि भैंसा कहां से आया है।

ददरा में *हाड़गिला* सेना की महिलाओं ने तैयार किया पांच हजार असमिया गमछा

कामरूप (हिंस)। राज्य का प्रमुख त्योहार रंगाली बिहू में महज कुछ ही दिन बचे हैं। बिहू के की तैयारी के लिए असम की महिलाएं पूरी तरह से तैयार हैं। रंगाली बिहू का मतलब है असमिया के हाथ से बुना हुआ गामोछा। इस कड़ी में कामरूप (ग्रामीण) जिला के ददरा-पसरिया इलाके में *हाड़गिला* सेना के सदस्य बाजार में बिक्री के लिए करघा पर अपने हाथों से असमिया गामोछा, मेखला-चादर तैयार कर चुकी हैं। इस बार *हाड़गिला* सेना के सदस्यों द्वारा रंगाली बिहू पर बिक्री के लिए लगभग 5 हजार असमिया गामोछा तैयार किए गए हैं। ग्रीन ऑस्कर पुरस्कार विजेता डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन के नेतृत्व में इस क्षेत्र की महिलाओं द्वारा यह आर्थिक क्रांति पैदा की गई है। महिलाओं ने लुप्तप्राय जीव हाड़गिला को प्रतीक के रूप में संगठन का गठन कर असमिया स्वाभिमान गामोछा और मेखला-चादर महिलाओं ने तैयार की हैं। स्वदेशी बुनकरों द्वारा अपने करघा में बुना गया यह कपड़ा पहले ही देश-

विदेश में सराहा जा चुका है। इस बीच ऑनलाइन के जरिए हाड़गिला आर्मी ने ग्राहकों के लिए खरीदारी करना आसान कर दिया है। यही कारण है कि हाड़गिला के रूप में प्रसिद्ध डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन के नेतृत्व में हाड़गिला सेना के सदस्यों ने बिहू के लिए स्वदेशी वस्त्रों के साथ 5 हजार गामोछा अपने हाथों से बुनकर तैयार किए हैं। बिहू के अवसर पर हाड़गिला संगठन का लक्ष्य 10 हजार असमिया गामोछा तैयार करने का है। ज्ञातव्य है कि डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने कामरूप के ददरा और पसरिया में हाड़गिला सेना का गठन कर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए शानदार कदम उठाए हैं। इसकी इलाके में सराहना हो रही है। उल्लेखनीय है कि इस बार असम सरकार ने विधासभा में एक बिल लाकर पावरलूम से बने असमिया गामोछा की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। सरकार की मंशा साफ है कि असमिया स्वाभिमान का प्रतीक असमिया गामोछा पूरी तरह से असम के स्थानीय बुनकर के द्वारा करघा पर तैयार किया जाएगा। इसके चलते असमिया स्वाभीमान की मर्यादा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय बुनकरों को आत्मनिर्भर बनाने और उनको आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार ने बिहू के अवसर पर बड़ी संख्या में महिला स्वयं सहायता समूहों से असमिया गामोछा की खरीद ही नहीं की है, बल्कि गामोछा बिक्री के अवसर पर भी उपलब्ध कराए हैं। इससे राज्य की महिला बुनकरों में खुशी की लहर देखी जा रही है।

फकीराग्राम चिकित्सालय में स्वस्थ्य सेवा महोत्सव का आयोजन

कोकराझारड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम चिकित्सालय में स्वस्थ्य सेवा उत्सव मनाया गया। इस दौरान फकीराग्राम चिकित्सालय में धुबड़ी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. एमडी तौसीफ अरफाद हजारिका, दोतमा सर्कल अधिकारी अस्मिता रेखा बोड़ो उपस्थित थे। यहां उपस्थित अतिथियों को फुलाम गामोछा ओर फूल से स्वागत किया गया। उपस्थित अतिथियों ने अपना अपना वक्तव्य रखा। वही यहां फकीराग्राम चिकित्सालय के डॉक्टर मानिम बरुवा, डॉ. कैलाशपति नाथ, अकॉउनटेंट जयंतो कलिता उपस्थित थे। साथ ही हॉस्पिटल के नर्स और स्टाफ मौजूद थे।

वनबंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति की अध्यक्ष वंदना बगड़िया नियुक्त

गुवाहाटी (विभास)। वनबंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति की एक सभा का आयजोन गीता अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें अध्यक्षा वंदना बगड़िया, सचिव सरिता अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अंजु माहेश्वरी को अगले सत्र के लिए चयनित किया गया। निवर्तमान अध्यक्षा रीता अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष वंदना बगड़िया को अध्यक्ष पद प्रदान करते हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। जोनल सचिव ललिता जैन, संस्थापक अध्यक्ष सुशीला गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मीरा सराफ, सचिव बिमला बजाज, कोषाध्यक्ष शीतल अग्रवाल को विशेष आभार व्यक्त करते हुए नए कार्यकारिणी को बधाइयां व शुभकामनाएं दीं। नव-निर्वाचित अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि एकल अभियान एक संगठन ही नहीं अपितु यह एक क्रांति है, यह जन

आंदोलन है, यह देश का एकमात्र और सबसे बड़ा ऐसा संगठन है जो व्यक्ति निर्माण का कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय विकास, देश उत्थान, गांव का विकास, आत्मनिर्भर भारत स्वाभिमानी स्वावलंबी गांव बनाने में अग्रनी तथा देशव्यापी संगठन बिना सरकार की मदद से कार्य कर रही है। पांच आयामों प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, जागरण, ग्रामोत्थान ग्राम विकास के साथ ही संस्कार और आध्यात्मिक शिक्षा पर विशेष कार्य कर रह। यह आंदोलन गांव को सशक्त बनाने, देश के भविष्य, बच्चों को शिक्षित करने और कौशल विकसित करने में पूरी तरह समर्पित वंदना जी का मानना है कि इस संगठन की सदस्यता ग्रहण करना ही सौभाग्य की बात है। मेरे दिल में बसने वाली इस संगठन का आज अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करते हुए मैं अपने आपको धन्य मानती हूं, गौरवान्वित महसूस करती हूं और आप सभी का आभार व्यक्त करती हूं। गौरतलब है कि गुवाहाटी महिला समिति का गठन 2011 में संथापक अध्यक्ष सुशीला गुप्ता की अध्यक्षता में हुई थी। और तब से आज तक यह समिति अपने उत्तरोत्तर प्रगति की और है।

नेक्टा का रक्तदान शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पीटल के ब्लड बैंक परिसर में नॉर्थ ईस्ट कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन (नेक्टा) के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के संयोजक राजेश अग्रवाला ने बताया कि इस शिविर में संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 48 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिसमें 12 ऐसे लोग थे, जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया। नेक्टा के अध्यक्ष अविनाश जालान ने बताया कि संस्था की ओर से समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याण हेतु कार्य निरंतर किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिविर को सफल बनाने में नेक्टा के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। संस्था के महासचिव अनिल हरलालका ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीयवादी महिला मोर्चा होजाई शाखा ने कीर्ति भीमशरीया को किया सम्मानित

होजाई (विभास)। होजाई की कीर्ति भीमसरिया चार्टर एकाउंटेंट ने होजाई में महिला के रूप में प्रथम सीए कार्यालय बनाकर समाज का नाम रोशन किया है। कीर्ति भीमशरीया लावण्य प्रमिला भीमसरिया के सुपुत्र प्रतीक भीमसरिया की पत्नी हैं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए भारतीय अटल सेना राष्ट्रीयवादी महिला मोर्चा होजाई शाखा ने उनके निवास स्थल पर जाकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान एक संक्षिप्त समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मोर्चा की अध्यक्षा सरिता सरावगी ने कहा कि शिक्षा के झेत्र में न कि युवा बल्कि युवतियां भी हमारे समाज को आगे बढ़ा रही है। जो हमारे लिए बड़ी गौरव का विषय है। उक्त समारोह में मोर्चा की कई पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

नगांव में हनुमान जन्मोत्सव के दूसरे दिन निकली विशाल शोभायात्रा

नगांव सदर के विधायक रुपक शर्मा ने श्री हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नगांव (निसं)। जय श्री राम के गगनभेदी नारों के साथ हैबरगांव के हनुमान मंदिर परिसर से भव्य शोभा यात्रा जिला प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वधान में भव्य रूप से निकली गई। शोभा यात्रा के संयोजक अजय मित्तल के साथ उनकी टीम नाम क्रमश:विनोद महेश्वरी, महेश गाड़ोदिया, पवन आलमपुरिया, शिव चरण पोद्दार, संतोष गाड़ोदिया, करन अग्रवाल, विनायक अग्रवाल, चाहत पोद्दार, रजत केजरीवाल, अमित केजरीवाल, ऋषभ दादलिका, राजा पारीक, मनीष गाड़ोदिया, पीयूष माहेश्वरी, नितिन मुंदड़ा, अनुराज खेडिया, केशव मुंदड़ा, यश झंवर, प्रवीण डागा, और अन्य सदस्यों के अथक प्रयासों से यह असम में सबसे विख्यात शोभायात्रा सफल हुई। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस शोभायात्रा में करीब पंद्रह हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। शोभा यात्रा की प्रथम अगुवाई हाथों में ध्वजा लेकर मोटरसाइकिल चला रहे युवकों का दल कर रहा था। श्री हनुमान जी के पैदल भक्त राम नाम की धुन के साथ हाथों में ध्वजा लेकर जिसमें महिलाएं पीली साड़ी और भक्त केसरिया कुर्ता पजामा में नजर आए और राम नाम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। समिति के अध्यक्ष प्रहलादराय तोदी ने कहा कि समूचे

असम से इस चार दिवसीय मेले में लोग शिरकत करने के लिए पहुंचते हैं और बड़ी संख्या में बाबा को रिझाते हुए सवामणि का भोग लगाते हैं। तोदी ने कहा कि इस मेले में आपसी भाईचारे का संदेश देते हुए सभी समाज के लोग शोभायात्रा में और विराट मेले में भाग लेते हैं। शोभायात्रा के मध्य हरियाणा से आमंत्रित मोनु ढींगरा, मोनु आर्ट ग्रुप द्वारा प्रस्तुत सजीव झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। कई किलोमीटर तक शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करने निकले इस शोभायात्रा में शहर की कई सामाजिक संस्थाओं और समाजसेवियों ने शोभायात्रा में शामिल भक्तों की सेवार्थ ठंडे पेयजल तथा शर्बत वितरित किए। समिति के संयुक्त सचिव अजीत माहेश्वरी ने बताया कि समिति द्वारा शोभायात्रा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए थे। श्री महेश्वरी ने कहा कि शोभा यात्रा पहले से और विशाल हुई है और बड़ी संख्या में लोगों ने बच्चों सहित भाग लिया है। श्री हनुमान जन्मोत्सव के दूसरे दिन सदर के विधायक रूपक शर्मा ने श्री हनुमान मंदिर का दौरा कर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रभु श्री हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उनके साथ नगांव नगर पालिका की अध्यक्षा अम्बिका मजुमदार और उपाध्यक्ष सीमांत बोरा भी उपस्थित थे। समिति द्वारा सभी का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया। समिति के मंच पर शाम 6 बजे आरती के बाद श्री सुंदरकांड सेवा मंडल, नगांव द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया। तत्पश्चात दिहा नाम, श्याम कानू दिहानाम दल मरिगांव की निहारिका देवी और गौरीशंकर नाथ नामक बाल कलाकार के द्वारा संपन्न हुआ। उसके के बाद प्रदीप- संदीप पारीक द्वारा भजन कार्यक्रम और रात्रि जागरण में पवन शर्मा द्वारा भजन की प्रस्तुती हुई। आज दोपहर तक रामायण पाठ पंडित प्रह्लाद दाधिच के सानिध्य में जारी रहा, जिसमें आज भी माहेश्वरी महिला समिति नगांव व अन्य महिलाओं द्वारा पाठ में सहयोग किया गया। इस आशय की जानकारी समिति के संयुक्त सचिव अजीत महेश्वरी द्वारा दी गई।

तेलंगाना के सपनों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

सिकंदराबाद/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तेलंगाना के तीव्र विकास को भारत की समग्र प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता के सपनों को पूरा करने के लिए केंद्र की एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार इसे अपना अपना कर्तव्य समझती है। दक्षिण भारत के तीन राज्यों के दो दिवसीय दौरे पर हैदराबाद पहुंचे प्रधानमंत्री ने आज तेलंगाना में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस आस्था, आधुनिकता, प्रौद्योगिकी और पर्यटन को जोड़ने वाली है। साथ ही, 11,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास आज तेलंगाना के लिए एक विशेष दिन है। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पूरे देश में रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों का लाभ उठा रहा है। प्रधानमंत्री ने केंद्र की परियोजनाओं में राज्य सरकार के असहयोग पर दुख जताते हुए कहा कि इससे तेलंगाना के लोगों के सपने प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकार से अपील करता हूं कि तेलंगाना के लोगों के लिए बनाई जा रही योजनाओं में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने दी जाए। भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लोकतंत्र के लिए घातक बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार अलग नहीं हैं। जहां परिवारवाद होता है वहां भ्रष्टाचार बढ़ने लगता है। उन्होंने कहा कि मुट्ठी भर लोग परिवारवाद को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'परिवारवाद' तेलंगाना में गरीबों को दिए जाने वाले राशन तक को लूट रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार तेलंगाना और यहां की जनता के विकास के सपने को पूरा करना अपना कर्तव्य समझती है। हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह के मॉडल को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों के दौरान हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। हैदराबाद के मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हुआ है। एमएमटीएस का तेजी से विस्तार हो इसके लिए इस वर्ष के केंद्रीय बजट में तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे के साथ साथ तेलंगाना में हाइवे का नेटवर्क भी तेजी से विकसित किया जा रहा है। केंद्र सरकार के निरंतर प्रयास की वजह से आज तेलंगाना में नेशनल हाइवे की लंबाई दोगुनी हो चुकी है। साल 2014 में यहां करीब 2500 किलोमीटर लंबा नेशनल हाइवे था जो आज बढ़ कर 5,000 किलोमीटर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस समय भी तेलंगाना के विकास के लिए 60 हजार करोड़ रुपये के रोड प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिसमें 'गेम चेंजर' हैदराबाद रिंग रोड भी शामिल है।

अडानी मुद्दे पर जेपीसी की तुलना में सुप्रीम कोर्ट का पैनल अधिक विश्वसनीय : शरद पवार

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को एक बार फिर दोहराया कि गौतम अडानी के मुद्दे पर सच्चाई सामने लाने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की तुलना में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाला पैनल अधिक विश्वसनीय है। पवार ने आज मीडिया को दिये एक बयान में कहा कि जेपीसी की मांग हमारे सभी साथियों ने की है ये बात सच है। मगर हमें लगता है कि जेपीसी में 21 में से 15 सदस्य सत्ताधारी पार्टी के होंगे। ऐसे में देश के सामने सच्चाई कहां तक आ पाएगी। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी ने जेपीसी का समर्थन किया है लेकिन मुझे लगता है कि जेपीसी में सत्तारूढ़ पार्टी का वर्चस्व होगा इसलिए, सच्चाई सामने नहीं आएगी। इसलिए, मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाला पैनल सच्चाई सामने लाने का एक बेहतर तरीका है। शरद पवार ने कहा कि एक जमाना ऐसा था जब सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करनी होती थी तो हम टाटा-बिड़ला का नाम लेते थे। टाटा का देश में योगदान है। आजकल अंबानी-अडानी का नाम लेते हैं, उनका देश में क्या योगदान है। इस बारे में सोचने की आवश्यकता है। मुझे लगता है कि बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और किसानों के मुद्दे जैसे अन्य मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण हैं। 2024 के चुनावों के लिए विपक्षी एकता पर राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमने सभी विपक्षी दलों की एक संयुक्त बैठक की और वहां सभी मुद्दों पर चर्चा की। कुछ ऐसे मुद्दे थे जिन पर हम सहमत नहीं थे लेकिन सभी ने बैठक में अपने विचार रखे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को एक निजी समाचार चैनल के साथ विशेष साक्षात्कार में एनसीपी प्रमुख ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस की मांग से असहमति जताते हुए कहा था कि उनका दृष्टिकोण उनके महाराष्ट्र

भाजपा अध्यक्ष नड्डा के आवास पर कर्नाटक कोर ग्रुप के नेताओं की अहम बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)। कर्नाटक विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शनिवार को कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिनकुमार कटील, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और अन्य नेताओं ने बैठक की। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के साथ कर्नाटक कोर ग्रुप के नेताओं की यह अहम बैठक है। अगले महीने होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने 9 अप्रैल को दिल्ली मुख्यालय में एक अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इसमें उम्मीदवारों के नाम फाइनल किए जाएंगे।

केजरीवाल सरकार शिक्षकों को नहीं दे रही पूरा वेतन : बिधूड़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार पर शिक्षकों का वेतन रोकने का आरोप लगाया है। बिधूड़ी ने शनिवार को कहा कि शिक्षा क्रांति और शिक्षकों के हितों की दुहाई देने वाली केजरीवाल सरकार शिक्षकों का शोषण कर रही है। केजरीवाल सरकार दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों के शिक्षण और गैर शिक्षण स्टाफ, समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत नियुक्त शिक्षक और वोकेशनल टीचर्स वेतन के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। समग्र शिक्षा कार्यक्रम का फंड केंद्र सरकार से लेकर भी शिक्षकों को नहीं दिया जा रहा। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षकों को समाज की रीढ़ कहती है लेकिन उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ताजा मामला समग्र शिक्षा कार्यक्रम का है। केंद्र की इस योजना के तहत शिक्षकों को 38,100 रुपये वेतन दिया जाता है। इसमें से 20 हजार रुपये का भुगतान केंद्र सरकार करती है और बाकी राशि दिल्ली सरकार को देनी होती है। केंद्र सरकार तो पूरे साल का वेतन एक साथ दिल्ली सरकार को रिलीज कर देती है लेकिन दिल्ली अपने हिस्से का वेतन इन शिक्षकों को नहीं दे रही। शिक्षकों ने जब दिल्ली के शिक्षा निदेशालय से बकाया वेतन के लिए संपर्क किया तो उन्होंने वेतन देने से इनकार कर दिया और यहां तक कह दिया कि कोर्ट चले जाओ।

मुंबई में तीन आतंकियों के घुसने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सतर्क

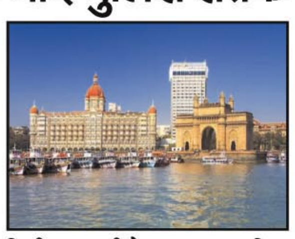

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई में तीन आतंकियों के घुसने की जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस टीम इसकी गहन छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में राजा ठोंगे नामक व्यक्ति ने शुक्रवार को फोन कर तीनों आतंकियों के बारे में सूचना दी। राजा ठोंगे ने पुलिस को बताया कि तीन आतंकवादी शुक्रवार सुबह दुबई से मुंबई आए हैं। साथ ही राजा ठोंगे ने दावा किया है कि मुंबई आए आतंकियों के संबंध पाकिस्तान से हैं और इन तीनों का अवैध कारोबार भी है। उसने यह भी कहा है कि उनमें से एक का नाम मुजीब सैयद है। इस आधार पर पुलिस फिलहाल आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस कंट्रोल रूम को मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने फोनकर्ता के बारे में भी जांच पड़ताल की तो पता चला कि फोनकर्ता का नाम राजा ठोंगे पुणे का रहने वाला है। इसके बाद जब पुलिस द्वारा इस संबंध में और जानकारी लेने के लिए दोबारा कॉल की गई तो उसका फोन स्विच ऑफ बता रहा है। फिलहाल, पुलिस सतर्कता से इस जानकारी की छानबीन कर रही है, साथ ही फोन करने वाले को भी तलाश रही है।

अब सरकार तय करेगी कि क्या फर्जी है और क्या नहीं: कपिल सिब्बल

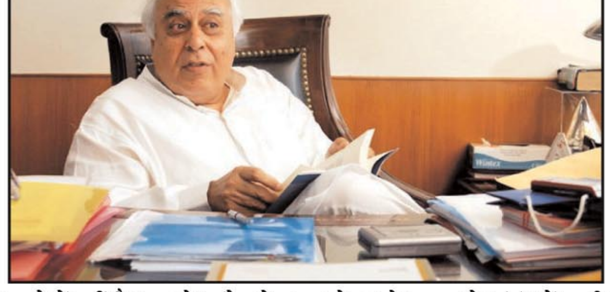

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री कपिल सिब्बल ने आईटी संशोधन नियमों के फैक्ट चेक प्रावधानों को लेकर केंद्र पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब सरकार तय करेगी कि क्या फर्जी है और क्या नहीं, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि गूगल, फेसबुक और ट्विटर जैसी इंटरनेट कंपनियां अगर सरकार द्वारा अधिसूचित फैक्ट चेकर द्वारा किसी जानकारी को गलत या भ्रामक बताने के बाद उसे हटाने में नाकाम रहती हैं, तो वे अपना संरक्षण गंवा सकती हैं। राज्यसभा के सदस्य सिब्बल ने कहा कि अब सरकार तय करेगी कि क्या फर्जी है और क्या नहीं। और अमित शाह जी कहते हैं कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ब्रिटेन में की गई हालिया टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा था कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है, बल्कि आपका परिवार तथा परिवार-वाद की राजनीति खतरे में है। सिब्बल इसी टिप्पणी का हवाला दे रहे थे। चंद्रशेखर ने कहा था कि आईटी मंत्रालय एक संस्था को अधिसूचित करेगा, जो सरकार के संबंध में डाली गई ऑनलाइन सामग्री को झूठी सूचना के तौर पर चिन्हित करेगी। आईटी नियम 2021 के तहत दिशा-निर्देश जारी करते हुए, मंत्री ने कहा था कि फैक्ट चेक पर काम अभी जारी है। उन्होंने नियमों को लेकर हो रही आलोचना को जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना बताकर उन्हें शुक्रवार को खारिज कर दिया था।

प्रधानमंत्री और सीएम योगी को जान से मारने की धमकी देने वाले छात्र को मिली जमानत

लखनऊ (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में नोएडा पुलिस ने लखनऊ से एक नाबालिग लड़के को पकड़ा। माना जा रहा है कि आरोपी छात्र ने एक मीडिया हाउस को ई-मेल भेजा था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को एक किशोर न्याय अदालत में पेश किया गया तथा उसे जमानत मिल गई। उन्होंने बताया कि आरोपी को जमानत इसलिए दी गई क्योंकि इस मामले में लगाए आरोप जमानती थे। सहायक पुलिस आयुक्त (नोएडा) रजनीश वर्मा ने बताया कि बिहार के रहने वाले 16 वर्षीय लड़के को चिनहट इलाके से पकड़कर यहां लाया गया। वर्मा ने कहा कि यहां सेक्टर-20 थाने में पांच अप्रैल के मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद जांच की गई। धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले का पता लगाने के लिए तकनीकी टीम को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर ईमेल भेजने वाले का पता लगाया गया और लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में उसकी मौजूदगी का पता चला। ई-मेल भेजने वाला एक स्कूली छात्र निकला, जिसने अभी-अभी अपनी 11वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की है और इस सत्र में 12वीं कक्षा में पढ़ाई शुरू करेगा।

भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह लड़ेंगे चुनाव!

पटना (ईएमएस)। भोजपुरी फिल्मों के कलाकार पवन सिंह बिहार से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार भोजपुरी फिल्मों में अपने अभिनय और गायिकी का जलवा दिखा चुके पवन सिंह अब जल्द ही राजनीति पारी खेलेंगे। दरअसल बीते दिनों पवन सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। वहीं इसके साथ ही पवन सिंह ने बीजेपी सांसद संजय जायसवाल और बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के बाद से पवन के चुनाव लड़ने की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल हाल ही में एक न्यूज चैनल से बातचीत में पवन सिंह ने अपने चुनाव लड़ने को लेकर बड़ा बयान देते हुये कहा है कि वह चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पवन सिंह से जब पूछा गया कि क्या आप आरा से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं? पवन ने कहा कि मैं आरा से चुनाव के लिए तैयार हूं। बस मौका मिलने का इंतजार है। पवन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंसान के रूप में मेरे लिए भगवान हैं। देश में तेजी से विकास हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मैं इस पार्टी का कार्यकर्ता हूं। मैं बीजेपी का कार्यकर्ता और सेवक हूं। इसलिए, बड़े भाई आदरणीय नितिन गडकरी, संजय जायसवाल और विनोद तावड़े से शिष्टचार मुलाकात की थी। राजनीति में भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ की एंट्री और सांसद बनने को लेकर पवन सिंह ने कहा कि मनोज तिवारी और रवि किशन बड़े भाई हैं और दिनेश लाल यादव मेरे अच्छे मित्र हैं। मेरे लिए खुशी की बात है कि इन तीनों ने एक साथ मिलकर कहा था कि हम तीनों तो सांसद बन गए हैं अब पवन सिंह भी साथ आएंगे तो बहुत अच्छा रहेगा। पवन सिंह कहा कि वह अपने चाचा अजित सिंह को अपना आदर्श मानते हैं, वही मेरे रियल गुरु हैं।

वर्ष 2024 के बाद देश में सत्ता परिवर्तन होगाः राउत

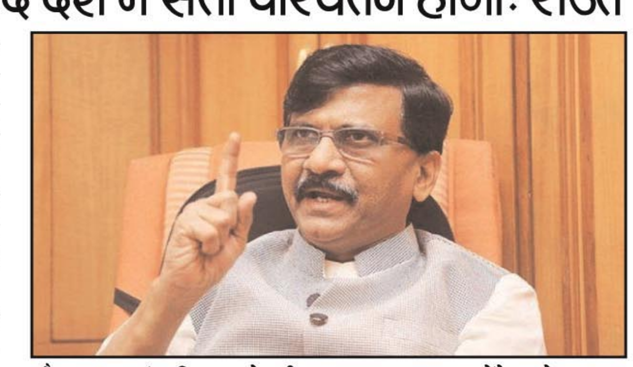

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना के नेता एवं राज्यसभा के सदस्य संजय राउत ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में परिवर्तन होगा तथा पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार और आंध्र प्रदेश देश की नियति निर्धारित करेंगे। राउत ने चीन की घुसपैठ के बावजूद इस बारे में केंद्र सरकार की चुप्पी के लिए इसकी आलोचना की। पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी राउत ने यहां एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि वर्ष 2024 के बाद देश में निश्चित रूप से सत्ता परिवर्तन होगा। मैं यह बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं। उन्होंने कहा कि चुनावी लाभ के लिए, हिंदू-मुस्लिम दंगों को भड़काना और भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल बनाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की। राउत ने चीन पर केंद्र सरकार की चुप्पी की आलोचना करते हुए कहा कि फिर देश में घुसपैठ करने के बावजूद भारत और चीन के बीच तनाव का माहौल क्यों नहीं बनाया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन पर एक शब्द भी नहीं बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा का हिंदुत्व चोरी किया हुआ और फर्जी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद सेना ने महिला अफसरों को प्रमोशन में किया दरकिनार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय सेना में महिला अफसरों के प्रति भेदभाव किए जाने का मसला सामने आया है। शनिवार को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को जब पता चला तो वो भौचक रह गए। उन्होंने डिफेंस मिनिस्ट्री को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अपना घर दुरुस्त कर लो, नहीं तो ठीक नहीं होगा। सीजेआई महिला अफसरों के प्रति किए जा रहे भेदभाव को जानकर इतने ज्यादा गुस्से में आ गए कि उन्होंने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को मौखिक रूप से कहा कि जो सबसे ऊपर बैठा है, उसे भी बता देना कि अगर हमारे फैसलों को दरकिनार करने की कोशिश भी कि तो बुरा अंजाम भुगतना होगा। दरअसल, सीजेआई को सुनवाई के दौरान बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद सेना ने महिला अफसरों को प्रमोशन में दरकिनार करने के लिए नए नियम गढ़ दिए हैं। इन बैरियर्स की वजह से महिला अफसरों को पदोन्नति के मामले में पुरुष अफसरों से पीछे रहना पड़ रहा है। सीजेआई सच जानकर भौंचक थे। सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि अभी हम केवल नोटिस दे रहे हैं। चीजें ठीक नहीं हुईं तो हम आपको सबक सिखाने से गुरेज नहीं करेंगे। उनका कहना था कि अपने ऊपर वालों को बता दो कि वो सब कुछ अपने आप ठीक कर लें, नहीं तो हम अवमानना की कार्रवाई शुरू करेंगे।

अगली बार अगर आपने हमें कुछ और बताकर गुमराह करने की कोशिश भी की तो हम आपको सही से काम करने का तरीका भी बता देंगे। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसलों का हवाला देकर कहा कि आप हमारे आदेश को भी नहीं मान रहे हैं। ये सब नहीं चलने वाला है। दरअसल, सीजेआई चंद्रचूड़ एवं जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सेना में तैनात महिला अफसरों की याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया था कि बेशक भारतीय सेना महिलाओं को कमीशन अफसर के तौर पर नियुक्त कर रही है, लेकिन प्रमोशन और कमांड पोस्टिंग में उनके साथ भेदभाव किया जाता है। महिला अफसरों का कहना था कि एसीआर के नियमों को तोड़-मरोड़ करके उनके साथ ये भेदभाव किया जा रहा है। प्रमोशन के मामले में पुरुष अफसरों को महिला अफसरों पर तरजीह दी जाती है। महिला अफसरों की तरफ से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हवाला दिया। महिला सैन्य अफसरों ने लेफ्टिनेंट कर्नल नितिशा बनाम केंद्र सरकार के केस में अपनी याचिकाएं दायर की थीं। मार्च 2021 में उस केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन देने को लेकर केंद्र को कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2020 के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय सेना का महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देने का फैसला गैर कानूनी है। हालांकि, उसके बाद सेना ने महिलाओं को कमीशन अफसर के तौर पर शामिल करने का रास्ता तो खोला। अलबत्ता अब विवाद उनको सहूलियतें देने को लेकर है। सीनियर एडवोकेट वी मोहना ने पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि बेशक महिलाओं को अब सेना में कमीशन अफसर के तौर पर शामिल किया जा रहा है, लेकिन उनको उनके अधिकारों से महरूम रखा जा रहा है। उनके प्रमोशन का फैसला करने के लिए सेना ने कोई सिलेक्शन बोर्ड तक नहीं बनाया है। उनका कहना था कि नितिशा मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का ये सरासर उल्लंघन है।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा- मनीष सिसोदिया पर झूठे आरोप लगाकर जेल में डाल दिया गया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अक्सर अपनी शिक्षा नीति को लेकर अपनी पीठ थपथपाती रहती है। इसी क्रम में आज दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल विनोद नगर के राजकीय विद्यालय की बिल्डिंग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री विद्यालय के शिलान्यास के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके हैं। इस मौके पर बोलते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा- दिल्ली में सरकारी स्कूलों का हाल बहुत बुरा था, लेकिन अब परीक्षा के बेहतर नतीजे आ रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई की चिंता माता-पिता को होती है, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता मां को होती है। विनोद नगर के स्कूल में पढ़ाई का स्तर बेहतर हुआ है। दिल्ली के निजी स्कूल में फ्रांस व जर्मन भाषाएं नहीं पढ़ाई जाती। अब लोग अपने बच्चों को मजबूरी में सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ाते। देश की आजादी के बाद सरकारी स्कूलों को साजिश के तहत बर्बाद किया गया। निजी स्कूलों को बढ़ावा दिया गया। ऐसा माहौल बनाया गया कि गरीब का बच्चा सरकारी स्कूल में पढ़ेगा और अमीर के बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ेंगे। आप सरकार ने इस माहौल को बदला, उस सख्स ने बदला जिसको झूठे आरोप में जेल में बंद कर दिया।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित करेगा आयुष मंत्रालय

अजय कुमार

नई दिल्ली। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित करेगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस वैज्ञानिक सम्मेलन का विषय 'होमियो परिवार- सर्वजन स्वास्थ्य, एक स्वास्थ्य, एक परिवार' है। इस अवसर पर सीसीआरएच की एक डॉक्यूमेंट्री, एक पोर्टल और 08 पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा। होम्योपैथी के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के मकसद से कई संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे। सम्मेलन के दौरान, नीतिगत पहलुओं, होम्योपैथी में उन्नति, अनुसंधान साक्ष्य और होम्योपैथी में नैदानिक अनुभवों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इस सम्मेलन में डॉ. संगीता ए. दुग्गल, सलाहकार (होम्योपैथी), आयुष मंत्रालय, डॉ. राज के. मनचंदा, निदेशक (आयुष), दिल्ली और पूर्व डीजी, सीसीआरएच, डॉ. अनिल खुराना, डॉ. सुभाष कौशिक, डीजी, सीसीआरएच, डॉ. शैलेंद्र सक्सेना, वाइस डीन, प्रोफेसर आदि इस कार्यक्रम के दौरान अपने व्याख्यान देंगे। उल्लेखनीय है कि विश्व होम्योपैथी दिवस होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन की 268वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

पुरानी पेंशन योजना लागू करे सरकार : मायावती

- डबल इंजन की सरकार में जनता डबल परेशान

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली मामले का जल्द समाधान करने की मांग उठाई है। मायावती ने अपने अधिकारिक ट्विटर से ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि देश भर में आम लोगों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों का जीवन भी महंगाई से त्रस्त है। इस महंगाई के के कारण केन्द्र व यूपी सहित विभिन्न राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग लगातार जोर पकड़ती जा रही है। जिसका समाधन होना बहुत जरूरी, यह बसपा की मांग है। आगे उन्होंने कहा कि महंगाई के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि की जटिल समस्याओं के प्रति केन्द्र व यूपी सरकार को सही नीयत व नीति के साथ काम करना जरूरी। ऐसी जनसमस्याऐं भाषणबाजी से नहीं हल होती हैं, खासकर तब जब यूपी में डबल इंजन की सरकार में जनता डबल परेशान है, समाधान जरूरी।

बिटिया की शादी रुकेगी न अपनों का इलाज : मुख्यमंत्री

- जनता दर्शन में अलग अलग समस्याओं पर सीएम योगी ने दिया भरोसा - गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर,(हि.स.)। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। मुख्यमंत्री ने लगभग 300 लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान फरियादियों को आश्वास्त करते हुए कहा कि न बिटिया की शादी रुकेगी और न ही अपनों का इलाज। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान अलग-अलग तरह की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबको आश्वस्त किया कि समस्या किसी भी तरह की हो उसका निदान अवश्य होगा। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण करने का निर्देश दिया। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया और उनकी जमीन कब्जा या दबंगई कर रहे अराजकतत्वों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिये।

कुशीनगर की महिला ने बताई आर्थिक तंगी- कुशीनगर से आई एक महिला ने आर्थिक तंगी की वजह से बिटिया की शादी में आने वाली दिक्कत को साझा किया। मुख्यमंत्री बहुत गंभीर हो गये। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ दिलवाने का निर्देश दिया। उन्होंने महिला से कहा कि बिल्कुल परेशान मत हो, पैसे की तंगी से बिटिया की शादी नहीं रुकेगी।

पति के इलाज के लिए महिला ने मांगी मदद- एक महिला ने हृदय रोग से पीड़ित पति के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार मुख्यमंत्री से लगाई। मुख्यमंत्री ने अब तक हुए व चल रहे उपचार की जानकारी ली। फिर, महिला से कहा कि आप पति को एडमिट कराइए, इलाज के लिए धन की व्यवस्था सरकार करेगी। वहां मौजूद अधिकारियों को इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराने व शासन को भेजने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में अपनी माताओं के साथ आए बच्चों को आशीर्वाद व दुलार देने के साथ सीएम योगी ने चॉकलेट गिफ्ट किया। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने रोबोटिक सर्जरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइंटिफिक सेशन का किया शुभारंभ

गाजियाबाद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के कौशाम्बी स्थित यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रोबोटिक सर्जरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइंटिफिक सेशन का उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री वीके सिंह और राज्यसभा सदस्य अनिल अग्रवाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि यह केंद्र सरकार के सभी मिशन के लिए स्वास्थ्य की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यशोदा अस्पताल के लिए इस तरह की सेवाओं को जोड़ना न केवल पेशेवर काम है बल्कि वे इसे राष्ट्र के विकास के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद देश की मानसिकता बदली है कि लोग केवल सरकार से देश के लिए काम करने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन अब निजी क्षेत्र देश के विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण के साथ सामने आने लगा है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत को विश्वस्तर पर स्वास्थ्य के मामले में अग्रणी स्थिति में ले जाने के लिए यशोदा-कौशांबी की भांति अन्य निजी अस्पतालों को भी ऐसी बड़ी पहल करनी चाहिए। यशोदा हॉस्पिटल के सीएमडी डॉ पीएन अरोड़ा ने लॉन्च पर कहा, हम उन्नत और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के नए तरीके खोजने में हमेशा सबसे आगे रहते हैं और सबसे अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकी लाना हमारा लक्ष्य है। हमारे रोगियों के लाभ के लिए हमारे अस्पतालों में रोबोटिक्स और एआई जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियां स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। हमें बेहतर रोगी देखभाल और अनुभव प्रदान करने में मदद कर रही हैं। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक रोगियों को उपलब्ध सबसे उन्नत शल्य चिकित्सा और चिकित्सा देखभाल का लाभ मिले।

व्हीलचेयर पर बैठकर अब अपने प्राणों की भीख मांग रहे माफिया : ब्रजेश पाठक

ललितपुर,(हि. स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक शनिवार को ललितपुर पहुंचे । जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर सामाजिक न्याय सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किए गए जनजाति युवा सम्मेलन एवं रोजगार संगोष्ठी को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार बड़े से बड़े गुंडे-माफिया पर कार्रवाई कर रही है । समाजवादी पार्टी सरकार में गरीबों के प्लॉट पर कब्जे करने का काम होता था । मुख्तार ,अतीक जैसे माफिया एके 47 रायफल लेकर चलते थे , आज वह व्हील चेयर पर आ गए हैं और अपने प्राणों की भीख मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी व योगी सरकार ने गरीबों को निःशुल्क खाद्यान्न, आवास , शौचालय , 5 लाख तक निःशुल्क इलाज , किसानों को सम्मान निधि, महिलाओं को गैस सिलेंडर देने का काम किया है । उन्होंने कहा कि योगी सरकार बड़े से बड़े गुंडे माफिया पर कार्रवाई कर रही है । समाजवादी पार्टी सरकार में गरीबों के प्लॉट कब्जाने का काम होता था । मुख्तार ,अतीक जैसे माफिया एके 47 रायफल लेकर चलते थे , आज वह व्हील चेयर पर आ गए हैं। गुंडे माफिया अपने प्राणों की भीख मांग रहे हैं । बुन्देलखण्ड में ट्रेन से पानी लाया जाता था ,आज हर घर जल योजना के माध्यम से घर-घर नल से पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि मोदी योगी सरकार अनुसूचित जाति के लिए अनेक योजनाएं चला रही है । पीसीएस का रिजल्ट आया है । पूरी ईमानदारी से नौकरी दी जा रही है । उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में आप सब लोग भाजपा को वोट देकर जिताने का कार्य करें। इसके बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक करते हुए कि कार्यकताओं के सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया जाएगा । आप लोग ललितपुर के विकास के लिए काम करें। उन्होंने नगर निकाय चुनाव में जुट जाने के लिए कहा । इसके बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कलेक्ट्रेट में जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने व उसे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए । उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का हेलीकॉप्टर 12 बजे पुलिस लाइन मैदान में उतरा । जहाँ झांसी-ललितपुर के सांसद अनुराग शर्मा, राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ , सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, एमएलसी बाबूलाल तिवारी , भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन, सहित जिले के अधिकारियों ने स्वागत किया । उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सलामी ग्रहण की । इसके बाद डिप्टी सीएम कार से भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पहुंचे। जहां भाजपा जिला प्रभारी अनिल यादव ने स्वागत किया ।

भूमि की उपजाऊ शक्ति बनाएं रखने के लिए किसान दलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाएं

बिजनौर,(हि.स.)। जिले में विकासखंड हल्दौर के सभागार में शनिवार को समसामयिक कृषि परिचर्चा एवं कृषक चौपाल का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक गिरीश चंद्र, जिला कृषि अधिकारी डा. अवधेश मिश्र ने की। क्षेत्र पंचायत प्रमुख विजेंद्र सिंह मुख्य अतिथि रहे। कृषक चौपाल में उर्द प्रजाति आईपीयू 13-1 के 58 मिनी किट का निःशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। साथ ही, मिलेट्स के बारे में किसानों को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। क्षेत्र पंचायत प्रमुख ने उपस्थित किसानों से आग्रह किया कि वह मोटे अनाज एवं दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ाएं ताकि भूमि की उपजाऊ शक्ति बनी रहे। फसल चक्र का पालन किया जा सके। जिला कृषि अधिकारी बिजनौर ने उर्द बीज के बारे में विस्तार से बताते हुए गन्ने के साथ सहफसली और अन्य दलहनी फसलों के उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। कृषि निदेशक गिरीश चन्द्र ने किसान भाइयों को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सम्बंध में उपस्थित कृषकों को समसामयिक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन हरज्ञान सिंह विषय वस्तु विशेषज्ञ द्वारा किया गया।

फेक एप बनाकर लाखों की ठगी करने वाले चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

रांची,(हि. स.)। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने फेक एप बनाकर लाखों की ठगी करने वाले चार साइबर अपराधियों को रांची और गिरिडीह से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में गिरिडीह के मोहन साव, हजारीबाग के सपन कुमार सिन्हा और रांची के गोपाल सिंह और अमर प्रताप सिंह शामिल हैं। इनके पास से 11 मोबाइल फोन, 25 सिम कार्ड, 14 चेक बुक और पासबुक, 19 एटीएम कार्ड, तीन लैपटॉप, 21हजार 550 रुपये रुपये, एक स्वाईप मशीन, एक स्कैनर मशीन और एक राउटर बरामद किया गया है। सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि साईबर अपराधी एचडएफसी, आईसीआईसीआई, एसबीआई, पीएनबी के खाताधारकों को अपना निशाना बनाते थे। केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर वे ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग के फेक एंड्रॉयड एप्लीकेशन के जरिये एक फिशिंग यूआरआई का एसएमएस भेजते थे। इसकी जानकारी सीआईडी को मिली थी। सूचना मिलने पर तकनीकी जांच एवं अनुसंधान कर इसमें संलिप्त साईबर अपराधियों को चिन्हित किया गया। इसके बाद सीआईडी की टीम ने कार्रवाई की और इन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। डीजी ने बताया कि साइबर अपराधियों की ओर से बैंक ग्राहकों को एसएमएस भेजा था। एसएमएस में कहा जाता था कि प्रिय उपयोगकर्ता आपका एचडएफसी खाता आज निलंबित कर दिया जायेगा। कृपया अपना अपडेट करें। पैन को आधार से लिंक करने के लिए मैसेज को क्लिक करें। इस एसएमएस में दिये गये लिंक पर क्लिक करने पर बैंक के इंटरनेट बैंकिंग का फेक एप्लीकेशन फोन में इंस्टॉल हो जाता है। एप्लीकेशन को खोलकर अपने इंटरनेट बैंकिंग में लॉग इन करने पर साईबर अपराधियों द्वारा इंटेनेट बैंकिंग से संबंधित यूजर आईडी, पासवर्ड आदि डेटा साइबर अपराधी के पास चला जाता है। इसके बाद साइबर अपराधी ठगी कर लेते हैं। डीजी ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से बरामद मोबाइल, लैपटॉप में कांड से संबंधित कई डेटा पाये गये हैं। इसका प्रयोग वे ठगी करने के लिए करते थे। डीजी ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी पोर्नोग्राफी, डेटिंग वेबसाइट और फेसबुक पेज बनाकर उसमें एड डालकर भी ठगी करने का काम करते थे। वे इस वेबसाइट और फेसबुक पेज पर लड़के-लड़कियों से डेटिंग तथा एस्कॉर्ट सर्विस के लिए फर्जी मोबाईल नंबर डालते थे। जब लोग दिये गये मोबाईल पर संपर्क करते हैं तो रजिस्ट्रेशन और अन्य एडवास फिस के नाम पर उनसे ठगी कर लेते हैं। गिरफ्तार अपराधियों ने झारखंड के अलावा केरल और मुंबई के लोगों से भी ठगी की है।

रांची में आदिवासी संगठनों के बंद का व्यापक असर, परिवहन व्यवस्था ठप

रांची (झारखंड),(हि.स.)। पाहन महासभा झारखंड प्रदेश और समस्त आदिवासी मूलवासी संगठनों का सरना झंडा जलाने की घटना के विरोध में आहूत राजधानी रांची बंद का आज सुबह से व्यापक असर दिख रहा है। पारंपरिक हथियारों और लाठियां से लैस आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर हैं। यह लोग आवागमन बाधित कर रहे हैं। इससे राजधानी की परिवहन व्यवस्था ठप हो गई है। इन लोगों ने बिरसा चौक को चारों ओर से घेर लिया है। टायरों को आग लगाकर रास्ता रोक दिया है। रातू रोड-बिरसा चौक बायपास रोड पर किसी भी वाहन को नहीं जाने दिया जा रहा। इस रास्ते में डीपीएस स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थान है। इससे स्टूडेंट्स और अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रांची के अन्य हिस्सों में भी परिवहन सेवा चरमरा गई है। बंद के मद्देनजर जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय की 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लगा दी है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने न पाए, इसके लिए 1500 जवानों को राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में तैनात किया गया है। झारखंड प्रदेश पाहन महासंघ के जगदीश पाहन ने सरकार से मांग की है कि सरना झंडा का अपमान करने वालों को फौरन गिरफ्तार किया जाए।

झारखंड के तीन जिलों में नक्सलियों ने 12 वाहन फूंके

रांची (झारखंड), (हि.स.)। झारखंड के तीन जिलों में लेवी न मिलने से खफा नक्सलियों ने शुक्रवार रात 10 बजे से 11 बजे के बीच निर्माण कार्य में लगे 12 वाहन फूंक दिए। पुलिस सूत्रों के अनुसार बोकारो और रामगढ़ जिले में माने बिरसेन के दस्ते ने इस घटना को अंजाम दिया।

यह दस्ता इनामी नक्सली मिथिलेश महतो के सरेंडर के बाद क्षेत्र में दहशत फैला रहा है। पुलिस ने पुष्टि की है कि बोकारो जिले के महुआटांड थाना क्षेत्र में एक जेसीबी, चार ट्रैक्टर और रामगढ़ में दो जेसीबी और तीन ट्रैक्टर नक्सलियों ने आग के हवाले किए हैं। महुआटांड थाना क्षेत्र में पाइप लाइन का काम चल रहा है। यह करीब आधा दर्जन नक्सलियों ने यह वारदात की। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र के पारसडीह में बीएम कंपनी पुल बना रही है। यहां करीब एक दर्जन नक्सली पहुंचे और वाहन फूंक दिए।जेसीबी ड्राइवर रवि कुमार सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है। बोकारो के एसपी चंदन झा ने शनिवार को माना है कि नक्सलियों ने वाहन फूंके हैं। जेसीबी पूरी तरह खाक हो गई। घटना की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कहा जा सकता है कि घटना में नक्सलियों का हाथ है या अपराधियों का। यह सभी गाड़ियां पीडीएस डीलर लीला साव की हैं। बताया गया है कि कैरी में 22 करोड़ रुपये की लागत से हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य पाइप लाइन बिछाई जा रही है। इस कार्य में लगी जेसीबी और ट्रैक्टर मालिक लीला साव के घर के सामने खड़े थे। रात को हथियारबंद नक्सली पहुंचे और वाहनों के आग के हवाले कर दिया। नक्सलियों ने आइयार-महुआटांड़ सड़क निर्माण कार्य के मुंशी को बंधक बनाकर बैठा लिया था। वह लीला साव को ढूंढ रहे थे। लीला साव पड़ोस में ही किसी कार्यक्रम में गए हुए थे। जब वह घर आ रहे थे, तब कुछ लोगों को हथियार और पुलिस की वर्दी में देखा। उनको बाइक से आते देख नक्सलियों ने कहा कि लीला आ रहा है। यह सुनकर लीला साव ने बाइक की स्पीड बढ़ा दी और भाग गया। इसके बाद नक्सलियों ने एक-एक कर सभी गाड़ियों में आग लगा दी। उधर, लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के मकांदू टोंगरी में संचालित बालाजी स्टोन ट्रेडिंग वर्क्स लिमिटेड के माइंस तथा क्रशर प्लांट में पीएलएफआई के नक्सलियों ने शुक्रवार रात एक पोकलेन और एक साउंडलेस जेनरेटर को फूंक दिया। पोकलेन ऑपरेटर के साथ मारपीट की। दशहत फैलाने के उद्देश्य से दो बम विस्फोट भी किए। थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह ने बताया कि लेवी के लिए पीएलएफआई संगठन के कृष्णा यादव तथा उनके सहयोगियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

केन्द्र सरकार के सर्वेक्षण पर भी भाजपा नेताओं को नहीं भरोसा : विजय चौधरी

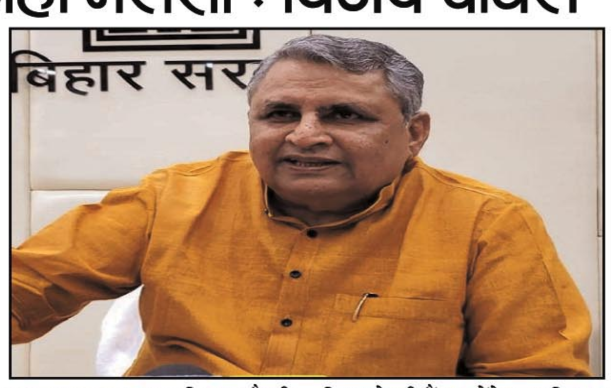

पटना, (हि.स.)। बिहार सरकार में जदयू कोटे से वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को बताया कि भाजपा नेतागण बिहार सरकार की बात नहीं समझते, तो कोई बात नहीं, कम-से-कम केन्द्र सरकार के सर्वेक्षणों एवं उसके निष्कर्षों पर तो यकीन करना चाहिए। उसका सम्मान करना चाहिए। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि अभी तुरंत, इसी वर्ष के प्रारंभ में केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा देश भर के सभी जिलों के ग्रामीण इलाके में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता के संबंध में सर्वेक्षण कराया गया। इसमें ग्रामीणों के लिए मात्रा एवं शुद्धता के साथ उपलब्धता की निरन्तरता का भी मानक रखा गया था। विजय चौधरी ने बताया कि इस सर्वेक्षण के जो परिणाम सार्वजनिक हुए हैं, वह बिहार को गौरवान्वित करने वाले हैं। रैंकिंग में सबसे ऊपर के चार जिले यथा समस्तीपुर, शेखपुरा, सुपौल एवं बांका बिहार के ही हैं। उन्होंने कहा कि यह बिहार सरकार की कार्यशैली एवं खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सात निश्चय के तहत हर घर नल का जल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का ही नतीजा है।

दिव्यांग बच्चों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए समेकित कार्य योजना पर विमर्श

बेगूसराय, (हि.स.)। चिन्हित किए गए शून्य से 18 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों की दिव्यांगता की जांच-सह-मुल्यांकन, दिव्यांगता प्रमाणीकरण एवं विभिन्न विभागों के द्वारा प्रदत सुविधा उपलब्ध कराने के समेकित कार्य योजना पर विमर्श के लिए शनिवार को डीडीसी सुशांत कुमार की अध्यक्षता में बैठक की गई। समीक्षा के दौरान डीडीसी ने शिक्षा विभाग से प्राप्त निदेर्शानुसार समेकित कार्य योजना के उद्देश्य परक क्रियान्वयन के लिए शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की संयुक्त बैठक करने तथा जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड के दिव्यांगता विशेषज्ञ चिकित्सकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड दिव्यांगता पंजी में दर्ज शून्य से 18 आयुवर्ग के सर्वेक्षित दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण हेतु प्रखंडवार शिविर आयोजित करने, प्रखंड दिव्यांगता पंजी में दर्ज तीन से छह वर्ष से कम आयुवर्ग के दिव्यांग बच्चों का आंगनबाड़ी केंद्र में तथा छह से 18 आयुवर्ग के अनामांकित दिव्यांग बच्चों का निकटवर्ती विद्यालयों में नामांकन अभियान "हम भी चलें स्कूल" का सफल क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने कहा कि शिक्षा विभाग बिहार से प्राप्त निर्देश के आलोक में शून्य से 18 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों की पहचान, मूल्यांकन एवं उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के क्रियान्वयन में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग आदि की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सभी संबंधित विभाग एवं कार्यालय आपसी समन्वय के साथ कार्य करते शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें।

इससे पूर्व जिला समावेशी शिक्षा समन्वयक ने बताया कि 2022 में शिक्षा विभाग द्वारा आंगनबाड़ी सेविका, टोला सेवक एवं तालीमी मरकज के द्वारा शून्य से 18 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के सर्वेक्षण में आठ हजार 680 दिव्यांग बच्चे चिन्हित किए गए थे।

बरौनी रिफाइनरी ने 2022-23 में किया एतिहासिक वार्षिक प्रदर्शन

बेगूसराय, (हि.स.)। इंडियन ऑयल ने हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 में शानदार परिचालन प्रदर्शन किया है। इसमें बरौनी रिफाइनरी ने भी समग्र रूप से पिछले सभी रिकॉर्डों को पीछे छोड़ दिया। इस दौरान जहां सर्वाधिक थ्रुपुट हासिल किया गया तो नवाचार की दिशा में भी निरंतर कार्य हो रहे हैं। बरौनी रिफाइनरी ने अबतक का सर्वाधिक क्रूड थ्रुपुट 6785.4 टीएमटी हासिल किया। इसके साथ ही अब तक का सबसे कम फ्युल एवं लॉस, एमबीएन और एनर्जि एफिसिएनसी इंडेक्स (ईआईआई) भी हासिल किया। जिससे रिफाइनरी की ऊर्जा दक्षता के बारे में पता चलता है। इसके अलावा परिचालन उपलब्धता फाक्टर, ओवेर-ऑल थर्मल एफिसिएनसी, पावर प्लांट में ईंधन की खपत एवं विशिष्ट जल खपत के पैरामीटर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। बरौनी रिफाइनरी ने पेट्रोल और इथेनोल मिश्रित पेट्रोल, रिफॉर्मेट, हवाई ईंधन, डीजल, अलकतरा, लो सल्फर हैवी स्टॉक (एलएसएचएस), पेट्रोलियम कोक और सल्फर का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन और प्रेषण हासिल किया। डीएचडीटी, इंडजेट, प्राइमजी (नया पुराना), कोकर-ए और बिटुरॉक्स का अब तक का उच्चतम थ्रूपुट भी हासिल किया। 2022-23 के दौरान अब तक के सर्वाधिक 11 विभिन्न प्रकार के नए क्रूड को प्रोसेस किया, जिससे क्रूड बास्केट में विविधता लाने की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। बरौनी रिफाइनरी में सुरक्षित और दुर्घटना मुक्त वर्ष पूरा किया, जो इस प्रमुख क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पहली रिफाइनरी है, जिसने बैटरी क्षेत्र के अंदर एक सौ प्रतिशत रूप से कवरऑल या आईएफआर पहनना अनिवार्य किया। ठेका श्रमिकों को प्रोत्साहित करने के लिए पांच हजार अतिरिक्त कवरऑल प्रदान किए गए। जमीनी स्तर पर सुरक्षा खामियों की निगरानी के लिए, रिफाइनरी में दो ट्रॉली माउंटेड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। निरंतर नवाचार की दिशा में 2022-23 के दौरान कुछ महत्वपूर्ण कमीशनिंग की गई। जिसमें एसिड गैस और सावर गैस के प्रसंस्करण के लिए एसआरयू के एमसीसी में स्थापित न्यू स्प्लिट फ्लो कॉन्फिगरेशन शामिल था। जिससे 28 करोड़ रुपए/वर्ष के बराबर 44 सौ एसआरएफटी की बचत हुई। इसके साथ ही डीजल एक्सॉस्ट फ्लुइड (डीईएफ) संयंत्र जो दो हजार सीसी से अधिक क्षमता वाले सभी भारी डीजल वाहनों में अनुमेय सीमा से नीचे निकास गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के लिए एससीआर प्रणाली की आवश्यकता को पूरा करता है। इस साल बरौनी रिफाइनरी ने भारत का पहला और विश्व का तीसरा ग्रीन कूलिंग टॉवर स्थापित किया, जो 360 एसआरएफटी प्रति वर्ष की ऊर्जा की बचत करता है। इंडियन ऑयल, आरएंडडी और ईआईएल द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीक पर आधारित 375 टीएमटीपीए क्षमता की पहली स्वदेशी इंडजेट इकाई लगाई गई। जिससे बिहार की संपूर्ण हवाई ईंधन मांग को पूरा किया जाएगा। बीएस-श्क परिदृश्य में एलएसएचएस का पहला उत्पादन किया गया और रिफाइनरी से 12 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित एमएस का पहला बैच मार्केटिंग टर्मिनल भेजा गया। आगामी नई वायुमंडलीय और वैक्यूम आसवन इकाई के लिए क्रूड डिस्टिलेशन कॉलम के निर्माण के साथ बीआर-09 परियोजना ने 2022-23 के दौरान प्रमुख मील के पत्थर देखे। ओवर-डायमेंशनल-कंसाइनमेंट (ओडीसी) डीजल हाइड्रोट्रीटर (एचडीटी) रिएक्टर और ओडीसी रिएक्टर आने वाले नए वंस थ्रू हाइड्रोक्रैकर यूनिट (ओएचसीयू) के लिए स्थापित किए गए। इन ओडीसी रिएक्टरों को जलमार्ग के माध्यम से गुजरात से श्रीलंका के रास्ते सिमरिया जेट्टी तक सुरक्षित रूप से लाया गया था।

सबको मिले सामाजिक सुरक्षा और बंद हो ठेका प्रथा : बीएमएस

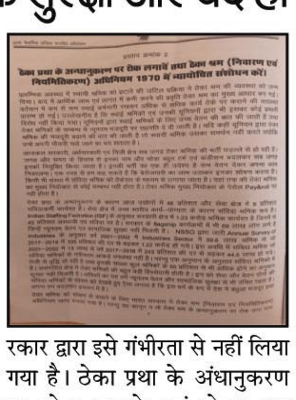
ठेका प्रथा के अन्धानुकरण पर रोक लगायें तथा ठेका श्रम (निवारण एवं नियमितिकरण) अधिनियम 1970 में न्यायोचित संशोधन करें।

पटना,(हि.स.)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के अखिल भारतीय अधिवेशन में शनिवार को दो प्रस्ताव पारित किए गये। पारित किए गए इन प्रस्तावों की प्रतिलिपि सरकार को भेजी जायेगी। मुख्य मंच से 'सामाजिक सुरक्षा सभी को मुहैया हो' का प्रस्ताव बीएमएस के राष्ट्रीय मंत्री सुरेंद्र कुमार पांडेय द्वारा लाया गया, जिसे सह संगठन मंत्री जयंती लाल ने अनुमोदन किया। प्रस्ताव लाते हुए राष्ट्रीय मंत्री पांडेय ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करना देश के नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है किंतु, आज तक केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया गया है। ठेका प्रथा के अंधानुकरण पर रोक लगाने एवं ठेका श्रम (निवारण एवं नियमितीकरण) अधिनियम 1970 में न्यायोचित संशोधन करने का प्रस्ताव राष्ट्रीय मंत्री वी राधाकृष्णन ने लाया, जिसे महामंत्री बृज बिहारी शर्मा ने अनुमोदित किया। राधाकृष्णन ने प्रस्ताव में कहा कि आजकल सरकारी, अर्धसरकारी एवं निजी क्षेत्र में ठेका श्रमिकों की भर्ती हो रही है। ठेका श्रमिक मालिक और सरकार के दोहन और अत्याचार से परेशान हैं, इसलिए ठेका प्रथा को समाप्त कर हम बेहतर समाज का नवनिर्माण कर सकते हैं। मुख्य मंच से पारित प्रस्ताव को उपस्थित भारतीय मजदूर संघ के कार्यकताओं ने भी 'भारत माता की जय' का उद्घोष कर अपनी सहमति दी।

संपादकीय

न्यायपालिका ने दिखाया विपक्ष को आईना

भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की तीव्र कार्रवाइयों से विपक्षी राजनीतिक दल हलाकान हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेता तो लगभग बौखलाए हुए हैं। भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाइयों को वे न केवल राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं अपितु भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुलकर काम कर रही एजेंसियों को भी निशाना बना रहे हैं। इसी संदर्भ में 14 विपक्षी दलों ने सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। हालाँकि सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों पर रोक लगाने की जगह विपक्षी दलों की इस व्यर्थ की याचिका को ही सुनवाई के योग्य नहीं माना। एक तरह से न्यायालय ने विपक्षी दलों के आरोपों को सिरे से नकारकर उन्हें आईना दिखाया है। उल्लेखनीय है कि ऐसा संभवतः पहली बार हुआ होगा जब भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही कार्रवाइयों को बाधित करने के लिए एक या दो नहीं अपितु 14 राजनीतिक दल केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय तक चले गए। इससे साफ होता है कि विपक्षी दलों को यह समझ आ गया है कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार बड़े पैमाने पर अभियान चला रही है और यदि सरकार को रोका नहीं गया तब उनकी स्थिति बदतर हो जाएगी। विपक्ष के आरोपों के संदर्भ में एक तथ्य अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि केंद्रीय एजेंसिया केवल विपक्षी दलों के नेताओं के विरुद्ध ही कार्यवाही नहीं कर रही हैं अपितु भाजपा और उसके सहयोगी भी उनकी कार्रवाइयों के दायरे में आए हैं। पिछले कुछ महीनों में भ्रष्टाचारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी बड़ी संख्या में कार्रवाइयां हुई हैं। यह तथ्य विपक्षी दल भी जानते हैं लेकिन सच बताते नहीं हैं। कहना होगा कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार पर हो रही कार्रवाई को रोकना भी चाहते हैं और भ्रष्टाचार के समर्थक भी नहीं दिखना चाहते। यह अंतर्विरोध उनकी याचिका में भी दिखायी देता है, जिसकी ओर न्यायालय ने भी संकेत किया है- "आप केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, यह भी कहते हैं कि नेताओं के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं चाहते क्योंकि वे भी सामान्य नागरिक हैं। फिर आप ही बताइए कि न्यायालय केंद्रीय एजेंसियों को यह निर्देश कैसे दे सकती है कि नेताओं के मामलों में गिरफ्तारी से पहले खास प्रक्रिया अपनाए?" सर्वोच्च न्यायालय की बात सही है कि कानून हर नागरिक के लिए समान है। ऐसे में कोई भी ऐसी माँग कानून की कसौटी पर खरी नहीं उतर सकती, जिसमें किसी भी बहाने से खास लोगों के लिए विशेष व्यवहार की बात कही जाए। भारत का संविधान किसी के साथ अंतर करने की बात नहीं कहता है। प्रतीक के तौर पर हमने कानून की जो मूर्ति बनायी है, उसकी आँखों पर पट्टी इसलिए ही बांधी गई है ताकि यह संदेश जाए कि कानून चेहरा और हैसियत देखकर व्यवहार नहीं करता है, वह सबके लिए समान है। बहरहाल, विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही कार्रवाइयों पर आम जनता भी उनके तथाकथित तथ्यों एवं आरोपों को स्वीकार नहीं करेगी। देश के लगभग सभी नागरिक चाहते हैं कि भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई हो और उसे समाप्त किया जाए।

> विपक्ष के आरोपों के संदर्भ में एक तथ्य अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि केंद्रीय एजेंसिया केवल विपक्षी दलों के नेताओं के विरुद्ध ही कार्यवाही नहीं कर रही हैं अपितु भाजपा और उसके सहयोगी भी उनकी कार्रवाइयों के दायरे में आए हैं। पिछले कुछ महीनों में भ्रष्टाचारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी बड़ी संख्या में कार्रवाइयां हुई हैं। यह तथ्य विपक्षी दल भी जानते हैं लेकिन सच बताते नहीं हैं। कहना होगा कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार पर हो रही कार्रवाई को रोकना भी चाहते हैं और भ्रष्टाचार के समर्थक भी नहीं दिखना चाहते। यह अंतर्विरोध उनकी याचिका में भी दिखायी देता है, जिसकी ओर न्यायालय ने भी संकेत किया है- "आप केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं।

अमृत कलश

आनंद

सदियों से, माता–पिता लोगों को नष्ट कर रहे हैं। वे अपने माता–पिता द्वारा नष्ट कर दिए गए थे, और इसी तरह और आगे चलता है। ऐसा लगता है कि यह एक पुरानी अवस्था है। तुम्हारे माता–पिता खुश नहीं थे; वे जो कुछ भी जानते थे, उसने उन्हें दुखी और अधिक दुखी बना दिया–और उन्होंने आपको इसके लिए प्रशिक्षित किया, और उन्होंने आप में अपनी एक प्रतिकृति बना ली है। 'तो मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह उनकी जिम्मेदारी है; यह एक अचेतन, जीर्ण अवस्था है जो स्वयं को कायम रखती है। इसलिए अपने माता–पिता के खिलाफ शिकायत करने की कोई जरूरत नहीं है–इससे कोई फायदा नहीं होगा। जिस दिन आप इसे समझ जाएंगे, आपको होशपूर्वक इसे छोड़ना होगा और इससे बाहर आना होगा। 'यदि आप खुश रहना चाहते हैं तो एक व्यक्ति बनें। अगर आप खुश रहना चाहते हैं, तो खुद चुनना शुरू करें। कई बार आपको अवज्ञाकारी होना पड़ेगा–हो ! कई बार आपको विद्रोही होना पड़ेगा–हो ! इसमें कोई अनादर निहित नहीं है। अपने माता–पिता का सम्मान करें, लेकिन याद रखें कि आपकी सबसे गहरी जिम्मेदारी आपके अपने होने के प्रति है। 'हर किसी को घसीटा जाता है और उसके साथ छेड़छाड़ की जाती है, इसलिए कोई नहीं जानता कि उसकी नियति क्या है। आप जो वास्तव में हमेशा से करना चाहते थे, आप भूल गए हैं। और आप कैसे खुश रह सकते हैं? कोई व्यक्ति जो कवि हो सकता था वह सिर्फ साहूकार है। कोई व्यक्ति जो चित्रकार हो सकता था वह एक डॉक्टर है। कोई व्यक्ति जो डॉक्टर हो सकता था, एक सुंदर डॉक्टर, एक व्यवसायी है। सभी विस्थापित हैं। हर कोई कुछ ऐसा कर रहा है जो वह कभी नहीं करना चाहता था– इसलिए अप्रसन्नता है। 'खुशी तब होती है जब आप अपने जीवन के साथ फिट होते हैं, जब आप इतने सामंजस्यपूर्ण रूप से फिट होते हैं कि आप जो कुछ भी कर रहे हैं वह आपका आनंद है। तब अचानक आपको पता चलेगा कि ध्यान आपका पीछा करता है। यदि आप उस काम से प्यार करते हैं जो आप कर रहे हैं, अगर आप जिस तरह से रह रहे हैं उससे प्यार करते हैं तो आप ध्यानपूर्ण हैं।'

बोध कथा

सादगी और बड़प्पन

फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन एक बार हवाई जहाज से यात्रा कर रहे थे। उनके बगल वाली सीट पर बहुत ही साधारण दिख रहे एक सज्जन बैठे थे। अमिताभ बच्चन को अन्य यात्री तो पहचान रहे थे, लेकिन वह सज्जन अपने बराबर में बैठे अमिताभ के प्रति अंजान लग रहे थे। उन्होंने अमिताभ की तरफ ध्यान नहीं दिया। उनके साथ अमिताभ ने बातचीत करने की कोशिश की और उन्हें देखकर अमिताभ मुस्कुराये। वह सज्जन भी अमिताभ की ओर देखकर विनम्रता से मुस्कुराया और 'हैलो' कहा। उनकी बातचीत शुरू हुई और अमिताभ ने सिनेमा और फिल्मों के विषय को उठाया और पूछा, 'क्या आप फिल्में देखते हैं?' सज्जन ने जवाब दिया, 'ओह, बहुत कम। कई साल पहले एक फिल्म देखी थी।' अमिताभ ने उल्लेख किया कि उन्होंने फिल्म उद्योग में काम किया है। सज्जन ने जवाब दिया, 'ओह, यह अच्छा है।' सज्जन ने प्रश्न किया, 'आप क्या करते हैं?' अमिताभ ने जवाब दिया, 'मैं एक अभिनेता हूं।' सज्जन ने सिर हिलाया, 'ओह, यह अद्भुत है!' जब वे दोनों फ्लाइट से उतरे, तो अमिताभ ने हाथ मिलाते हुए कहा, 'आपके साथ यात्रा करना अच्छा था। वैसे, मेरा नाम अमिताभ बच्चन है!' वह सज्जन हाथ मिलाते हुए मुस्कुराया, 'थैंक्यू, आपसे मिलकर अच्छा लगा। मैं जेआरडी टाटा (टाटा ग्रुप का चेयरमैन) हूं!' इतना सुनते ही अमिताभ बच्चन उनके सामने नतमस्तक हो गए।

मुद्रा के बाजार मूल्य को बचाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करना एक मजबूरी बन जाता है

रेपो दर में वृद्धि को रोकना, भारतीय रिजर्व बैंक का साहसिक निर्णय

प्रह्लाद सबनानी

> वत्तिीय वर्ष 2022–23 में बैकों के ऋ ण 15 .4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 17 .8 लाख करोड़ रुपए से बढ़ें है जबकि वत्तिीय 2021–22 में बैकों के ऋ णों में 9 .7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। ब्याज दरों में वृद्धि होने से ऋ ण की लागत भी बढ़ती है जो अंतत : उत्पादन की लागत को भी वपिरीत रूप से प्रभावति करती है।अत : आर्थिक गतिवधियिों में और अधिक तेजी लाने के लिए ब्याज की लागत को कम बनाए रखना आवश्यक है। तीसरे, भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में अब मजबूत हो रहा है। चूंकि वकिसित देशों द्वारा, वशिष रूप से अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते कुछ समय पूर्व तक भारतीय रुपए पर, अमेरिकी डॉलर की तुलना में, दबाव दिखाई दे रहा था।

पिछले एक वर्ष से भी अधिक समय से पूरे विश्व में लगभग सभी देश लगातार बढ़ती मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करते जा रहे हैं। अभी हाल ही में अमेरिका ने यूएस फेड दर में 25 आधार अंकों की एवं ब्रिटेन ने केंद्रीय ब्याज दर में 50 आधार अंको की वृद्धि की है। यही स्थिति लगभग सभी विकसित देशों की है। इन देशों में हालांकि ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने से मुद्रा स्फीति पूर्णतः नियंत्रण में आती दिखाई नहीं दे रही है, हां कुछ देशों में मुद्रा स्फीति में कुछ कमी जरूर आई है। सामान्यतः विश्व के कई देश, विशेष रूप से विकसित देश, यदि ब्याज दरों में वृद्धि करते हैं तो अन्य देशों को अपनी मुद्रा के बाजार मूल्य को बचाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करना एक मजबूरी बन जाता है। परंतु, दिनांक 06 अप्रेल 2023 को सम्पन्न हुई भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया गया है, वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक परिस्थितियों के बीच यह एक साहसिक निर्णय कहा जा सकता है। बल्कि आगे आने वाले समय में अब अन्य देश भी (विकसित देशों सहित) भारतीय रिजर्व बैंक के इस निर्णय का अनुसरण कर सकते हैं, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। एक तरह से भारत ने इस संदर्भ में अन्य देशों को राह ही दिखाई है। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए विकसित देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को विपरीत रूप से प्रभावित करता नजर आ रहा है, जबकि इससे मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण होता दिखाई नहीं दे रहा है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में अब पुराने सिद्धांत बोथरे साबित हो रहे हैं। और फिर, केवल मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना ताकि बाजार में वस्तुओं की मांग कम हो, एक नकारात्मक निर्णय है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उत्पादों की मांग कम होने से, कम्पनियों का उत्पादन कम होता है, देश में मंदी फैलने की सम्भावना बढ़ने लगती है, इससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा पैदा होने लगता है, सामान्य नागरिकों की ईएमआई में वृद्धि होने लगती है, आदि। अमेरिका में कई कम्पनियों ने इस माहौल में अपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए 2 लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। किसी नागरिक को बेरोजगार कर देना एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा। और फिर, अमेरिका में ही इसी माहौल के बीच दो बड़े बैंक फैल हो गए हैं। यदि इस प्रकार

की परिस्थितियां अन्य देशों में भी फैलती हैं तो पूरे विश्व में ही मंदी की स्थिति छा सकती है। मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए मांग में कमी लाकर उत्पादन कम करने जैसे निर्णयों के स्थान पर आपूर्ति को बढ़ाए जाने जैसे सकारात्मक प्रयास किए जाने चाहिए। इससे उत्पादन बढ़ेगा, विकास की गति तेज होगी एवं रोजगार के और अधिक नए अवसर निर्मित होंगे। अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में निर्मित हो रही मंदी की आशंकाओं के बीच भारत में स्थिति बहुत नियंत्रण में दिखाई दे रही है। केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से सही समय पर सही निर्णय लिए हैं। हालांकि भारत में भी रेपो दर में मई 2022 के बाद से 250 आधार अंको की वृद्धि की गई है। परंतु, भारत में उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों, की आपूर्ति को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारत में मुद्रा स्फीति को आंकने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की टोकरी में खाद्य पदार्थों की उपस्थिति 40 प्रतिशत से अधिक है। खाद्य पदार्थों की मांग को ब्याज दरें बढ़ाकर नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बढ़ाकर इनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूर रखा जा सकता है। इसी प्रकार की नीतियों का पालन भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने किया है। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को यह निर्देश दिए गए हैं कि भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 4 प्रतिशत रहनी चाहिए। हां, विशेष परिस्थितियों में यह, इस दर से 2 प्रतिशत अधिक अथवा कम हो सकती है। इस प्रकार, भारत में मंहगाई की दर 2 से 6 प्रतिशत के बीच रह सकती है। कोरोना महामारी में बाद एवं रूस यूक्रेन युद्ध के चलते भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 7 प्रतिशत से अधिक हो गई थी। अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में पिछले एक वर्ष के दौरान 250 आधार अंको की वृद्धि करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर पहुंचा दिया है, इसी प्रकार अन्य कई निर्णय भी केंद्र सरकार द्वारा लिए गए हैं। इन निर्णयों के कारण भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर अब घटती भी जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर घटकर 5.2 प्रतिशत हो जाएगी। जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर फरवरी 2023 माह में घटकर 3.85 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है। दूसरे, भारत में ब्याज दरों को बढ़ने से रोकना इसलिए भी जरूरी है कि पिछले कुछ समय से आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के चलते बैंकों से ऋण सुविधाओं का उपयोग बहुत बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में बैंकों के ऋण 15.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 17.8 लाख करोड़ रुपए से बढ़ें है जबकि वित्तीय 2021-22 में बैंकों के ऋणों में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। ब्याज दरों में वृद्धि होने से ऋण की लागत भी बढ़ती है जो अंततः उत्पादन की लागत को भी विपरीत रूप से प्रभावित करती है। अतः आर्थिक गतिविधियों में और अधिक तेजी लाने के लिए ब्याज की लागत को कम बनाए रखना आवश्यक है। तीसरे, भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में अब मजबूत हो रहा है। चूंकि विकसित देशों द्वारा, विशेष रूप से अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते कुछ समय पूर्व तक भारतीय रुपए पर, अमेरिकी डॉलर की तुलना में, दबाव दिखाई दे रहा था। अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 83 रुपए प्रति डॉलर को भी पार कर गया था परंतु दिनांक 6 अप्रेल 2023 को यह सुधरकर 81.90 रुपए प्रति डॉलर हो गया है। डॉलर सूचकांक भी धीमे धीमे निचले स्तर पर आ रहा है, यह कुछ समय पूर्व तक 122 के स्तर पर पहुंच गया था, जो दिनांक 6 अप्रेल 2023 को 101.89 के अपने निचले स्तर पर आ गया है। साथ ही, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी पिछले लगातार दो सप्ताह से बहुत अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है और यह 10 मार्च 2023 के स्तर 56,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर दिनांक 24 मार्च 2023 को 57,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। अतः अब भारत को अमेरिकी ब्याज दरों का अनुसरण करने की आवश्यकता नहीं है। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार पर इस संदर्भ में नजर जरूर बनाए रखने की आवश्यकता बनी रहेगी।

माफियाओं के खिलाफ योगी के सख्त तेवरों से ही रहता है यूपी में अमन-चैन का माहौल

> असल में यूपी में जब कोई व्यक्ति अपराध करता है तो योगी की पुलिस उन अपराधियों को तो तुरंत धर दबोच लेती है जो पेशेवर अपराधी नहीं होते हैं और वपिरीत परिस्थितियों में उनसे अपराध हो जाता है, लेकिन आदतन या पेशेवर अपराधी तत्वों को यूपी पुलिस तुरंत गिरफ्तार करने पर ज्यादा जोर नहीं देती है। यह वह अपराधी होते हैं जो पहले भी हवालात की सजा काट चुके होते हैं और उन्हें जेल जाने से डर भी नहीं लगता है। ऐसे में इन पेशेवर अपराधियों को सबक सिखाने के लिए योगी सरकार इन्हें जेल भेजने से पहले इनके दहशत के साम्राज्य को तोड़ती है। इनकी अवैध संपत्ति की कुर्की के लिए डोजियर तैयार किया जाता है। इसके बाद अपराधी की कमर तोड़ने के लिए बुलडोजर की इंट्री होती है। बुलडोजर पेशेवर अपराधी तत्वों की जुर्म की दुनिया में रहकर कमाई गई अकूत संपत्ति को नेस्तानाबूत करता है। गुंडे-माफियाओं और उनके गुर्गों द्वारा जबरन हथियाई गई जमीन को खाली कराया जाता है। यदि इनके पास किसी तरह के असलहे होते हैं तो उसका लाइसेंस रद्द किया जाता है। इसके पश्चात उन लोगों पर शिकंजा कसा जाता है जो सीधे तौर पर तो किसी अपराध से नहीं जुड़े होते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अपराधियों की मदद करते रहते हैं।विकास दुबे, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के साम्राज्य को इसी प्रकार से तोड़ा गया है। ऐसे में कई अपराधी डर के मारे आत्मसमर्पण कर देते हैं या फिर पुलिस के साथ लुकाछिपी के खेल में एनकाउंटर के शिकार हो जाते हैं। बाहुबली वकिास दुबे इसकी ताजा मिसाल है, जो पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए परम्परागत रूप से उठाये जाने वाले कदमों से अलग तौर तरीके से चल रहे हैं,जिसकी वजह से अपराधी खौफजदा हैं उनके मददगारों और पनाहगारों की संख्या कम होती जा रही है। असल में यूपी में जब कोई व्यक्ति अपराध करता है तो योगी की पुलिस उन अपराधियों को तो तुरंत धर दबोच लेती है जो पेशेवर अपराधी नहीं होते हैं और विपरीत परिस्थितियों में उनसे अपराध हो जाता है, लेकिन आदतन या पेशेवर अपराधी तत्वों को यूपी पुलिस तुरंत गिरफ्तार करने पर ज्यादा जोर नहीं देती है। यह वह अपराधी होते हैं जो पहले भी हवालात की सजा काट चुके होते हैं और उन्हें जेल जाने से डर भी नहीं लगता है। ऐसे में इन पेशेवर अपराधियों को सबक सिखाने के लिए योगी सरकार इन्हें जेल भेजने से पहले इनके दहशत के साम्राज्य को तोड़ती है। इनकी अवैध संपत्ति की कुर्की के लिए डोजियर तैयार किया जाता है। इसके बाद अपराधी की कमर तोड़ने के लिए बुलडोजर की इंट्री होती है। बुलडोजर पेशेवर अपराधी तत्वों की जुर्म की दुनिया में रहकर कमाई गई अकूत संपत्ति को नेस्तानाबूत करता है। गुंडे-माफियाओं और उनके गुर्गों द्वारा जबरन हथियाई गई जमीन को खाली कराया जाता है। यदि इनके पास किसी तरह के असलहे होते हैं तो उसका लाइसेंस रद्द किया जाता है। इसके पश्चात उन लोगों पर शिकंजा कसा जाता है जो सीधे तौर पर तो किसी अपराध से नहीं जुड़े होते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अपराधियों की मदद करते रहते हैं। विकास दुबे, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के साम्राज्य को इसी प्रकार से तोड़ा गया है। ऐसे में कई अपराधी डर के मारे आत्मसमर्पण कर देते हैं या फिर पुलिस के साथ लुकाछिपी के खेल में एनकाउंटर के शिकार हो जाते हैं। बाहुबली विकास दुबे इसकी ताजा मिसाल है, जो पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इससे पूर्व उसकी करोड़ों की अवैध संपत्ति भी पुलिस ने उसके कब्जे से खाली करा ली थी। इसी प्रकार मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद जैसे बाहुबलियों के भी आर्थिक साम्राज्य को तोड़ा गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा हो गया है। अब तक के छह साल के कार्यकाल में यूपी पुलिस ने माफियाओं, अपराधियों और बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, शराब माफिया बदन सिंह बद्दो, कुख्यात सुनील राठी, सुशील मूंछ, सुंदर भाटी, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह और बाहुबली विजय मिश्रा समेत 64 गैंगस्टरों की 3000 करोड़ रुपए की संपत्तियां पुलिस ने या तो जब्त की हैं या फिर सरकार ने उन पर बुलडोजर चलवा दिया है। इसमें माफिया डॉन अतीक अहमद के अलावा मुख्तार अंसारी की 523 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इसी तरह ढाई लाख के इनामी बदन सिंह बद्दो की भी करोड़ों रुपए की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं जबकि उसके और उसके सहयोगियों के तमाम अवैध अड्डों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। बाहुबली विजय मिश्रा की भी 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां अब तक जब्त की जा चुकी हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों को सजा दिलाने के मामले में भी काफी तत्परता दिखा रही है। योगी राज के दूसरे कार्यकाल के पहले ही वर्ष में यूपी के टॉप लेवल के 13 माफियाओं को कोर्ट ने सजा सुनाई है, जो पहले कभी नहीं हुआ। बाहुबली अतीक अहमद को हाल में ही उमेश पाल अपहरण कांड में उम्र कैद की सजा सुनाई है। अतीक गुजरात के साबरमती जेल में सजा काट रहा है। अतीक के खिलाफ सौ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन उसके खिलाफ कोई गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। वहीं बाहुबली मुख्तार अंसारी जिसके खिलाफ कभी कोई गवाही नहीं देता था, उसको सजा दिलाने के लिए अभियोजन विभाग ने सशक्त पैरवी की। गवाहों को कोर्ट तक पहुंचाया। नतीजतन, मुख्तार अंसारी को उसके वर्षों से लंबित मुकदमों में सजा होनी शुरू हुई। मुख्तार अंसारी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न थानों में संगीन धाराओं के 61 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह बाहुबली विजय मिश्रा जिसके खिलाफ संगीन धाराओं के 83 केस दर्ज हैं उसे भी कोर्ट ने सजा दी। अभियोजन विभाग की पैरवी से आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सजा मिली जिससे उनकी विधायकी रद्द हुई। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति में पुलिस और अन्य एजेंसियों के सहयोग से यह सब संभव हुआ। योगी सरकार के एक साल की बात की जाए तो योगी राज में बीते एक साल में 21 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए, 1256 अपराधी मुठभेड़ में घायल हुए। वहीं एनकाउंटर के दौरान 182 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। इसी बीच 25000 के 2749 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए और 50000 के 267 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए, इसके अलावा 50,000 से ज्यादा इनाम वाले 36 अपराधी गिरफ्तार हुए। गैंगस्टर एक्ट के 3903 केस रजिस्टर किए गए जबकि 12513 आरोपी गिरफ्तार करके जेल भेजे गए। 126 अपराधियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई हुई। गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 70 अरब 58 करोड़ 64 लाख 33 हजार 537 रुपए की चल अचल संपत्तियां जब्त की गईं। बीते एक साल में एसटीएफ ने 847 अपराधियों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने चार अपराधियों को एनकाउंटर में मारा और 85 इनामी अपराधी गिरफ्तार किए। इसी अवधि में साइबर क्राइम करने वाले 16 अपराधी गिरफ्तार किए गए जबकि ड्रग्स की तस्करी करने वाले 210 अपराधी गिरफ्तार किए गए। 458.79 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए। बीते एक साल में 35 असलहा तस्कर दबोचे गये तो 131 असलहे बरामद किए गए। हाईटेक सर्विलेंस से 69 वारदातों को रोका गया। योगी सरकार आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने में भी पीछे नहीं रही। यूपी में आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, आईएसआई जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित 21 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पीएफआई, रोहिंग्या, बांग्लादेशी, नक्सल से संबंधित 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई। लब्बोलुआब यह है कि योगी राज में अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया गया। गुंडे-माफियाओं ने दहशत के बल पर अपना जो साम्राज्य खड़ा किया था, उसे योगी की पुलिस ने ऐसे माफियाओं-बाहुबलियों के अंदर दहशत पैदा कर उसे धवस्त कर दिया। आज अपराधी हाथों में तख्ती लेकर सरेंडर कर रहे हैं। देशभर में योगी के नाम का डंका बज रहा है। आज स्थिति यह है कि यूपी में अपराध तो कम हुए ही हैं, इसके अलावा दंगाइयों और साम्प्रदायिक शक्तियों के भी हौसले पस्त पड़े हैं।

देश दुनीया से

पुलिस की कार्यप्रणाली और स्वायत्तता

पुलिस की कार्यशैली अभी तक अंग्रेजी राज जैसी चली आ रही है। सरकार के इशारे के बगैर पुलिस पत्ता तक नहीं हिला सकती। पुलिस न केवल अनुसंधान के मामलों में लचर है बल्कि कानून-व्यवस्था में भी राज्य सरकारों का मुंह ताकती रहती है। आतंकी और अन्य बड़े अपराधों के बरी हुए आरोपियों के साथ ही कई राज्यों में रामनवमी पर बिगड़ी कानून-व्यवस्था को संभालने में नाकाम रही पुलिस आरोपों के कटघरे में है। पश्चिमी बंगाल, बिहार और झारखंड में रामनवमी पर हुए सांप्रदायिक उपद्रवों ने पुलिस और राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी। पुलिस और राज्य की इंटेलीजेंस एजेंसियां न सिर्फ दंगों का पहले से पता लगाने में नाकाम रही बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी विफल रही। पश्चिमी बंगाल, झारखंड और बिहार में दंगा एक शहर से दूसरे शहरों तक फैलता चला गया। कानून-व्यवस्था संभालने के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने तत्काल पहल की। इसी पर्व पर उपद्रवियों ने लखनऊ में फसाद करने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस ने उसे सख्ती से नाकाम कर दिया। कानून-व्यवस्था के मामलों में सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस गंभीर मामलों में अनुसंधान को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रही है। राजधानी जयपुर में मई 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 मार्च को चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच एजेंसी की ओर से पेश किए गए सबूतों को गलत पाया। वर्ष 2019 में चारों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। पुलिस की भारी किरकिरी होने के बाद राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की कवायद में जुटी है। पुलिस की नाकामी का दूसरा बड़ा मामला उत्तर प्रदेश के भदोही में सामने आया। भदोही जिले की एक अदालत ने 4 लोगों के एनकाउंटर के 25 साल पुराने मामले में 34 पुलिसकर्मियों समेत 36 लोगों को बरी कर दिया है। पुलिस के हाथ कैसे बंधे होते हैं, इसका एक और उदाहरण खालिस्तान समर्थक और वारिस-ए-पंजाब के प्रमुख अमृतपाल का मामला है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकार अमृतपाल की गिरफ्तारी से बचती रही। पुलिस ही नहीं कई मामलों में सीबीआई और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी भी संवेदनशील अपराधों के मामलों की तफ्तीश को लचर तरीके से करके अपनी किरकिरी करा चुकी है। 11 साल पहले हैदराबाद की प्रसिद्ध मक्का मस्जिद में हुए शक्तिशाली पाइप बम धमाके मामले में स्वामी असीमानंद सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस प्रसिद्ध इबादतगाह में हुए ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सीबीआई के 54 गवाह अपने बयान से मुकर गए। इस पर सीबीआई की खूब फजीहत हुई थी। गुजरात की एक अदालत ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान कलोल में अलग-अलग घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदाय के 12 से अधिक सदस्यों की हत्या और सामूहिक बलात्कार के आरोपी सभी 39 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इसी तरह सूरत की एक अदालत ने प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का सदस्य होने का आरोप झेल रहे 122 लोगों को दिसंबर 2001 में सूरत में हुई एक बैठक में शामिल होने के आरोप से बरी कर दिया। ये चंद ऐसे बड़े उदाहरण हैं जिनसे देश की पुलिस प्रणाली की खराब होती हालत उजागर होती है। इसके अलावा ऐसे छोटे मामलों की संख्या हजारों में है जिनमें पुलिस के ईमानदारी से अनुसंधान नहीं करने पर आरोपी रिहा होते रहे हैं। अपराधों का अनुसंधान लचरता से करने पर पुलिस का समय और सरकारी धन हर साल बर्बाद होता है। इसकी चिंता सरकारों को नहीं है। पुलिस की रुचि भी ऐसे आपराधिक मामलों में अपराधियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाने में ज्यादा नहीं होती, जिनमें कुछ कमाई नहीं होती। यही वजह है कि पुलिस ऐसे अनुसंधानों को गंभीरता से लेने से कन्नी काटती है। पुलिस की बिगड़ती छवि के लिए पुलिस के आला अफसरों समेत राज्य सरकार बराबर की जिम्मेदार है। पुलिस की विफलता पर पर्दा डालने और मनमर्जी से पुलिस से काम कराने में आड़े आने पर सीबीआई की जांच राज्य सरकारों को खटकती रही है। यही वजह है कि विपक्षी दलों की राज्य सरकारें सीबीआई से जांच कराने का विरोध करती रही हैं। इतना ही नहीं पश्चिमी बंगाल और राजस्थान सहित 9 राज्यों की विपक्षी दलों की सरकार सीबीआई से जांच नहीं कराने का प्रस्ताव तक पारित कर चुकी हैं।

> सवाल यह भी है कि अदालत से बरी हुए जिन आरोपियों ने सालों जेल में काटे हैं, इससे उनके भविष्य और परिवार का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार उनका भविष्य तबाह करने के लिए किसी तरह का मुआवजा नहीं देती है। आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने में नाकाम रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मंशा भी सरकारों की नजर नहीं आती। पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी हुए आरोपियों के मामलों से सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा। ऐसी गलतियां फिर नहीं दोहराई जाएं, इसका पक्का इंतजाम करने की मंशा नेताओं और सरकारों की नजर नहीं आती।

नागरिक बोध

कमजोर आर्थिक वर्ग बनाम आरक्षण

आजकल आरक्षण की एक श्रेणी ईडब्लूएस चर्चा का विषय बनी हुई है। ईडब्लूएस (इकोनोमिकली वीकर सेक्शन) जिसको हिंदी में आर्थिक कमजोर वर्ग कहते हैं। यह सामान्य वर्ग के लोगों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में आरक्षण देने के लिए बनाया गया था, जिसके तहत आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाता है। वर्ष 2019 के जनवरी माह में केंद्र सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी, स्कूल और कॉलेज में आरक्षण देने के लिए आर्थिक आधार पर 10 फीसदी का आरक्षण लागू किया था। इसके लिए संविधान में 103वां संशोधन किया गया था। आर्थिक कमजोर वर्ग के आरक्षण के लिए निम्नलिखित शर्तें हैं जैसे सामान्य वर्ग (जनरल केटेगरी) के किसी व्यक्ति को ईडब्लूएस में नहीं माना जायेगा अगर उसके परिवार के पास 1. पांच एकड़ या उससे ज़्यादा कृषि भूमि है। 2. एक हज़ार वर्ग फ़ीट या उससे ज़्यादा का आवासीय फ़्लैट है। 3. अधिसूचित नगर पालिकाओं में 100 वर्ग गज या और उससे ज़्यादा का आवासीय प्लॉट है। 4. अधिसूचित नगर पालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या उससे ज़्यादा के आवासीय प्लॉट हैं। 5. सरकार ने ये भी स्पष्ट किया कि अगर किसी परिवार की अलग-अलग जगहों या शहरों में जमीन या संपत्ति है तो उन सब को जोड़ कर ही ईडब्ल्यूएस होने या न होने का फ़ैसला किया जाएगा। ईडब्ल्यूएस का लाभ प्राप्त करने लिए आवेदकों के पास वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम और संपत्ति का सुबूत होना चाहिए। इसके लिए आवेदकों को आय और संपत्ति प्रमाण पत्र बनवाना होता है। शिक्षक भर्ती के लिए यूजीसी की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुसार प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर ईडब्लूएस कोटे का लाभ उसी को मिल सकता है जिसकी वार्षिक आय आठ लाख रूपए से अधिक न हो। एसोसिएट प्रोफेसर के लिए अन्य शैक्षणिक योग्यता के अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर 8 साल तक पढ़ाने का अनुभव होना आवश्यक है।

कोरोना का खतरा और खुद की हत्या का डर', रूसी रक्षा मंत्रालय के पूर्व गार्ड ने पुतिन को लेकर किए खुलासे

वाशिंगटन।
रूस-यूक्रेन का युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अपनी हत्या का डर सताने लगा है। वह अपनी जान बचाने के लिए सीक्रेट ट्रेन और रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसओ) के पूर्व गार्ड ग्लीब काराकुलोव ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की रक्षा के लिए किए गए तमाम उपायों के बारे में जानकारी दी है।

पुतिन के साथ कर चुका है 180 यात्रा - काराकुलोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति के अलग-अलग शहरों में एक तरह के ऑफिस है। वो अपने ठिकाने को छिपाने के लिए एक गुप्त ट्रेन नेटवर्क का इस्तेमाल करते है। बता दें, ग्लीब काराकुलोव ने पुतिन से जुड़ी यह जानकारी एक राजनीतिक सूचना संगठन डोजियर सेंटर के साथ है। ग्लीब ने बताया कि वह रूसी नेता के साथ 180 से अधिक यात्रा कर चुका है।

कोविड और जान खोने को लेकर डर - ग्लीब काराकुलोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति को सबसे ज्यादा कोविड और अपनी जिंदगी खोने का डर है। वह अधिकतर समय अपने निजी आवासों में बिताते हैं, जिन्हें बंकर कहा जाता है। इसके साथ ही वह लोगों से दूर रहते हैं। वह अभी भी कोविड के दौरान लगे लॉकडाउन के नियमों का पालन कर रहे हैं। वह बहुत ही आत्म केंद्रित नेता हैं। उन्हें अपनी चिंता रहती है।

टेक्नोलॉजी से नहीं है लगाव - अगर कोई कार्यक्रम होने वाला होता है तो उसमें शामिल होने वाले लोगों को दो सप्ताह पहले से ही एकांतवास में रहना होता है। एकांतवास में रहे कर्मचारी ही एक कमरे में उनके साथ काम कर सकते हैं। वहीं ग्लीब ने बताया कि पुतिन को टेक्नोलॉजी नहीं पसंद है। वह फोन या इंटरनेट का उपयोग नहीं करते हैं। पुतिन जानकारी लेने के लिए अपने करीब लोगों की मदद लेते हैं।

अपने निजी वाहन में ही करते हैं यात्रा - फएसओ के पूर्व गार्ड ग्लीब काराकुलोव ने एक और रोचक खुलासा किया। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति अगर लंबे समय के लिए यात्रा करते हैं, तो वह अपने निजी वाहन का उपयोग करते हैं। पुतिन की गुप्त सेवाएं विदेशी खुफिया से उनकी गतिविधियों को छिपाने और हत्या के किसी भी कोशिश को रोकने के लिए नकली मोटरसाइकिल और विमानों का इस्तेमाल करती हैं। इसका कारण यह है कि इन वाहनों को ट्रैक नहीं किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नॉर्थ कोरिया ने टेस्ट किया दूसरा अंडरवाटर न्यूक्लियर ड्रोनः इसे हाइल-2 नाम दिया गया, कोरियन भाषा में इसका मतलब सुनामी

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने एक बार फिर से अंडर वाटर न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग की है। वहां के सरकारी मीडिया ने इसकी जानकारी दी। नॉर्थ कोरिया ने अपने इस दूसरे अंडर वाटर न्यूक्लियर ड्रोन को हाइल-2 नाम दिया है। कोरियन भाषा में हाइल का मतलब सुनामी होता है। ये ड्रोन समुद्र में दुश्मन पर चुपचाप हमला करने में माहिर है। नॉर्थ कोरिया ने इस ड्रोन की टेस्टिंग 4 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच की है। इस दौरान हाइल ने हजार किलोमीटर की दूरी तय की। नॉर्थ कोरिया का दूसरा अंडरवाटर न्यूक्लियर ड्रोन टारगेट पर अटैक करने से पहले 71 घंटों तक पानी में रहा। परीक्षण करने की जानकारी देने से 2 दिन पहले नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका और साउथ कोरिया को बढ़ते तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों ने लगातार जॉइंट मिलिट्री ड्रिल्स कर स्थिति को परमाणु युद्ध की कगार पर ला दिया है। तानाशाह किम जोंग ने ड्रिल्स के बदले आक्रामक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी थी। नॉर्थ कोरिया ने मिसाइलों के बाद अपने पहले अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन का सफल परीक्षण 21 से 23 मार्च के बीच किया था। मिलिट्री के इस न्यूक्लियर ड्रोन में रेडियो एक्टिव सुनामी लाने की क्षमता है। ये दूसरे देशों के पोर्ट्स, यानी बंदरगाहों को भी आसानी से तबाह कर सकता है। न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग को खुद नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने मॉनिटर किया था।

अंतरिक्ष से प्रदूषण पर रखी जाएगी नजर, नासा-स्पेसएक्स ने हर घंटे वायु गुणवत्ता बताने वाला उपकरण टेम्पो किया लॉन्च

वाशिंगटन । नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया है, जो वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष से हवा की गुणवत्ता का निरीक्षण करने के तरीके में

सुधार करेगा। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी ने एलन मस्क के सहयोग से सात अप्रैल को टेम्पो या ट्रोपोस्फेरिक एमिशन मॉनिटरिंग ऑफ पॉल्यूशन इंस्ट्रूमेंट नामक एक वायु-गुणवत्ता मॉनिटर लॉन्च किया। नासा ने बताया कि नासा-स्मिथसोनियन इंस्ट्रूमेंट टेम्पो पहला अंतरिक्ष-आधारित उपकरण है, जो चार वर्ग मील तक प्रमुख वायु प्रदूषकों की हर एक घंटे में निगरानी करेगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने ट्वीटर पर पोस्ट कर कहा कि दक्षिण अमेरिका के दिन की वायु गुणवत्ता की टेम्पो हर घंटे की रिपोर्ट देगा। यह तीन मुख्य प्रदूषकों की निगरानी करेगा और शहर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चेताता रहेगा। जानकारी के अनुसार, टेम्पो में खास तरह के यंत्र लगे हैं, जो दिन में यानी रोशनी में हर घंटे उत्तरी अमेरिका के ऊपर से गुजरेगा। यह हर बार 10 वर्ग किलोमीटर के इलाके में वायु प्रदूषण के स्तर का आंकड़ा रिकॉर्ड करेगा। इसकी रेंज अटलांटिक महासागर से प्रशांत महासागर और मध्य कनाडा से मेक्सिको सिटी तक होगी। यह एक बड़े वॉशिंग मशीन के आकार का यंत्र है, जिसे बॉल एयरोस्पेस ने बनाया है।

टेक्सास से लापता लड़के की मौत की आशंका, अमेरिकी पुलिस ने भारत से माता-पिता के प्रत्यर्पण की मांग की

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास में कई महीनों से लापता छह साल के बच्चे की मौत होने की आशंका है। उसके माता-पिता भारत भाग गए हैं और उनके खिलाफ बच्चे को बेसहारा छोड़ने और उसकी जिंदगी को खतरे में डालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है। नोएल रोड्रिग्ज-अल्वारेज दिव्यांग था और उसे विशेष देखरेख की जरूरत थी। उसे आखिरी बार नवंबर में देखा गया था। पिछले साल अक्तूबर में उसकी जुड़वां बहनों का जन्म हुआ था, उसके कुछ समय बाद अल्वारेज को देखा गया था। एवरमैन पुलिस प्रमुख क्रेग स्पेंसर ने कहा कि लापता लड़के की तलाश के मामले को हत्या की जांच में तब्दील कर दिया गया है और बच्चे के शव को बरामद करने की कोशिश की जा रही है। स्पेंसर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पुलिस के पास नोएल की मां सिंडी रोड्रिग्ज सिंह और अर्शदीप सिंह के खिलाफ अपने बच्चे को बेसहारा छोड़ने और उसकी जिंदगी को खतरे में डालने को लेकर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि इन भगोड़े माता-पिता को गिरफ्तार किया जाए और प्रत्यर्पित करके अमेरिका लाया जाए, ताकि हम उनसे नोएल की गुमशुदगी के बारे में जानकारी ले सकें। नोएल सिंडी (37) के दस बच्चों में से एक था। उसके तीन भाई-बहन अपने दादा-दादी के साथ रहते हैं, जबकि नोएल और अन्य एवरमैन के एक इलाके में मलीन झोपड़ी में अपनी मां सिंडी के साथ रहते थे।

ताइवान के पास चीन की मिलिट्री ड्रिल

8 जंगी जहाज और 40 से ज्यादा फाइटर जेट शामिल ; ताइवानीज प्रेसिडेंट के यूएस दौरे से नाराज

बीजिंग/ताइपे।
चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने ताइवान के ईदगिर्द इलाकों में सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। ये मिलिट्री ड्रिल तीन दिन चलेगी। चीन ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका विजिट तुरंत बाद ये कदम उठाया है। चीन ने फुजियान प्रांत के पिंगटन आईलैंड के पास 4 इलाकों में मिलिट्री ड्रिल शुरू की है। ये इलाका ताइवान के काफी करीब है। ताइवान की डिफेंस मिनिस्ट्री का कहना है कि पिंगटन आईलैंड के इलाके में चीन के 8 वॉरशिप और 42 फाइटर जेट्स दिखाई दिए हैं। 7 अप्रैल को ही चीन ने अपने 2 लड़ाकू विमान और शेनडोंग समेत 3 वॉरशिप ताइवान के पास तैनात कर दिए थे।

10 अप्रैल तक चलेगी मिलिट्री एक्सरसाइज - चीन ने इस अभ्यास को यूनाइटेड शार्प सोर्ड नाम दिया गया है। ये मिलिट्री ड्रिल ताइवानी तट से सिर्फ 50 किमी दूर की जा रही है। इसमें असली हथियारों और गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये एक्सरसाइज 10 अप्रैल तक चलेगी। चीन पहले यह ड्रिल ताइवान से करीब 100 किमी दूर करता था, लेकिन साई इंग वेन के अमेरिका दौरे के बाद अब बेहद नजदीक पहुंच गया है। पीएलए ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने कहा- ये अभ्यास समुद्र और हवा में हमारे हथियारों की ताकत दिखाएगा।

ग्लोबल सप्लाई चेन पर होगा असर - चीन ताइवान के आस-पास समुद्र में मिलिट्री ड्रिल कर रहा है। ये इलाका काफी बिजी शिपिंग रूट है। इसी रास्ते से सेमीकंडक्टर और अन्य

इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स दुनियाभर में भेजे जाते हैं। नैचुरल गैस सप्लाई के लिए भी ये सी-रूट महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग आधे कंटेनर शिप इसी रास्ते से निकलते हैं। ऐसे में चीन के यहां मिलिट्री एक्सरसाइज करने से शिप्स को आने-जाने से रोका जा सकता है।

5 अप्रैल को अमेरिका पहुंची थीं ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन - दरअसल, ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने 5 अप्रैल को कैलिफोर्निया में स्पीकर मैकार्थी से मुलाकात की थी। जिसे चीन ने भड़काऊ हरकत बताया था। युद्धपोत और लड़ाकू विमानों से ताइवान की रेकी करने के अलावा चीन ने अमेरिका में ताइवान के प्रतिनिधि पर पाबंदियां लगा दी। प्रतिनिधि हसिआओ बी किम और उनका परिवार पाबंदियों के चलते अब कभी चीन, हांगकांग और मैकाउ नहीं जा पाएगा। इसके अलावा राजदूत की कंपनियां भी चीन के साथ कोई व्यापार नहीं कर पाएंगी। वहीं, चीन ने दो अमेरिकी संस्थाओं पर भी बैन लगाने की घोषणा की। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन्हीं दो संस्थाओं ने राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिकी यात्रा की प्लानिंग की थी। इन संस्थाओं में कैलिफोर्निया की रोनाल्ड रीगन लाइब्रेरी भी शामिल है।

नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट के बाद भी चीन ने मिलिट्री ड्रिल की थी - 2 अगस्त को पूर्व अमेरिकी संसद स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इससे नाराज चीन ने 4 अगस्त को ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में मिलिट्री ड्रिल की थी। नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट को लेकर यूएस और चीन के बीच तनाव बना हुआ था। चीन अमेरिका को धमकी दे रहा था। वो नहीं चाहता था कि पेलोसी ताइवान का दौरा करें।

चीन ने कहा था कि अगर पेलोसी का प्लेन ताइवान की तरफ गया तो वो उस पर हमला कर देगा। इस धमकी के बाद अमेरिकी नेवी और एयरफोर्स के 24 एडवांस्ड फाइटर जेट्स ने नैंसी के प्लेन को एस्कॉर्ट किया था।

जान बचाने के लिए तेजी से समर्पण कर रहे रूसी सैनिक, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का दावा

कीव । यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि रूस के सैनिक तेजी से आत्मसमर्पण कर रहे हैं। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि रूसी सैनिकों के आत्मसमर्पण करने में तेजी आई है और बड़ी संख्या में रूसी सैनिक अपनी जान बचाने के लिए आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। उनका दावा है कि कुछ रूसी सैनिक युद्ध के मैदान में पकड़े भी गए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों का दावा है कि बीते महीने करीब तीन हजार रूसी सैनिकों ने आत्मसमर्पण के लिए अपील की है। उन्होंने कहा कि बीते महीनों के मुकाबले इसमें दोगुनी वृद्धि हुई है। बता दें कि यूक्रेन के युद्धबंदियों के इलाज के लिए काम करने वाले मुख्यालय, यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय और यूक्रेनी खुफिया विभाग ने मिलकर एक हॉटलाइन शुरू की है, जिसमें आत्मसमर्पण करने वाले सैनिक अपील कर सकते हैं। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अभी यूक्रेन ने जवाबी हमला शुरू भी नहीं किया है लेकिन इसका असर अभी से ही दिखना शुरू हो गया है। रूस के सैनिकों के पास दो ही विकल्प हैं, या तो पकड़े जाओ या फिर मरने के लिए तैयार रहो। रक्षा मंत्रालय ने ये भी कहा कि तेजी से होने वाले आत्मसमर्पण हालात को बदल भी सकते हैं लेकिन अब आत्मसमर्पण करने की समय सीमा तेजी से खत्म हो रही है।

9 साल पत्नी को कैद रखा, कोर्ट ने सुनाई सजा

चीन में तीन बार बेची गई महिला, जानवरों की तरह जंजीरों में रखा था

बीजिंग।
चीन में एक महिला को जंजीरों में बांध कर रखने से जुड़े तस्करी के हाई प्रोफाइल मामले में कोर्ट ने सजा का ऐलान किया। महिला के पति समेत 6 लोगों को अलग-अलग आरोपों में 8 से 13 साल तक की सजा सुनाई गई। ये पूरा मामला 2022 में एक व्लॉगर के वीडियो से सामने आया था। जब उसे चीन के सूदूर इलाके फेंगशियान में एक महिला मिली, जिसके गले को जंजीर से बांध कर रखा गया था। वीडियो वायरल होने के बाद चीन के लोगों ने महिला के लिए इंसाफ की मांग की थी। सोशल मीडिया पर मुद्दा बना तो शुरू हुई जांच पिछले साल जब कैद की गई महिला का वीडियो वायरल हुआ तो चीन में महिलाओं की तस्करी पर बहस शुरू हो गई। माना जा रहा था कि आरोपी पति डोंग के पिता ने महिला को किसी तस्कर से खरीदा था । हालांकि, शुरुआत में लोकल पुलिस ने इस पूरी मामले का महिलाओं की तस्करी से जुड़ा होने से इनकार कर दिया। फिर जब ये सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बना तो इसकी ठीक से जांच शुरू हुई। लगभग एक साल तक जांच चलने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने फैसले में महिला जिसका नाम शियाओ हुमेई है उसकी पूरी जिंदगी से जुड़ी जानकारी दी है। कोर्ट ने बताया कि 1998 में जब महिला टीनएजर थी तो उसे युनान प्रोविंस में उसके घर से किडनैप कर लिया गया था। इसके बाद उसे डोंघाई प्रोविंस में एक किसान को 600 डॉलर यानी 49 हजार रुपए में बेच दिया गया। इसके साल भर बाद ही 1999 में महिला को फिर से एक दंपत्ति को बेचा गया। ये दंपत्ति फिर डोंग के पिता के संपर्क में आया तो महिला को तीसरी बार उन्हें बेच दिया गया। फैसले के दौरान जजों ने बताया कि जब महिला को डोंग के परिवार को बेचा गया तो उस समय तक वो अपना ध्यान रखने के काबिल थी। लोगों से ठीक से बात करती थी। कोर्ट ने बताया कि डोंग और उसके परिवार ने महिला को टॉर्चर किया। उससे जबरन 8 बच्चे पैदा करवाए गए। कोर्ट ने बताया तीसरा बच्चा पैदा होने के बाद शियाओ हुमेई की मानसिक हालत बिगड़ने लगी थी। उसे सिजोफ्रेनिया हो गया था। यानी उसे आवाजें सुनाई देने लगी और अजीब चेहरे दिखने लगे इसके बावजूद उसके पति ने जबरन उससे संबंध बनाए।

आतंकवाद के खिलाफ 'ऑपरेशन ऑल आउट' चलाएगा पाकिस्तानः प्रतिबंधित संगठनों पर होगा एक्शन; नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की मीटिंग में हुआ फैसला

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन ऑल आउट लॉन्च करने की घोषणा की। ऑपरेशन में प्रतिबंधित संगठनों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। ये फैसला नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की मीटिंग में लिया जाएगा। इस मीटिंग की अध्यक्षता पीएम शहबाज शरीफ ने की। बैठक में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल असीम मुनीर, जनरल शमशाद मिर्जा, केंद्रीय रक्षा और वित्त मंत्री समेत पाकिस्तान के टॉप सिविल और मिलिट्री अधिकारी शामिल हुए।

राजनीतिक और डिप्लोमैटिक कोशिशें भी होंगी

इस ऑपरेशन के जरिए पाकिस्तान से आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जाएगा। इसके लिए मिलिट्री के इस्तेमाल के अलावा राजनीतिक, डिप्लोमैटिक, आर्थिक और सामाजिक प्रयास भी किए जाएंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस ऑपरेशन को नए जोश और संकल्प के साथ लॉन्च किया जाएगा। इसमें सरकार के साथ जनता का भी साथ लिया जाएगा।

3 महीनों में 127 पुलिसकर्मियों ने गंवाई जान

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में पिछले 3 महीनों में आतंकवादी हमलों में 127 पुलिसकर्मी जान गंवा चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जनवरी में 116, फरवरी में 2 और मार्च में 9 पुलिसकर्मियों की जान गई थी। जनवरी में पेशावर पुलिस लाइन्स में मस्जिद में हुए सुसाइड बॉम्ब अटैक में 96 जवानों की मौत हो गई थी। 2022 में आतंकवादी हमलों में 120 पुलिसकर्मियों की जान गई थी।

इजराइल में कार से आतंकी हमला: सड़क पर कई लोगों को कुचला, इटैलियन नागरिक की मौत; अल-अक्सा मस्जिद में झड़प के बाद हिंसा बढ़ी

तेल अवीव।
इजराइल की राजधानी तेल अवीव में आतंकी हमला हुआ। एक कार ने कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में इटली के नागरिक की मौत हो गई। 7 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, कार के ड्राइवर ने फायरिंग भी की। इजराइल में 12 घंटे में होने वाली ये दूसरी घटना थी। इसके पहले वेस्ट बैंक में गोलीबारी हुई थी। इसमें दो ब्रिटिश महिलाओं की मौत हो गई थी। कॉफमैन स्ट्रीट में कार ने लोगों को टक्कर मारी। इसके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार सड़क किनारे चल रहे कई लोगों को रौंदते हुए गुजर गई। कुछ दूर जाने के बाद कार पलट गई। इसी बीच गोलीबारी की आवाज भी सुनाई दी। इजराइली मीडिया के मुताबिक, पुलिस ने हमलावर को मार गिराया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि पलटी हुई कार से एक शख्स बाहर आता है, जिस पर पुलिस फायर करती है। एक पुलिस ऑफिसर ने कहा- 45 साल के यूसुफ अबू जाबेर ने पैदल चल रहे लोगों को

टक्कर मार दी। इसके बाद उसने गोलियां भी चलाईं। कार के पलटने के बाद जब हम वहां पहुंचे तो देखा की हमलावर हम पर गोली चलाने वाला है। फौरन कार्रवाई करते हुए हमने उस पर गोली चाल दी। एक चश्मदीद ने कहा- मैं सड़क पार कर रही थी तभी एक सफेद रंग की कार को बहुत स्पीड में जाते हुए देखा। कार मेरे पास से गुजरी और अचानक से किनारे चल रहे लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गई। मुझे लगा हिट एंड रन केस का मामला है। मैं दौड़कर जान बचाने के लिए एक पार्किंग लॉट में छिप गई। एक अन्य चश्मदीद ने कहा- मैं घर की बालकनी में खड़ी थी। तभी बहुत तेज आवाज सुनाई दी। 3-4 गोलियों की भी आवाज सुनाई दी। मैंने लोगों को गिरते हुए देखा।

हुई घटना में मारे जाने व्यक्ति की पहचान रोम में रहने वाले 35 साल के एलेसेंड्रो परिनी के रूप में हुई। हादसे में 7 इटैलियन और ब्रिटिश नागरिक घायल हुए। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने परिनी की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने तेल अवीव में हुई इस घटना को कायराना हमला बताया है। इजराइल के अल अक्सा मस्जिद में हुई झड़प के बाद वहां हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। 5 अप्रैल को इजराइल में येरूशलम के अल-अक्सा मस्जिद में पुलिस और फिलिस्तीनियों की बीच झड़प हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, कुछ फिलिस्तीनियों ने खुद को पटाखों, लाठी और पत्थरों के साथ मस्जिद में बंद कर लिया था और बाहर बैरिकेडिंग लगा दी थी। इसके बाद पुलिस फोर्स को उन्हें रोकने के लिए मस्जिद में घुसना पड़ा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया और उन पर पवित्र मस्जिद को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

पोर्न स्टार ने किया ट्रम्प का बचाव

स्टॉर्मी बोलीं- पूर्व राष्ट्रपति का जुर्म ऐसा नहीं कि उन्हें जेल भेजें, दूसरे मामलों का पता नहीं

न्यूयॉर्क।
पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बचाव किया है। स्टॉर्मी के आरोपों के बाद ट्रम्प के खिलाफ आरोप तय हुए थे। अब स्टॉर्मी ने कहा है कि ट्रम्प के खिलाफ आरोप ऐसे नहीं हैं कि उन्हें जेल भेजा जाए। हालांकि, डेनियल्स ने ये भी कहा है कि अगर पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ दूसरे मामलों में आरोप गंभीर हैं और जांच में उन्हें सही पाया जाता है तो फिर उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। ट्रम्प पर मैनहैटन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए। उन पर पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का केस भी चल रहा है। अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया जा रहा है। कोर्ट में ट्रम्प ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था- मैंने कोई अपराध नहीं किया। मैनहैटन कोर्ट ने ट्रम्प की जमानत या गिरफ्तारी पर कोई फैसला नहीं सुनाया था। अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

सुनवाई के बाद स्टॉर्मी ने कहा - पीयर्स मोर्गन इस पोर्न स्टार ने कहा- मुझे नहीं लगता कि ट्रम्प ने मेरे साथ जो किया है, उसके लिए उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। हां, ये जरूर है कि उनके खिलाफ जो दूसरे केस चल रहे हैं, अगर वो गंभीर हैं और उनमें ट्रम्प को दोषी पाया जाता है तो फिर जरूर उन्हें जेल में डालना चाहिए। एक सवाल के जवाब में स्टॉर्मी ने कहा- अगर गवाही के लिए मुझे बुलाया गया तो मैं जरूर जाउंगी। इसकी वजह यह है कि इस मामले में सच सिर्फ मैं जानती हूं। इसे छिपाने की भी कोई जरूरत नहीं है। इस मामले में इतना तो तय हो गया है कि कोई चाहे कितना भी ताकतवर क्यों न हो, वो जुर्म करके बच नहीं सकता। ट्रम्प पर कौन से 34 आरोप लगे हैं ट्रम्प पर गलत बिजनेस रिकॉर्ड

दिखाने के मामले में 34 चार्ज लगाए गए हैं। ये सभी चार्ज 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए देने से जुड़े हैं। 11 चार्ज चेक साइन करने से जुड़े हैं। अन्य 11 चार्ज कोहेन के कंपनी में जमा किए गए गलत इनवॉइस से जुड़े हैं और बाकी बचे 12 चार्ज रिकॉर्ड्स में गलत जानकारी देने से जुड़े हैं। ट्रम्प के वकील माइकल कोहेन ने आरोप लगाया था कि उन्होंने ट्रम्प के कहने पर अपने पास से स्टॉर्मी को पैसे दिए थे, जिससे वो 2016 के चुनाव से पहले ट्रम्प के साथ अफेयर को लेकर कुछ न बोलें। आरोप है कि ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने 10 महीने तक कोहेन को कई चेक दिए। उन्होंने रिकॉर्ड में इसे लीगल फीस दिखाया, जो असल में एक अपराध छिपाने के लिए किया गया पेमेंट था। आरोपों से जुड़े दस्तावेज में कहा गया है कि ट्रम्प ने लगातार न्यूयॉर्क बिजनेस रिकॉर्ड में गलत जानकारी दी, जिससे वो अपने अपराध को छिपा सकें और उन्हें चुनाव में फायदा हो। पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला 2006 का है। तब डोनाल्ड ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। पॉर्न स्टार स्टार्मी डेनियल्स तब 27 साल की थीं और ट्रम्प 60 साल के। जुलाई 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि जब ट्रम्प से उनकी मुलाकात हुई, तब उनकी तीसरी पत्नी मेलेनिया ने बेटे बैरन को जन्म दिया था। बैरन को जन्म लिए महज 4 महीने ही हुए थे। अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प के बॉडीगार्ड्स ने उन्हें एक नए स्टार के पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था।

आरोप हैं कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। ट्रम्प की ओर से पोर्न स्टार को दिए गए पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वाल स्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया। वे अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिनपर आपराधिक मुकदमा चलने वाला है।

पंजाब में सरकारी दफ्तरों का समय बदलेगा:

दो मई से सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक होगा समय

चंडीगढ़। गर्मियों के मौसम को ध्यान में रखकर पंजाब सरकार ने पहली बार सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव करने का फैसला लिया है। दो मई से राज्य के सारे सरकारी दफ्तर सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक खुलेंगे। यह फैसला 15 जुलाई तक लागू रहेगा। इससे गर्मियों में बिजली की किल्लत भी नहीं आएगी। राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को यह जानकारी दी। मान ने बताया कि यह फैसला विदेशों की तर्ज पर लिया गया है। भारत में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। उम्मीद है कि इससे लोगों का फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस फैसले को लागू करने से पहले उनकी

तरफ से आम लोगों से लेकर मुलाजिमों तक बातचीत की गई। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल के अधिकारियों से इस मुद्दे पर चर्चा हुई। पावरकॉम के अधिकारियों ने बताया कि उनके यहां पीक लोड का समय दोपहर डेढ़ बजे से से साढ़े पांच बजे तक होता है। ऐसे में अगर सरकारी दफ्तरों में दोपहर में छुट्टी हो जाएगी तो वहां पर चलने वाले एसी, कूलर और लाइट्स तक बंद हो जाएगी। इस वजह से सीधे 300 से 350 मेगावाट तक बिजली का लोड भी कम हो जाएगा। मान ने कहा कि कनाडा व अमेरिका वाले सूरज की रोशनी का अधिक इस्तेमाल करने के लिए अपनी घड़ियों का समय बदल लेते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे लोग खुश होंगे। उन्होंने कहा नौ से पांच बजे वाले टाइम में कहीं अफसर गायब हो जाते थे या फिर उन्हें छुट्टी लेनी पड़ती थी। लेकिन इस फैसले से लोगों को काफी फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि दफ्तरों के समय में बदलाव होने से लोगों को काफी फायदा होगा। वह तपती गर्मी से पहले सरकारी दफ्तरों में जाकर अपना काम करवा पाएंगे। वहीं, निजी काम करने वाले लोगों को अपनी दिहाड़ी भी नहीं तोड़नी पड़ेगी। मुलाजिम भी इस फैसले से खुश है। उनका का कहना है कि वह गर्मी पड़ने से पहले अपने घर पहुंच जाएंगे। उस समय तक उनके बच्चे भी घर आ जाएंगे। वह भी अपने परिवारों के साथ समय बिता पाएंगे। सीएम ने बताया कि दो जुलाई से वह खुद भी अपने दफ्तर में सुबह साढ़े सात बजे पहुंच जाएंगे। इसके अलावा अन्य मंत्री व विधायक भी सक्रिय हो जाएंगे। कोशिश यही की जाएगी कि लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न उठानी पड़े।

सरकार ने ई-टेंडरिंग शुरू कर ग्राम पंचायतों को और अधिक ताकत दी : धर्मवीर

नारनौल (हिंस)। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि सरकार ने विकास कार्यों के लिए ई टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू करवा कर ग्राम पंचायतों को और अधिक ताकत दी है। पहले जहां विकास कार्य पूरा होने के बाद अधिकारी अपनी मर्जी से ठेकेदार की पेमेंट करते थे, अब यह पावर सरपंच के पास रहेगी। सरपंच को अगर गुणवत्ता में कोई कमी दिखे तो वह पेमेंट को रुकवा सकता है। धर्मवीर सिंह शनिवार को सांसद संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत सिहमा व अटेली खंडों के पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान अटेली के विधायक सीताराम यादव भी मौजूद रहे। सांसद ने कहा कि इस नई व्यवस्था से अधिकारियों की पावर कम हुई है ना कि सरपंचों की।

हमें भूटान की तरह हैप्पीनेस इंडेक्स को बढ़ाना होगा : सीएम मनोहर लाल

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमें 5एस यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, सुरक्षा और स्वाभिमान के सिद्धांत पर काम करते हुए भूटान देश की तरह हैप्पीनेस इंडेक्स को बढ़ाना होगा। शरीर को सदैव निरोगी व स्वस्थ रखने पर ध्यान देना होगा। इसके लिए योग, आयुर्वेद व बेहतर दिनचर्या का अनुपालन करना होगा। मुख्यमंत्री शनिवार को अमृता अस्पताल में सिविल 20 (सी-20) के एकीकृत समग्र स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन (जी-20 के आधिकारिक कार्य समूहों में से एक) का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद में अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन का भी उद्घाटन किया। इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटें होंगी। इस मेडिकल कॉलेज के बनने से फरीदाबाद में तीन मेडिकल कॉलेज हो गए हैं, इससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने परिसर में नवनिर्मित ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। इस ऑडिटोरियम में लगभग 1200 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी हमें आगे बढ़ना होगा। एलोपैथी के साथ होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक पद्धति को भी महत्त्व देना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण आज पूरी दुनिया में योग पद्धति को अलग पहचान मिली है। हरियाणा सरकार ने भी आयुर्वेदिक पद्धति के महत्व को ध्यान में रखते हुए कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की है। केंद्र सरकार के सहयोग से कुरुक्षेत्र में 250 एकड़ में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना भी की जा रही है। प्रदेश में 700 वेलनेस सेंटर पर काम चल रहा है।

कोरोना की टेस्टिंग कम, फिर भी लगातार बढ़ रहे नए मामले, चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एक बार फिर कोरोना महामारी का संक्रमण अपना जोर दिखा रहा है। राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना से संक्रमितों की संख्या राजस्थान में एक दिन में सैकड़ा पार कर 122 तक पहुंच गई है। राजधानी जयपुर में भी एक दिन में पिंक सिटी जयपुर में सर्वाधिक 34 कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। यह स्थिति तब है जब लोग टेस्टिंग नहीं करा रहे हैं। अगर पूर्व की भांति टेस्टिंग की शुरुआत होती है तो संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में अब कोरोना के 382 सक्रिय मामले हो गए हैं। इनमें से सर्वाधिक 87 कोरोना मरीज राजधानी जयपुर में है। जयपुर के बाद उदयपुर में 48, जोधपुर में 42 राजसमंद में 33 और बीकानेर में 32 कोरोना के सक्रिय मामले हैं। इसके अलावा अजमेर और अलवर में 18, चित्तौड़गढ़ में 16, सिरोही में 15 झालावाड़ में 12 सक्रिय मामले हैं। इन जिलों के अलावा भी कई जिलों में 1 से लेकर 10 तक सक्रिय मामले है। राहत की बात यह है कि राजस्थान के बाड़मेर, बांसवाड़ा, भरतपुर, धौलपुर, डूंगरपुर, जालोर, झुंझुनूं, करौली और प्रतापगढ़ वे जिले हैं, जहां कोरोना का एक भी सक्रिय मामला नहीं है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बाद पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा भी कोरोना संक्रमित हो चुके है। तीनों के स्वास्थ्य में शुक्रवार तक सुधार है। राज्य में कोरोना के बढ़ते हुए केसेज को देखते हुए राजस्थान में भी कोविड गाइडलाइन को लेकर सख्ती दिखाने की मांग की जा रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव डॉ. पृथ्वी का कहना है कि राजस्थान में कोरोना केसेज फिलहाल कम है और विभाग पूरी तरह सर्तकता बरत रहा है। अगर केस बढ़ते है तो गाइडलाइन पर सख्ती करने पर विचार किया जाएगा।

कहां है अमृतपाल: सामने आई इंटेलिजेंस की नाकामी

होशियारपुर पुलिस के अलर्ट देने के पांच घंटे बाद दी दबिश

जालंधर (पंजाब)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए चलाए गए ऑपरेशन को 21 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लगा है। ऑपरेशन अमृतपाल की विफलता से पंजाब पुलिस कठघरे में आ गई है और बड़े पुलिस अधिकारियों की साख भी दांव पर है। सवाल उठने लगा है कि कहीं पंजाब पुलिस ही तो अमृतपाल को भागने का रास्ता नहीं दे रही ? 18 मार्च को जालंधर से पुलिस के सामने से भागने में कामयाब रहा अमृतपाल 28 मार्च को होशियारपुर के पास दूसरी बार पुलिस को चकमा दे गया। अब जांच में यह बात सामने आई है कि होशियारपुर पुलिस को शाम पांच बजे सतर्क कर दिया गया था और फोर्स ने पूरी तैयार कर ली थी। यानी

होशियारपुर पुलिस को पता था कि कोई ऑपरेशन करने जाना है, लेकिन रात दस बजे के बाद जब अमृतपाल सिंह होशियारपुर के एक गुरुद्वारा साहब से फरार हुआ, तो होशियारपुर पुलिस को मौके पर बुलाया गया। अलर्ट के बावजूद पांच घंटे की देरी से पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। अमृतसर (ग्रामीण) के एसएसपी सतिंदर सिंह और जालंधर के एआईजी (काउंटर इंटेलिजेंस) नवजोत महल सहित दो पुलिस अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि अमृतपाल और उसका सहयोगी पपलप्रीत 27 मार्च को गुरुद्वारा जन्म स्थान संत बाबा निदान सिंह, नदलोन गांव, होशियारपुर पहुंचे थे। उन्हें यह भी जानकारी थी कि दोनों 28 मार्च की शाम को नए स्थान पर चले जाएंगे। अमृतपाल सिंह गुरुद्वारा प्रमुख जत्थेदार गुरमीत सिंह के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। अमृतपाल सिंह जब गुरुद्वारा साहब में था, तो जत्थेदार गुरमीत सिंह अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह की ओर से बुलाई गई बैठक में भाग लेने के लिए अमृतसर गए थे। वहां उन्होंने अमृतपाल के समर्पण की बात कही थी। सूत्रों के मुताबिक काउंटर इंटेलिजेंस के अधिकारी नवजोत सिंह माहल व अमृतसर देहाती के एसएसपी सतिंदर सिंह को इसकी जानकारी मिल गई थी। दोनों ने मिलकर ऑपरेशन चलाया, लेकिन पांच बजे से तैयार बैठी होशियारपुर पुलिस को तब मौके पर बुलाया गया, जब अमृतपाल सिंह निकल गया। गुरुद्वारा प्रमुख गुरमीत सिंह ने कहा, जब तक पुलिस और प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं, वह कोई विवरण नहीं दे सकते। अमृतपाल 4 फरवरी को भी हमारे यहां आमंत्रित थे, जब हमने अपने संस्थापक बाबा निदान सिंह की जयंती के अवसर पर एक विशाल सभा का आयोजन किया था। इस घटना के पोस्टर अभी भी गुरुद्वारे की दीवारों पर देखे जा सकते हैं। इससे पहले मोगा के कमालके में 3200 पुलिस मुलाजिमों, आठ एसएसपी व दो डीआईजी के सामने से अमृतपाल सिंह निकल गया था।

पद्म श्री लेकर गांव पहुंचे मोहन सिंह का किया जोरदार स्वागत

सांबा (हिंस)। डोगरी के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने पर मोहन सिंह सलाथिया को पदम श्री अवार्ड मिलने के बाद अपने गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। गत दिनों नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में सम्मानित डोगरी लेखक मोहन सिंह नई दिल्ली से अपने गांव गुडा-सलाथिया में पहुंचे क्षेत्र के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। पदमश्री अवार्ड ग्रहण कर अपने गांव गुड़ा-सलाधिया पहुंचने पर मोहन सिंह ने गांव के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। बाबा हसल देव जी उनके स्मारक पर पहुंचने पर गुड़ा सलाथिया क्षेत्र के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में मोहन सिंह सलाथिया ने कहा कि वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने मुझे इसके काबिल समझा और मुझे पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह जम्मू कश्मीर के लिए एक बहुत बड़ी बात है। वहीं मोहन सिंह को स्वागत करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता पंकज सलाथिया ने कहा कि डोगरी साहित्य और रंगमंच को बढ़ावा देने में मोहन सिंह ने सराहनीय काम किया है। मोहन सिंह की 32 मूल पुस्तकें हैं जिनमें सात संपादित और अनुवादित पुस्तकें शामिल हैं।

पीएम 12 को देंगे राजस्थान को पहली वंदे भारत ट्रेन की सौगात

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 अप्रैल को राजस्थान को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात देंगे। इसके बाद दिल्ली से जयपुर और अजमेर जाने वालों के लिए सफर और आसान और सुगम हो जाएगा। राजस्थान की बहुप्रतीक्षित इस वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से 12 अप्रैल को अपराह्न 12.30 बजे वर्चुअली (वीडियो कॉन्फ्रेंस) वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह जयपुर में होगा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जयपुर पहुंचेंगे। इस मौके पर राज्य के प्रमुख मंत्री, विधायक और सांसद मौजूद रहेंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। रेलवे बोर्ड जल्द ही किराया चार्ट जारी करेगा। इस वंदे भारत का ठहराव जयपुर, अलवर और गुरुग्राम में होगा। उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेवाड़ी में भी ठहराव का प्रस्ताव बोर्ड को भेजा है।

थाने के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ किया

यमुनानगर (हिंस)। गांव बीबीपुर में हनुमान जयंती पर हुए विवाद मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार को हिंदू संगठन के लोगों ने बुड़िया थाने के बाहर बड़ी संख्या में इकठ्ठा होकर जय श्रीराम के नारे लगाए और वहीं पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। मौके पर पहुंचे जिला पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार ने उन्हें समझाकर शांत किया और आश्वसन दिया कि अपराध शाखा की कई टीमें अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि मंगलवार को हनुमान जयंती पर गांव बीवीपुर में एक घर की छत पर लगे झंडे पर जय श्रीराम लिखा हुआ था। अगली सुबह परिवार ने देखा तो झंडा नीचे से जला हुआ था। जिसका आरोप विशेष समुदाय पर लगा था। वहीं गांव से हनुमान मंदिर जाते हुए जय श्रीराम के नारे लगाने पर उन्हें रोका भी गया था। लेकिन पंचायत में दोनों पक्षों का आपसी फैसला होने के बाद आरोप है कि विशेष समुदाय के लोगों ने हिंदू समुदाय के लोगों पर हमला कर उनके साथ मारपीट की। उन्हें श्रीराम के नारे लगाने पर जान से मारने की धमकी दी। जिससे गांव में तनाव फैल गया था। रात को ही गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। सरपंच ने दोनों पक्षों को बुलाया और उनका समझौता कराया। पंचायत खत्म होने कर बाद जब हिंदू समुदाय के लोग बाहर निकले तभी गली में वसीम, बिल्लू, काला, माहिर, जावेद व अन्य 10-12 ने हमला कर दिया। और विनोद, मांगा, कर्ण व नितिन के साथ मारपीट की गई थी। जिस पर पुलिस ने 7 आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया था।

एक छोटा सा हुनर भी दिला सकता है बड़ी पहचान

जयपुर, (हिंस)। जिस तरह छोटे-छोटे प्रयास एक बड़ी कामयाबी का मार्ग बनते हैं, ठीक उसी तरह एक छोटा सा हुनर आपको बड़ी पहचान दिला सकता है और आपके जीवन को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बन सकता है। ऐसे कुछ उदाहरणों की कहानियां यहां जयपुर में चल रहे सेवा भारती के राष्ट्रीय सेवा संगम में युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई हैं। राष्ट्रीय सेवा संगम परिसर में स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों और उपलब्धियों को लेकर लगाई गई प्रदर्शनी यही संदेश दे रही है कि सही समय पर सही मार्गदर्शन सफलता का मंत्र बनता है। *कला कौशल सीखो एक बार - नहीं होंगे कभी बेरोजगार* के स्लोगन के साथ युवा उद्यमियों- रितेश अग्रवाल, दीपक गर्ग, श्रद्धा शर्मा, दिव्यांक तुरखिया, अर्चना मीना, रोहित शर्मा, स्मिता घेसास, वीरेंद्र नागपाल आदि की सफलता की कहानी यहां प्रदर्शित की गई है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वावलंबी भारत अभियान की इस प्रदर्शनी की प्रभारी दिल्ली में स्वदेशी जागरण

मंच के प्रकल्पों से जुड़ी वैशाली ने बताया कि स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत देशभर में 400 से भी अधिक जिला रोजगार केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर युवाओं को प्रशिक्षण एवं किशोरों को कॅरियर मार्गदर्शन उपलब्ध हो, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। जिन युवाओं को प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार शुरू करने के लिए धन की आवश्यकता होती है तो संगठन उन्हें सहयोग उपलब्ध कराता है। वैशाली ने बताया कि दिल्ली सहित देश के कई केंद्रों पर विशेष रूप से एसी-फ्रिज-कूलर-वॉशिंग मशीन आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ठीक करने के प्रशिक्षण पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है। इन प्रशिक्षणों के लिए कई जगह संबंधित विषयों में सरकारी और निजी महाविद्यालयों का भी सहयोग लिया जाता है। दिल्ली में आज यदि आपको एसी ठीक कराना है तो एक महीने तक तकनीशियन के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि इस क्षेत्र में स्वरोजगार के कितने अवसर हैं। आत्मनिर्भर होने का लक्ष्य रखने वाले युवा चाहें तो स्वदेशी जागरण मंच, सेवा भारती और अन्य संगठनों से मार्गदर्शन प्राप्त करके स्वरोजगार के लिए स्वयं को तैयार कर सकते हैं। इसी तरह इलेक्ट्रिशियन और प्लंबर भी आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं। इस क्षेत्र में भी महज कुछ समय का प्रायोगिक प्रशिक्षण युवाओं को स्वावलंबी बनने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सरकार को भी शिक्षा के क्षेत्र में स्वावलंबन की सोच उच्च प्राथमिक स्तर से ही तैयार करने की दिशा में कार्य करना चाहिए ताकि आठवीं-दसवीं तक आते-आते बच्चा अपनी रुचि अनुसार अपने कार्यक्षेत्र का चुनाव करने में सक्षम हो सके। उम्र के इसी पड़ाव पर आत्मनिर्भरता का पाठ उसे पढ़ाया जाएगा तो कम उम्र में सफलता के अच्छे आयाम प्राप्त करने की संभावना मजबूत हो सकेगी।

सड़क हादसे में बच्चे समेत तीन की मौत

फाजिल्का (पंजाब । फाजिल्का में फिरोजपुर-फाजिल्का राजमार्ग स्थित गांव बाधा के नजदीक शादी समारोह से लौट रहे एक परिवार की कार सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक छह माह के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मियों को स्थानीय अस्पताल में दाखिल करवाया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में श्रीगंगानगर के एक निजी अस्पताल में रेफर किया है। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव कब्जे में लेकर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पूर्व फौजी सुरेंदर सिंह वासी गांव पालीवाला अपने रिश्तेदार के शादी समारोह में फाजिल्का आया हुआ था। समारोह के बाद फौजी अपने परिवार समेत कार से अपने गांव लौट रहा था।

भारत के विमानन क्षेत्र में रोजगार और विस्तार की अपूर्व संभावनाएं : बंडारू दत्तात्रेय

पंचकूला (हिंस)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत के विमानन क्षेत्र में रोजगार और विस्तार की अपूर्व संभावनाएं हैं। हरियाणा के युवाओं को विमानन क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त कर इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। वे शनिवार को पिंजौर में आयोजित एयरो माडलिंग फैलोशिप कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एयरो माडलर्स, एनसीसी कैडेट्स और स्कूली बच्चों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है। 2040 तक देश में 34 हजार पायलट और 45 हजार तकनीकी क्षेत्र के नए पदों की आवश्यकता होगी और इसके साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से काफी बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि एयरो क्लब आफ इंडिया द्वारा इस तरह के आयोजनों से हमारे बच्चों और युवाओं में पायलट तथा हवाई सेवा से संबंधित अन्य टैक्नीशियन बनने के प्रति उत्साह पैदा होगा। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में भारत की एयर इंडिया और फ्रांस की एयर बस कम्पनियों के बीच 250 विमानों के अधिग्रहण को लेकर एक बड़ा समझौता हुआ है जो विमानन क्षेत्र के विस्तार के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों के दौरान देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 147 तक हो चुकी है। इसके साथ ही देशी और विदेशी यात्रियों की संख्या में भी भारी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि एयरो क्लब आफ इंडिया खेल के रूप में उड़ान को प्रोत्साहित करते हुए देश के युवाओं के बीच हवाई मानसिकता को लोकप्रिय बना रहा है।

क्या मुगल ही भारतीय इतिहास का पर्याय हैं : डॉ. बीपी शर्मा

उदयपुर (हिंस)। अब तक दिल्ली केंद्रित इतिहास ही पढ़ाया गया है। क्या मुगल ही भारतीय इतिहास का पर्याय हैं। भारत का इतिहास दिल्ली के इतिहास से अधिक विशाल है। अब समाज केंद्रित इतिहास पढ़ाया जाएगा। किसी एक साम्राज्य का इतिहास पढ़ाया जाना अनुचित है। भारत के सभी राज्यों का इतिहास पढ़ाया जाना उचित होगा। यह बात शिक्षाविद और गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बीपी शर्मा ने शुक्रवार शाम को एनसीईआरटी की पुस्तकों पर उठ रहे विवाद को लेकर आयोजित चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि जैसे ही दिल्ली केंद्रित इतिहास राष्ट्र केंद्रित होता है प्रताप जैसे नायकों का पराक्रम स्थापित हो जाता है। वैसे भी वर्तमान इतिहास के 9वीं से 12वीं तक की पुस्तकों को राजनीतिक इतिहास से अधिक सांस्कृतिक इतिहास केंद्रित किया गया। इतिहासविद् डॉ. विवेक भटनागर ने कहा कि एनसीईआरटी की कक्षा 12 की *भारतीय इतिहास के कुछ विषय* पुस्तक तीन भागों में प्रकाशित है। इसके दूसरे हिस्से के अध्याय चार में कृषि समाज और मुगल सम्राज्य का अध्याय है। इसमें मुगलकालीन समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था के साथ ही प्रशासन भी वर्णित है। ऐसे में मुगल के अध्याय को हटाने का प्रश्न ही नहीं उठता है। साथ ही मध्यकालीन भारत में दक्षिण भारत की संस्कृति और राजनीति पर *एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर* अध्याय से दक्षिण भारत के इस्लामिक इतिहास और उसकी संस्कृति का दिखाने का प्रयास किया गया है। इतिहास संकलन समिति के जिला मंत्री चैनशंकर दशोरा ने बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने कक्षा 12वीं की इतिहास की पुस्तक का पुन:लेखन कर नए सिरे से प्रस्तुत किया। इसके बाद से इस बात पर विवाद छिड़ गया है कि पुस्तकों से किताबों से मुगल साम्राज्य से जुड़े अध्यायों को हटा दिया गया है या नहीं रखा गया है। इसके अतिरिक्त भी अन्य परिवर्तन किए गए हैं, जिन पर विवाद हो रहा है। इस विषय पर भारतीय इतिहास संकलन समिति, उदयपुर की ओर से एक चर्चा सत्र का आयोजन कर पुस्तकों की समीक्षा की गई। चर्चा सत्र में पुस्तक के अध्यायों का आधार बना कर विवाद के बिंदुओं पर प्रश्न उत्तर का आयोजन किया गया। विशेष विवाद एनसीईआरटी की कक्षा 12 के लिए इतिहास की पुस्तक *भारतीय इतिहास के कुछ विषय* पर चर्चा की गई। चर्चा में कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएल कालरा ने कहा कि मुगल सिर्फ दो सौ वर्ष तक ही भारत में प्रभावी रहे। ऐसे में सिर्फ उनका इतिहास ही पढ़ाया जाए, ऐसी हठ भी ठीक नहीं है। अगर कोई पूर्व में गलती हुई है तो उसका अंशांकन किया जाना स्वाभाविक प्रक्रिया है। राजकीय महाविद्यालय से सेवानिवृत्ति इतिहास के प्रोफेसर और वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. एमपी जैन ने कहा कि भारत में सत्ता के केंद्री प्रत्येक काल अवधि में अनेक रहे। किंतु सांस्कृतिक भारत की एकता अक्षुण्ण रही। ऐसे में भारत का सांस्कृतिक इतिहास ही सत्य इतिहास है। साम्राज्य और राज भी उसी का एक भाग है। वरिष्ठ पत्रकार राजेश कसेरा ने कहा कि राष्ट्रनायकों और अध्यात्मिक नायकों को सही चित्रण होना आवश्यक है। इनका गलत प्रस्तुतीकरण समाज के गौरव को आहत करता है। इससे युवा दिशाहीन हो सकते हैं। इतिहास की पुस्तक के विभिन्न अध्यायों में मुगलों का जिक्र मिलता है। अध्याय पांच में यात्रियों के नजरिये से भारत को दिखाया गया है जिसमें दसवीं से सत्रहवीं सदी के भारत का जिक्र है। वहीं अध्याय छह भक्ति और सूफी परंपराओं पर केंद्रित है। इतिहास के अध्यापक ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि एनसीईआरटी की भारत के पूर्व मुसलमान शासकों को पाठ्यक्रम से हटाने का विषय सिर्फ विवाद के लिए इसमें सभी पक्षों का समान स्थान दिया गया है। वहीं, एनसीईआरटी का तर्क है कि ऐसा छात्रों पर पाठ्यक्रम को व्यवस्थित और भारतीय संस्कृति को समझने के अनुरूप बनाया गया है। भारतीय इतिहास संकलन समिति के क्षेत्रीय संगठन मंत्री छगनलाल बोहरा ने कहा कि वर्तमान में देश में मुगलों के अध्याय को हटाने को लेकर हो रही चर्चा गैरजरूरी है। मुगल भारतीय इतिहास के नायक नहीं आक्रान्ता है उन्हें उसी अनुरूप इतिहास में स्थान मिलना चाहिए।

सीबीआई ने कोचर दंपति के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, वेणुगोपाल धूत को भी आरोपी बनाया

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 3,250 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 409 (विश्वास का आपराधिक हनन) तथा भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने नौ इकाइयों को नामजद किया है, जिनमें कंपनियां और व्यक्ति शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक से चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी की अनिवार्य आवश्यकता के बिना सीबीआई मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आगे बढ़ी है। अधिकारियों के मुताबिक, मंजूरी के लिए बैंक को एक पत्र भेजा गया था, लेकिन उसके जवाब का इंतजार है। आम तौर पर, विशेष अदालत आरोपपत्र का संज्ञान लेने के लिए आगे बढ़ने से पहले मंजूरी का इंतजार करती है और बाद में पात्र होने पर मुकदमा शुरू करती है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की विशेष अदालत ने आरोपपत्र पर अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। एजेंसी ने कोचर दंपति और धूत को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था। हिरासत के लिए सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए, कोचर दंपति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई अदालत के संज्ञान में एक पत्र ले आए, जिसे आईसीआईसीआई बैंक ने जुलाई 2021 में सीबीआई को लिखा था। पत्र में कहा गया था कि बैंक को किसी भी लेन-देन में कोई गलत नुकसान नहीं हुआ है।

बंबई उच्च न्यायालय ने इस साल नौ जनवरी को कोचर दंपति को जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि वर्तमान मामले में गिरफ्तारी का आधार केवल सहयोग नहीं करना और पूर्ण एवं सही खुलासा नहीं करना बताया गया है। पीठ ने कहा था कि कोचर दंपति की गिरफ्तारी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए का उल्लंघन है, जो संबंधित पुलिस अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजना अनिवार्य करती है।

न्यूज ब्रीफ

गैर-जरूरी खर्च घटाएंगे 63प्रतिशत भारतीय: देश में 74प्रतिशत लोग बचत को लेकर चिंतित

नई दिल्ली। महंगाई और इस पर कंट्रोल करने के लिए बढ़ाई गई ब्याज दरों ने गहरा असर दिखाया है।

74प्रतिशत भारतीय खर्च और बचत को लेकर चिंतित हैं। इसके चलते आधे से ज्यादा लोग फैशन जैसे गैर-जरूरी खर्च घटाने जा रहे हैं। हालांकि, रिजर्व बैंक ने इस हफ्ते रेपो रेट न बढ़ाकर बड़ी राहत दी है। पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कंज्यूमर इनसाइट्स पल्स सर्वे में शामिल हर 10 में से 6 भारतीयों (63प्रतिशत) ने कहा कि वे अगले 6 महीने गैर-जरूरी खर्च घटाएंगे। दिल्ली-मुंबई जैसे 12 बड़े शहरों में कराए गए सर्वे के मुताबिक, सालभर से बढ़ती महंगाई के चलते ज्यादातर भारतीय रोजमर्रा के बढ़ते खर्चों से परेशान हैं। 47प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ऐसी जगह खरीदारी करेंगे, जहां डिस्काउंट मिलेगा। 45प्रतिशत ने कहा कि वे प्रीमियम फोन जैसे प्रोडक्ट्स तभी खरीदेंगे, जब वे स्पेशल ऑफर पर मिलेंगे। सर्वे में एक खास ट्रेंड ये देखने को मिला कि 1997 या इसके बाद पैदा हुए युवा (जेन जी) और 1980 के दशक के शुरुआती वर्षों में पैदा हुए भारतीय (मिलेनियल्स) रिवेंज ट्रेवल जारी रखेंगे। इसका मतलब है कि ज्यादातर युवा, जो कोविड काल में चाहते हुए भी यात्रा नहीं कर पाए थे, वे अपनी ट्रेवल प्लानिंग में कोई बदलाव नहीं करेंगे। सर्वे रिपोर्ट में एक दिलचस्प ट्रेंड का भी जिक्र है। 80प्रतिशत से ज्यादा सक्षम लोग ऐसे प्रोडक्ट्स पर कुछ अधिक खर्च करने के लिए तैयार हैं, जिनका प्रोडक्शन देश में होता है और जो पर्यावरण के अनुकूल हैं। रिसाइकल्ड मटेरियल से तैयार प्रोडक्ट्स इनमें शामिल हैं। देश में ऐसे प्रोडक्ट्स की उपलब्धता धीरे-धीरे बढ़ भी रही है। बचत के लिए बल्क शॉपिंग से परहेज नहीं, सस्ते ब्रांड्स की ओर रुख सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, देश के आम उपभोक्ता अगले छह महीने बचत के तरीके अपनाएंगे।

ट्विटर ने सबस्टैक में ट्वीट एम्बेड करने पर रोक लगाई: लिंक शेयर करने पर अनसेफ मार्क कर रहा ट्विटर, राइटर्स की बढ़ी दिक्कत

नई दिल्ली। माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने ऑनलाइन पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म सबस्टैक के पोस्ट में

ट्वीट एम्बेड करने पर रोक लगा दी है। जिसके कारण राइटर्स अपने न्यूजलेटर्स में ट्वीट एम्बेड नहीं कर पा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पहले ट्विटर ने सबस्टैक के पोस्ट में लिंक एम्बेड करने पर रोक लगाई और उसके बाद ट्विटर पर पोस्ट के लिंक को रीट्वीट व लाइक करने से रोक लगा दी। इस पर सबस्टैक के फाउंडर क्रिस बेस्ट, हामिश मैकेंजी और जयराज सेठ ने बयान जारी करते हुए कहा कि हम इस बात से निराश हैं कि ट्विटर ने राइटर्स के काम को शेयर करने से रोकने का ऑप्शन चुना है। राइटर्स सबस्टैक या कहीं और लिंक शेयर करने की स्वतंत्रता के हकदार हैं। सबस्टैक के राइटर्स के लिए ट्विटर की ओर से किया गया ये बदलाव एक बड़ी समस्या बन गया है, जो अपने न्यूजलेटर्स को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए ट्विटर का यूज करते हैं। पॉलिटिक्स फोकस न्यूजपेपर पॉपुलर इंफॉर्मेशन के राइटर जुड लेगम ने निजी चैनल से बात करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि मस्क अपने फाइनेंस इंटरेस्ट और कुछ छोटी मोटी शिकायतों के आधार पर निर्णय ले रहे हैं।

फोनपे से सौदा टूटने के बाद जेस्टमनी कर रही 100 कर्मियों की छंटनी

नई दिल्ली । फिनटेक फर्म फोनपे की तरफ से हाल में बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) प्लेटफॉर्म का प्रस्तावित अधिग्रहण पर विराम लगाने के बाद जेस्टमनी अपने कर्मचारियों के करीब 20 फीसदी हिस्से यानी 100 कर्मियों की छंटनी कर रही है। गोल्डमैन सैक्स और श्याओमी समर्थित बेंगलूरु की जेस्टमनी के पास करीब 450 कर्मचारी हैं और अगर अधिग्रहण हुआ होता तो इन सभी कर्मियों को फोनपे की तरफ से अपने यहां समायोजित किए जाने की उम्मीद थी। जेस्टमनी के संस्थापकों ने हाल ही में बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों से कर्मियों की छंटनी के बारे में कर्मचारियों को बताया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। फोनपे कुछ कर्मियों को नियुक्त करने के लिए जेस्टमनी से बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी कारोबारी निरंतरता या अस्तित्व बचाने की योजना पर काम कर रही है और छंटनी इसी का हिस्सा है। फोनपे प्रबंधन की बातचीत जेस्टमनी से फर्म में बचे 350 कर्मचारियों में से कुछ को नियुक्त करने पर हुई है और यह बातचीत अभी जारी है। जेस्टमनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की।

40.82 करोड़ लोगों को मिला मुद्रा लोन

सरकार ने 23.2 लाख करोड़ रु. का कर्ज दिया, बिजनेस शुरू करने के लिए आप भी ले सकते हैं लोन

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत सरकार ने 40.82 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना काम शुरू करने के लिए लोन दिया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार सरकार ने बीते 8 सालों में 40.82 करोड़ से ज्यादा लोगों को 23.2 लाख करोड़ रुपए की राशि बांटी है। सरकार द्वारा चलाई जा रही मुद्रा योजना के तहत खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए आप 10 लाख रुपए तक का लोन ले सकते हैं। 2015 में शुरू हुई इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर छोटे कारोबारी को बिना किसी गारंटी (जमानत) के लोन मुहैया कराना है।

सबसे ज्यादा लोन शिशु कैटेगरी में बांटे - मुद्रा योजना के तहत अपने बिजनेस शुरू करने वाले लोगों को कुल तीन श्रेणियों में लोन दिया जाता है। पहली कैटेगरी है शिशु। इसके तहत लोगों को 50,000 रुपए का लोन मिलता है। वहीं दूसरी कटेगरी है किशोर जिसके तहत 50,000 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है। वहीं तीसरी कैटेगरी है तरुण जिसके तहत 5 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है। 8 सालों में कुल 40.82 करोड़ लोगों द्वारा दिए गए लोन में से 33.54 करोड़ लोन शिशु कैटेगरी के हैं। वहीं किशोर कैटेगरी के तहत 5.89 करोड़ और तरुण के तहत 81 लाख लोगों को लोन दिया गया है।

लोन लेने के लिए नहीं देनी होती कोई गारंटी - 2015 में शुरू हुई इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर छोटे कारोबारी को बिना किसी गारंटी (जमानत) के लोन मुहैया कराना है। कोई भी व्यक्ति जो अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहता है, वह इस योजना के तहत लोन ले सकता है। इसके साथ ही अगर कोई अपने मौजूदा व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहता है, तो भी उसे इस योजना के जरिए लोन मिल सकता है।

लोन लेने के लिए बताना होगा बिजनेस प्लान - सबसे पहले आवेदक को एक बिजनेस प्लान तैयार करना होता है। साथ ही लोन के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज भी तैयार करने होते हैं। सामान्य दस्तावेजों के साथ बैंक आपसे आपका बिजनेस प्लान, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, भविष्य की आय के अनुमान संबंधी दस्तावेज भी मांगेगा। जिससे उसे आपकी जरूरत की जानकारी हो, साथ ही यह भी अंदाजा लग सके कि आपको लाभ कैसे होगा या लाभ कैसे बढ़ेगा।

कितना देना होगा ब्याज - मुद्रा लोन की खास बात यह है कि इसमें कोई निश्चित ब्याज दर नहीं है। अलग-अलग बैंक लोन पर अलग-अलग दर से ब्याज वसूल सकते हैं। ब्याज दर का निर्धारण कारोबार की प्रकृति और उससे जुड़े जोखिम के आधार पर होता है। वैसे आमतौर पर 10 से 12प्रतिशत सालाना ब्याज दर रहती है।

कैसे कर सकते हैं मुद्रा लोन के लिए अप्लाय - सबसे पहले आप किस बैंक/वित्तीय संस्थान से लोन लेना चाहते हैं, यह तय कर लें। आवेदक एक से अधिक बैंकों का चयन कर सकता है। बैंक को दस्तावेजों के साथ लोन एप्लिकेशन फॉर्म भरकर जमा करना होगा। मुद्रा लोन के लिए आपको आवेदन फॉर्म के साथ निम्न दस्तावेज जमा करने होते हैं। मुद्रा लोन आवेदन, बिजनेस प्लान या प्रोजेक्ट रिपोर्ट, पहचान संबंधी दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि।

एक से ज्यादा आवेदकों की स्थिति में पार्टनरशिप संबंधी दस्तावेज (डीड), टैक्स रजिस्ट्रेशन, बिजनेस लाइसेंस आदि। दस्तावेजों की संख्या लोन की राशि, व्यापार की प्रकृति, बैंक नियमों आदि के आधार पर कम या ज्यादा हो सकती है। जैसे- निवास के प्रमाण संबंधी दस्तावेज, जैसे टेलीफोन बिल/बिजली बिल आदि। आवेदक की 6 महीने से कम पुरानी तस्वीरें, मशीन या अन्य सामग्री का कोटेशन जिसे खरीदना चाहते हैं, साथ ही जहां से खरीदेंगे उस सप्लायर/दुकानदार के बारे में जानकारी, (एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक), अगर लागू हो तो पिछले दो वर्षों की बैलेंस शीट और प्रोजेक्टेड बैलेंस शीट (दो लाख से ऊपर के लोन पर)। मुद्रा लोन के लिए उस सरकारी या किसी अन्य बैंक या वित्तीय संस्थान में आवेदन देना होगा, जो मुद्रा लोन देता हो। आवेदन के लिए आपके कारोबार की पूरी जानकारी/प्लान सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। आवेदन सही पाए जाने पर बैंक या वित्तीय संस्थान मुद्रा लोन पास करेगा और आवेदक को मुद्रा कार्ड (डेबिट कार्ड) प्रदान किया जाएगा।

ब्रोकरेज कंपनी ने आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 5.3 फीसदी किया, आरबीआई ने लगाया था अलग अनुमान

नई दिल्ली । जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि आरबीआई का 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान 'बहुत आशावादी' है। अक्तूबर, 2023 से ब्याज दर में कटौती का सिलसिला शुरू हो सकता है। नोमुरा ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं व अन्य चुनौतियों के बीच आरबीआई का यह अनुमान बहुत आशावादी है। ब्रोकरेज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर के घटकर 5.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई के वृद्धि पूर्वानुमान में एक फीसदी से ज्यादा की कमी की आशंका जताते हुए कमजोर वैश्विक वृद्धि व घरेलू मौद्रिक नीति में सख्ती के प्रभावों को इसके लिए जिम्मेदार बताया है।

एमजी की अपकमिंग स्मार्ट ईवी का इंटीरियर अनवील

मारुति ऑल्टो से छोटी होगी कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी वाली कॉमेट, 10 लाख हो सकती है कीमत

नई दिल्ली । ब्रिटिश कार कंपनी एमजी मोटर इंडिया एक नई इलेक्ट्रिक कार कॉमेट ईवी को भारत में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने पिछले महीने कार की पहली झलक दिखाने के बाद अब इंटीरियर को अनवील किया है। टीजर कंपनी के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल से जारी किया गया है। कंपनी ने 2 मार्च को अपकमिंग स्मार्ट इलेक्ट्रिक कार का नाम अनाउंस किया था। इस छोटी ईवी का नाम कॉमेट होगा। एमजी ने इस कार के डिजाइन और फीचर्स को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। माना जा रहा है कि भारतीय बाजार में लंबे समय से चल रही इलेक्ट्रिक कार की टेस्टिंग वाला मॉडल हो सकता है।

ये इंटीरियर फीचर्स मिलेंगे - टीजर में देखा जा सकता है कि अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार टू-स्पोक, स्टीयरिंग व्हील के साथ आएगी। इसमें दोनों साइड पर दो कंट्रोल सेट दिए जाएंगे। ये कंट्रोलर्स एपल से इंस्पायर्ड हैं। इससे ऑडियो, नेविगेशन, इंफोटेनमेंट वॉइस कमांड जैसे फीचर्स को कंट्रोल करने के लिए पेश किया जा सकता है।

एमजी कोमेट ईवी : डुअल-इंफोटेनमेंट स्क्रीन - स्टीयरिंग व्हील के पीछे एक डुअल इंफोटेनमेंट स्क्रीन सेटअप भी नजर आ रहा है। इसमें 10.25 इंच की स्क्रीन मिलेगी। डैशबोर्ड के पास एक फ्लोटिंग यूनिट भी मिलेगी। वहीं, स्क्रीन के नीचे हॉरिजॉन्टल पोजिशन में ्ष्ट वेंट्स मिलेंगे। नई इलेक्ट्रिक कार में क्रोम हाइलाइट्स के साथ रोटरी एयर-कंडीशनिंग कंट्रोल भी दिए जाएंगे। इसके अलावा कोमेट में कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, कीलेस एंट्री, ड्राइव मोड और कई हाई-एंड फीचर्स दिए जाएंगे।

ये इलेक्ट्रिक कार ईवी नाम से इंडोनेशिया में पेश की जा चुकी है। भारतीय कंडीशन के हिसाब से कंपनी इसके मॉडल में कुछ बदलाव कर सकती है। एमजी मोटर इस मॉडल को भीड़-भाड़ वाले इलाकों के लिए तैयार कर रही है। भारत में टेस्टिंग के दौरान एमजी की ये कार कई बार स्पॉट की जा चुकी है। खास बात है कि इसकी लंबाई सिर्फ 2.9 मीटर होगी। यानी ये मारुति की ऑल्टो से भी छोटी होगी। बैटरी पैक को टाटा ऑटोकॉम्प से लाया जा सकता है। ये फ्रंट व्हील कार होगी और एक बार फुल चार्ज करने पर ये 150 किमी की रेंज दे सकती है। इसकी प्राइस करीब 10 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) हो सकती है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी: सोना 1,372 रुपए चढ़ा, चांदी 74 हजार के पार निकली

नई दिल्ली । इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 3 अप्रैल को सोना 59,251 रुपए पर था, जो अब 8 अप्रैल को 60,623 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,372 रुपए बढ़ी है। इसी हफ्ते 5 अप्रैल को सोने ने नया ऑल टाइम हाई बनाया था। तब 10 ग्राम सोना का दाम 60,977 रुपए पर पहुंच गया था।

चांदी में भी शानदार तेजी

इस हफ्ते चांदी में ढाई हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 71,173 रुपए पर थी जो अब 74,164 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,991 रुपए बढ़ी है।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर

साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। सोना 61,000 पहुंचा, क्या अभी लेना सही रहेगा, जानें इसमें इन्वेस्टमेंट के 4 तरीके दस ग्राम सोने की कीमत 61,000 के करीब पहुंच गई। ये सोने का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले साल अक्टूबर में सोना लगभग 50,000 रुपए प्रति दस ग्राम था। यानी 6 महीने में सोने ने 20प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

जल्द घट सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम: सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल बेचने पर हो रहा अच्छा मुनाफा

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जल्द ही गिरावट देखने को मिल सकती है। डीजल पर रिटेल मार्जिन 15 महीनों में पहली बार जनवरी-मार्च तिमाही में पॉजिटिव हो गया है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के एक अनुमान के अनुसार, डोमेस्टिक प्राइस स्थिर रहने और इंटरनेशनल कीमतों में गिरावट के चलते ऐसा हुआ है।

प्रति लीटर डीजल सेल्स पर 50 पैसे का मुनाफा बनाया - ऑयल मार्केटिंग कंपनियों का अनुमान है कि बीते फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में उन्होंने प्रति लीटर डीजल सेल्स पर 50 पैसे का मुनाफा बनाया है। जबकि, तीसरी तिमाही में कंपनियों को 6.5 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था। जनवरी से मार्च 2022 के दौरान यह घाटा 2.6 रुपए प्रति लीटर रहा था। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को नुकसान इसलिए हो रहा था, क्योंकि डोमेस्टिक कीमतें स्थिर थीं और इंटरनेशनल कीमतें आसमान छू रही थीं। डिमांड में इजाफा, अस्थायी रिफाइनरी कैपेसिटी की कमी और यूक्रेन युद्ध से उपजी सप्लाई की अनिश्चितताओं के कारण पिछले

साल क्रूड ऑयल की इंटरनेशनल कीमतें बढ़ी थीं।

पिछले साल पेट्रोल के दाम भी काफी ज्यादा बढ़ गए थे - पिछले साल पेट्रोल के दाम भी काफी ज्यादा बढ़ गए थे, लेकिन डीजल के मुकाबले तेज गति से नीचे भी आए थे। जनवरी-मार्च तिमाही में पेट्रोल पर रिटेल मार्जिन 6.8 रुपए प्रति लीटर रहने का अनुमान है। यह तीसरी तिमाही के 10 रुपए से कम है। जनवरी 2022 से शुरू हुई सभी तीनों तिमाहियों में पेट्रोल की रिटेल सेल्स पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को घाटा हुआ है।

कंपनियों का नेट प्रॉफिट 3.3 गुना बढ़ने का अनुमान - चौथी तिमाही में 10 से 11 डॉलर प्रति बैरल का अनुमानित ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन और पॉजिटिव मार्केटिंग मार्जिन रहा है। इससे इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की ऑपरेशनल इनकम में संयुक्त रूप से तिमाही दर तिमाही 77प्रतिशत बढ़ने में मदद मिलेगी। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। वहीं, नेट प्रॉफिट 3.3 गुना बढ़ने का अनुमान है।

कंपनियों के मार्जिन पर असर नहीं पड़ा तो घटेंगे दाम - ओपेक+ के मई से सप्लाई घटाने के हालिया फैसले से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को कुछ चिंता हो सकती है। प्रोडक्शन को घटाने के इस फैसले के बाद से क्रूड ऑयल की कीमत 5प्रतिशत चढ़ गई है। इससे फ्यूल रिटेलर्स के मार्जिन पर असर पड़ सकता है। अगर ओपेक + के प्रोडक्शन घटाने के फैसले से क्रूड ऑयल की कीमतों पर अधिक असर नहीं पड़ता है, तो कंपनियों को मुनाफा होता रहेगा। ऐसे में आगे चलकर पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने का फैसला हो सकता है।

खाद्य वस्तुओं में नरमी से 6 फीसदी के नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई, कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द

नई दिल्ली ।

खाने-पीने की वस्तुओं के दाम घटने से मार्च, 2023 में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से कम रह सकती है। खुदरा कीमतों पर आधारित (सीपीआई) महंगाई पिछले दो महीने से लगातार आरबीआई के 6 फीसदी से संतोषजनक दायरे से ऊपर रही है। रॉयटर्स की ओर कराए गए सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने कहा, खुदरा महंगाई में लगभग आधी हिस्सेदारी रखने वाले खाद्य वस्तुओं की महंगाई में सब्जियों के दाम घटने के कारण सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई में कमी थोड़ी सीमित रह सकती है। इसके बावजूद सीपीआई महंगाई 5.80 फीसदी रह सकती है।

सरकार मार्च के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अप्रैल, 2023 को जारी कर सकती है। इससे पहले फरवरी, 2023 में खुदरा महंगाई 6.44 फीसदी और जनवरी में 6.52 फीसदी रही थी। 39 अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में कहा गया है कि मार्च में खुदरा महंगाई 5.40 से 6.40 फीसदी के दायरे में रह सकती है।

वहीं, 25 फीसदी अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस बार भी सीपीआई महंगाई आरबीआई के संतोषजनक दायरे से बाहर रह सकती है। पिछले साल जनवरी से लेकर अक्तूबर तक यानी लगातार 10 महीने तक खुदरा महंगाई केंद्रीय बैंक के ऊपरी दायरे 6 फीसदी से अधिक रही थी। हालांकि, नवंबर, 2022 और दिसंबर, 2022 में ही यह 6 फीसदी से नीचे आई थी।

कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अर्थशास्त्री सुजीत कुमार का कहना है कि सब्जियों और ईंधन के भाव में आई गिरावट से महंगाई में कमी आई है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल के निचले स्तर से 20 फीसदी से अधिक की तेजी आई है। इसके अलावा, ओपेक प्लस देशों के कच्चे तेल के उत्पादन में 11.6 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती के अचानक फैसले से कच्चे तेल के दाम अभी और बढ़ेंगे। इससे ईंधन के भाव में तेजी आएगी, जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिख सकता है।

अभी खत्म नहीं हुआ जोखिम

आरबीआई का कहना है कि जब तक महंगाई संतोषजनक दायरे में नहीं आती है, तब तक इसके खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। रबी फसल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। इससे खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में नरमी आएगी। हालांकि, पशुचारे के दाम बढ़ने से गर्मियों में दूध के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियां भविष्य में महंगाई के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और आयातित महंगाई दबाव पर भी नजदीकी नजर रखने की जरूरत है।

पहली तिमाही से राहत संभव

खुदरा महंगाई के मोर्चे पर 2023-24 की पहली तिमाही से राहत मिल सकती है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा महंगाई के अनुमान को घटाकर 5.2 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमत औसतन 85 डॉलर प्रति बैरल पर रहती है तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 5.2 फीसदी रहेगी। पहली तिमाही में यह 5.1 फीसदी रह सकती है। दूसरी एवं तीसरी तिमाही में यह थोड़ी बढ़कर 5.4 फीसदी पर पहुंच सकती है, जबकि चौथी तिमाही में घटकर 5.2 फीसदी रह सकती है।

'गुमराह' बॉक्स ऑफिसः आदित्य रॉय कपूर-स्टारर की धीमी शुरूआत

आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म गुमराह शुक्रवार को रिलीज हुई। 2019 की तमिल फिल्म थडम की रीमेक इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर को उनके करियर में पहली बार दोहरी भूमिका में दिखाया गया है। हालांकि, फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इसकी रिलीज पर समीक्षकों से काफी हद तक नकारात्मक समीक्षा मिली और बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत की। फिल्म ने शुक्रवार को 1.5 करोड़ रुपये कमाए और हिंदी भाषी बाजार में 11.25% की ऑक्यूपेंसी दर्ज की। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की भोला और नानी की दशहरा के साथ संघर्ष कर रही है। दोनों फिल्में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। देखना होगा कि वीकेंड पर गुमराह रफ्तार पकड़ पाते हैं या नहीं।

"गुमराह" के फ्लॉप होने के कारण: गुमराह के फ्लॉप होने के कई कारण हो सकते हैं। रीमेक की वजह से लोग टिकट काउंटर पर बड़ी रकम चुकाने के बजाय ऑनलाइन फिल्म देखना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, समीक्षाएँ भी एक भूमिका निभाती हैं। इस फिल्म को नकारात्मक रेटिंग मिली है। गौरतलब है कि ठाकुर और कपूर के अलावा गुमराह में रोनित रॉय और दीपक कालरा भी सहायक भूमिकाओं में हैं। यह वर्धन केतकर के निर्देशन की पहली फिल्म है, जो पहले अन्य फिल्मों के साथ कपूर एंड संस में असिस्ट कर चुके हैं। यह फिल्म दो हमशक्ल रॉनी और अर्जुन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध हैं।

टी-शर्ट पहनने पर बुरी तरह ट्रोल हुई आलिया भट्ट

बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट ने अपने अभिनय कौशल और शालीनता से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अभिनेत्री अपने व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों मोर्चे से सुर्खियों में आने से कभी नहीं चूकतीं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से की थी और तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक गंगूबाई काठियावाड़ी है , जिसके लिए उनकी काफी प्रशंसा की गई थी। हालाँकि, अभिनेत्री को अक्सर उनके प्रशंसकों द्वारा ट्रोल किया जाता है, चाहे वह उनके फैशन का मामला हो, व्यक्तिगत जीवन या आईक्यू स्तर का मामला हो। आलिया भट्ट वर्तमान में रेडिट पर अपनी एक पुरानी तस्वीर के कारण ट्रोलिंग के निशाने पर हैं। 2021 में ली गई आलिया भट्ट की एक पुरानी तस्वीर में उन्हें एक टी-शर्ट पहने हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है, "जानवरों के लिए बोलो"। हम एक्ट्रेस को इस ओवरसाइज्ड टी-शर्ट को ब्लैक शॉर्ट्स के साथ पेयर करते हुए देख सकते हैं। अभिनेत्री ने काला धूप का चश्मा और सफेद स्नीकर्स की एक जोड़ी पहनी है।

वह अपने बालों को लो पोनीटेल में बांधती नजर आ रही थीं। हालांकि, आलिया ने एक लेदर बैग भी कैरी किया हुआ था, जिसने तुरंत ही रेडिटर्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। आलिया को एक टी-शर्ट पहनने के लिए ट्रोल किया गया, जिसमें लिखा था "स्पीक अप फॉर एनिमल्स" लेकिन वो जानवरों की खाल से बना बैग लिए हुए है। इस वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, ह्यएक तरफ तो मैम ज्ञान दे रही हैं और वहीं, दूसरी तरफ जानवरों के प्रति अपना प्रेम भी साफ जाहिर कर रही हैं। इस दोहरेपन के लिए मैम को मेरा सलाम।

पूरे इंडिया के भाईजान नहीं हूं, कुछ के सिर्फ जान भी हूंः सलमान खान

अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर चर्चा में हैं खान
सलमान खान का वीडियो सोशल मीडिया पर यूजर्स कर रहे खूब पसंद

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका नाम किसी का भाई किसी की जान है। ऐसे में हाल ही में सलमान खान ने एक सवाल पर मजेदार अंदाज में कहा कि वो पूरे इंडिया के भाईजान नहीं है, कुछ के सिर्फ जान भी हैं। वीडियो में दिख रहा है कि सलमान खान से रिपोर्टर पूछती हैं, सलमान, आप पूरे इंडिया के भाई जान है, ऐसे में जो धमकियां मिलती हैं उसे कैसे देखते हैं आप? रिपोर्टर का आधा सवाल सुनकर ही सलमान कहना शुरू कर देते हैं कि पूरे इंडिया के भाईजान नही हैं, किसी की जान भी हैं। बहुत सारों की जान भी हैं हम, अरे.. भाईजान उनके लिए हैं, जो कि भाई हैं और उनके लिए

हैं, जिन्हें हम बहन बनाना चाहते हैं। सलमान खान का ये वीडियो सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आ रहे हैं, जिस अंदाज में सलमान अपनी बात कह रहे हैं, उस स्वैग की सभी तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, कुछ कमेंट्स सलमान के रिलेशनशिप पर भी हैं, ऐसे ही एक ने कमेंट किया कि क्या बातों ही बातों में भाई ने अपनी जान का ऐलान कर दिया। एक और ने लिखा कि शायद सलमान जल्द ही रिलेशनशिप का ऐलान कर दे अब। वहीं एक और ने लिखा कि मुझे लगता है कि सलमान को प्यार हो गया है और वो रिलेशनशिप में हैं।

मजबूत रहो, तुम सैनिक की पत्नी हो

-घायल श्रद्धा आर्या के प्रति ने बंधाया ढांढस

धारावाहिक कुंडली भाग्य की एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या के पैर में चोट लग गई है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर दी, जिसमें एक्ट्रेस ने चोटिल पैर की तस्वीर शेयर कर दी है। एक्ट्रेस से दूर उनकी फिक्र कर रहे पति राहुल नागल ने अपनी वाइफ के लिए चिट्ठी भिजवाई है। दरअसल, श्रद्धा आर्या ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चोट लगे पैर की तस्वीर शेयर कर लिखा, मैं अपने खुद के स्टंट्स करना पसंद करती हूं, जैसे अपने पैर को मरोड़ना। श्रद्धा की इस दुख की घड़ी में उनके पति राहुल नागल उनके साथ नहीं हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी बीवी को हिम्मत देने के लिए एक चिट्ठी और बुके भिजवाया, जिसकी तस्वीर शेयर करते हुए श्रद्धा ने लिखा- राहुल ने जो लेटर भिजवाया था, उसमें लिखा, मेरी डियर पत्नी, जल्दी ठीक

हो जाओ मेरी बेबी गर्ल और मजबूत रहो। तुम सैनिक की पत्नी हो। पैर चोटिल होने के चलते श्रद्धा आर्या बेड रेस्ट पर हैं। ऐसे में उनके दोस्त उनका मन लगाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जिसका वीडियो शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा, मेरी फ्रेंड्स अपने हैप्पी फीट से मुझे एंटरटेन कर रही हैं, जबकि मेरा पैर ठीक नहीं है। बता दें कि, श्रद्धा आर्या ने साल 2021 में राहुल नागल से धूमधाम से शादी रचाई थी। एक्ट्रेस के पति राहुल पेशे से नेवी ऑफिसर हैं।

अयान मुखर्जी की मूवी ब्रह्मास्त्र-2 दिसंबर 2026 में और तीसरा भाग 2027 में होगा रिलीज

फैंस ने कहा- रिलीज होने में देरी हुई तो पिट जाएगी मूवी

मुंबई (ईएमएस)। अयान मुखर्जी ने फिल्म ब्रह्मास्त्र को मिले प्यार के बाद वादा किया था कि इस मूवी का और भाग लेकर आएंगे। अब उन्होंने इस पर कई अपडेट्स दिए हैं। मंगलवार को अयान ने इंस्टाग्राम पर लंबा पोस्ट लिखा। वह ब्रह्मास्त्र के दो और पार्ट ला रहे हैं। इंट्रेस्टिंग बात यह है कि दोनों पार्ट्स एक साथ बनेंगे और आसपास ही रिलीज कर दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मास्त्र का पहला भाग बनने में काफी वक्त लग गया था। दूसरा पार्ट आने में पहले से कम समय लगेगा। वहीं तीसरा जल्दी आ जाएगा। अयान ने अपकमिंग दोनों पार्ट्स की रिलीज का समय भी बता दिया है। अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र को दर्शकों ने पसंद किया। इसे देखने के बाद ही इसके सीक्वल के चर्चे शुरू हो गए थे। अयान पहले भी बता चुके थे कि वह इसके आगे के हिस्से दर्शकों के लिए लाएंगे। हालांकि, इसकी कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की थी। अब अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर अयान ने बताया है कि पार्ट-2 और तीसरा भी रिलीज होने वाला है। अयान दूसरा पार्ट दिसंबर 2026 में रिलीज करेंगे और तीसरा पार्ट 2027 में। अयान ने पोस्ट में फिल्म देर से रिलीज करने की वजह भी बताई है। उन्होंने लिखा है कि पार्ट वन को मिले प्यार से खुशी है और इसके पार्ट-2 और 3 बनाने की प्रेरणा मिली, लेकिन उन्हें लगता है कि स्क्रिप्ट परफेक्ट करने के लिए कुछ वक्त लगेगा। अयान के इस पोस्ट पर लोगों के तरह-तरह के रिएक्शंस हैं। कुछ लोग इस खबर से एक्साइटेड हैं। एक यूजर ने लिखा है कि जल्दी रिलीज नहीं की तो फिल्म पिट जाएगी। एक और ने लिखा है कि हम इतना इंतजार नहीं कर सकते।

सोनी राजदान ने शेयर की आलिया की थ्रोबैक फोटो

सेशेल्स में 1996 में आई फिल्म पापा कहते हैं के सेट से एक पुरानी तस्वीर दिग्गज एक्ट्रेस सोनी राजदान ने पोस्ट की। इस फोटो में आलिया भट्ट भी नजर आ रही हैं। सोनी राजदान ने ट्विटर पर फोटो शेयर की। फोटो में, छोटी आलिया को अपने पिता महेश भट्ट के साथ एक वाइट फ्रॉक में देखा जा सकता है, दोनों ने हाथ पकड़ा हुआ है। उनके बगल में सोनी शाहीन के साथ खड़ी है। अपने कैमरा रोल में पानी की तलाश करें और तस्वीर को ट्वीट करें। पापा कहते हैं में जुगल हंसराज, मयूरी कांगो, सोनी राजदान, अनुपम खेर, रीमा लागू और आलोक नाथ खास भूमिका में थे। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह सेशेल्स की है जब लड़कियां छोटी थीं और हम वहां पापा कहते हैं की शूटिंग कर रहे थे।

जूनियर एनटीआर को वॉर 2 के लिए साइन किया

साउथ के सुपर स्टार जूनियर एनटीआर को स्पाई एक्शन-थ्रिलर, वॉर 2 के लिए साइन किया गया है। यह फिल्म 2019 की ब्लॉकबस्टर का अगला सीक्वल है। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी करेंगे। अयान मुखर्जी ने बॉलीवुड में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है, जिसमें उनकी आखिरी रिलीज ब्रह्मास्त्र भी शामिल है। आदित्य चोपड़ा का यह कदम वॉर 2 को एक हिंदी फिल्म के लिए सबसे व्यापक दर्शकों की अपील करने में सक्षम बनाता है और यह फिल्म की बॉक्स ऑफिस क्षमता को भी बढ़ाता है। सूत्र ने आगे बताया कि जूनियर एनटीआर साउथ इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित और फॉलो किए जाने वाले आइकन में से एक हैं। कहा जाता है कि वह अपनी फिल्मों को काफी सोच-विचार के बाद चुनते हैं। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने फिल्म को हामी भर दी है, तो इसका मतलब

है कि वॉर 2 प्लॉट के साथ-साथ स्केल के मामले में भी पहली फिल्म को पीछे छोड़ रही है। ऋतिक रोशन बनाम जूनियर एनटीआर का याद रखने वाला एक्शन सीन होगा। जूनियर एनटीआर के शामिल होने से फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। एक सूत्र ने पुष्टि की, कि जूनियर एनटीआर ऋतिक के साथ वॉर 2 में भिड़ेंगे। उन्होंने कहा, उनका एक्शन और उनका परफॉर्मेंस निश्चित रूप से बड़े पर्दे पर याद रखने वाला होगा। वॉर पूरी तरह से भारतीय फिल्म है।

'पुष्पा 2' का टीजर शेयर कर श्रेयस तलपड़े ने लिखा खास पोस्ट

वर्ष 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा' जबरदस्त हिट हुई। उसके बाद 'पुष्पा-2' का ऐलान किया गया। अब लंबे इंतजार के बाद कल 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन की पहली झलक सामने आई है। इसके साथ ही इस फिल्म का रोमांचक टीजर भी रिलीज किया गया। इस टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब आज अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर 'पुष्पा 2' का टीजर शेयर करते हुए एक खास पोस्ट लिखा है। श्रेयस तलपड़े ने हिंदी संस्करण के लिए फिल्म 'पुष्पा' में अल्लू अर्जुन द्वारा निभाई गई 'पुष्पा' की भूमिका के लिए अपनी आवाज दी। श्रेयस तलपड़े द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना हुई। अब इस फिल्म के दूसरे पार्ट में भी हम पुष्पा के रोल के लिए श्रेयस तलपड़े की आवाज सुनेंगे। आज अल्लू अर्जुन के जन्मदिन के मौके पर श्रेयस ने इस टीजर को साझा किया और फिल्म के लिए अपने डबिंग अनुभव को साझा किया। आज श्रेयस तलपड़े ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर "पुष्पा 2" का हिंदी टीजर शेयर किया। इसमें 'पुष्पा' को तिरुपति जेल से फरार दिखाया गया है। तो इससे शहर में दंगे जैसे हालात पैदा हो गए हैं और हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है, "पुष्पा कहां है?" एक तरफ जहां पुलिस पुष्पा की तलाश करती नजर आ रही है, वहीं दूसरी तरफ लोग पुष्पा की मदद करने के लिए उसकी सराहना करते नजर आ रहे हैं। इस टीजर के आखिर में अल्लू अर्जुन की एक झलक भी नजर आ रही है। टीजर को शेयर करते हुए श्रेयस ने लिखा, "अब रूल पुष्पा का... और पुष्पा कभी जुकेगा नहीं साला...हैप्पी बर्थडे अल्लू अर्जुनजी। आपका दिन और आने वाला साल इस टीजर की तरह शानदार हो। एक दिन मैं उस आखिरी लाइन को डब करने गया और सारी यादें वापस आ गईं। क्या शानदार अनुभव है! अब उनका यह पोस्ट काफी चर्चित हो गया है और उनके फैंस "पुष्पा 2" को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं।

दिनेश विजान की अनटाइटल्ड फिल्म से शाहिद कपूर और कृति सनोन का पहला लुक जारी

जियो स्टूडियो और मैडडॉक फिल्म्स ने शाहिद कपूर और कृति सोनन अभिनीत आगामी फिल्म की घोषणा की है। शाहिद और कृति बॉलीवुड में सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक हैं। उन्हें पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ देखना काफी रोमांचक होगा। कॉकटेल, लव आज कल, और लुका छुपी जैसी ताजा रोमांटिक कॉमेडी के निमार्ताओं ने आधिकारिक तौर पर अपने नवीनतम फिल्म रैप की घोषणा की है। टीम ने फिल्म से एक सनसनीखेज स्नैपशॉट जारी किया। इस तस्वीर में शाहिद कपूर और कृति सनोन की नई नई जोड़ी सिजलिंग हॉट केमिस्ट्री दिखाई दे रही है। यह जोड़ी एक साथ शानदार दिखती है। शाहिद और कृति दोनों बाइक पर काफी रोमांटिक अंदाज में एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे हैं। अभिनेता ने ब्लू डेनिम और बूट्स के ऊपर सफेद शर्ट पहनी है, जबकि कृति ने शॉर्ट

स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना है। सूर्यास्त के बैकग्राउंड के बीच, अभिनेताओं को एक अंतरंग मुद्रा में देखा जा सकता है। तस्वीर से पता चलता है कि बिना शीर्षक वाली फिल्म आगामी अक्टूबर में सिनेमाघरों में उतरेगी। इससे भी ज्यादा दिलचस्प है इसकी टैगलाइन, जो कहती हैः "एक असंभव प्रेम कहानी"।

पुलिसवाले ने गाने दम दम पर किया जबर्दस्त डांस

हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें पुलिसमैन रणवीर सिंह के गानों पर जबरदस्त डांस करता नजर आ रहा है। मुंबई पुलिस के डांसिंग कॉप अमोल कांबले ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें डांसर हर्ष कुमार के साथ एक बॉलीवुड गाने पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। पुलिसवाले ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हर्षकुमार ऑफिसियल सर यह मेरी इच्छा थी और आपने इसे पूरा किया। बहुत बहुत धन्यवाद सर। कांबले और कुमार दम दम गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। यह गाना रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की फिल्म बैंड बाजा बारात का है। कांबले के इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है।

सूडोकु नवताल- 6395

★★★✯☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6394 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7142

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

शब्द जाल में 'न' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नगमा, नजराना, नयनतारा, नवीन,नमस्कार, नयनाभिराम, नवज्योति, नवजीवन, नवनीत, नवनिर्माण.

शब्दजाल - 7141 का हल

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	त्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6095

1	5		7		2	
	28		35		28	
7		2		3	1	5
	32		32		31	
6	3	1		2		
4	33		30	5	35	7
	2	7	4			3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6094 का हल

2	1	3	7	6	5	4
1	22	7	38	5	41	3
3	4	1	2	7	6	5
7	32	6	30	3	35	2
6	3	2	5	4	1	7
4	32	5	30	2	24	1
5	3	4	7	1	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

इंडियन हॉकी टीम की कैप्टन की शादी: हरियाणा की सविता पूनिया का एनआरआई से विवाह; दूल्हा परिवार ने शगुन में 1 रुपया लिया

हिसार।

भारतीय हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया शादी के बंधन में बंध गई है। सिरसा के जोधकां गांव की रहने वाली सविता पूनिया ने कनाडा के अंकित बल्हारा से शादी की। शादी जीरकपुर में एक निजी पैलेस में हुई है। यह अरेंज मैरिज है। सविता के लिए वर की तलाश उसके परिजनों ने की। अंकित मूल रूप से सोनीपत के रहने वाले हैं।

पिता महेंद्र पूनिया ने बताया कि उनका दामाद अंकित बल्हारा ने शादी में दहेज नहीं लिया और शगुन के रूप में केवल 1 रुपया लिया। अंकित हरियाणवी चंद्रावल फिल्म के डायरेक्टर और कलाकार भाल सिंह बल्हारा के बेटे हैं। अंकित बल्हारा कनाडा में बैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में प्ले बैक सिंगर है।

1 साल से चल रही थी शादी की बात

सविता पूनिया और अंकित बल्हारा की शादी की बात पिछले एक साल से चल रही थी। सविता और अंकित के परिवारों ने पहले वीडियो कॉल से आपस में बातचीत शुरू की। इसके बाद पिछली अप्रैल में रिश्ता तय होने के बाद दोनों परिवारों का एक दूसरे से मिलना शुरू हुआ। दोनों का रिश्ता करवाने में पारिवारिक रिश्तेदारों की भूमिका रही। 5 अप्रैल को दोनों शादी के बंधन में बंधे।

सविता का ओलंपिक 2024 टारगेट

सविता के पिता महेंद्र सिंह पूनिया ने बताया कि बेशक सविता की शादी कनाडा में हुई है। परंतु अभी वह इंडिया में ही रहेगी। उसका लक्ष्य 2024 ओलंपिक है। इसलिए वह अपना खेल जारी रखेगी। हमारी सामाजिक जिम्मेदारी थी, उसे हमने निभा दिया। सविता पूनिया को अर्जुन अवॉर्ड भी मिल चुका है।

टोक्यो ओलंपिक में बनी थी द ग्रेट वॉल

हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया टोक्यो ओलिंपिक में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 पेनल्टी कॉर्नर बचाकर द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया बनी थी। तब से सविता पूनिया को द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया का नाम दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

जहां पड़ा था धोनी का विजयी छक्का, वहीं बनेगा मेमोरियल: वानखेड़े स्टेडियम की 5 कुर्सियां हटेंगी; 28 साल बाद वर्ल्ड कप जीता था भारत

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन 2011 वनडे वर्ल्ड कप के विजयी छक्के को यादगार बनाने जा रहा है। यह छक्का टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने लगाया था, जिसने भारत को 28 साल बाद खिताब जिताया था। जिस जगह पर छक्का लगा था, वहां एमसीए एक मेमोरियल बनाएगा। मेमोरियल के लिए वानखेड़े स्टेडियम पवेलियन में लगी 5 कुर्सियों को हटाया जाएगा। ये कुर्सियां जे282 से जे286 होंगी। एमसीए ने धोनी को उसी जगह सम्मानित भी किया, जहां छक्के के वक्त बॉल गिरी थी। दरअसल, 12 साल पहले 2 अप्रैल को इसी मैदान पर धोनी ने श्रीलंका के नुवान कुलसेकरा की बॉल पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया था। इस छक्के के बाद भारत ने 6 विकेट से मैच जीतकर ट्रॉफी उठाई थी। धोनी ने फाइनल मुकाबले में 91 रन की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के 9 मैचों में 241 रन बनाए थे। युवराज सिंह उस दौरान में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। उन्होंने तब 362 रन बनाने के साथ 15 विकेट भी लिए थे। टीम इंडिया ने 2011 में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप को 28 साल बाद जीता था। धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से पहले 1983 में कपिल देव की कप्तानी वाली टीम ने भारत को वर्ल्ड कप जिताया था। तब फाइनल में टीम ने वेस्टइंडीज को हराया था। महेंद्र सिंह धोनी ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह अब सिर्फ आईपीएल में नजर आते हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स टीम के कप्तान हैं और इस सीजन के 2 मैचों में 3 छक्के लगा चुके हैं। 2011 वनडे वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा रहे 15 में से 13 खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, हरभजन सिंह और जहीर खान जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। उस टीम से विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन ही फिलहाल टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं।

कैस्पर रुड ने गत विजेता बाएज को एस्टोरिल में हराया

नई दिल्ली। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी कैस्पर रुड ने मिलेनियम एस्टोरिल ओपन में सत्र के अपने पहले सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। रुड ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन सेबेस्टियन बाएज को 6-3, 6-0 से हराया। रुड ने बेसलाइन से सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवीं सीड बाएज को डिफेंस पर रखा। नौ बार के एटीपी टूर खिताब विजेता रुड ने एक घंटे 18 मिनट में जीत हासिल की। रूड का अगला मुकाबला फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस से होगा जिन्होंने पूर्व विश्व नंबर तीन खिलाड़ी डोमिनिक थिएम को 6-1, 6-4 से हराया और अपने पहले एटीपी टूर सेमीफाइनल में पहुंच गए। हेलिस ने यह मुकाबला एक घंटे 19 मिनट में जीता। हेलिस अब रैंकिंग में 80वें स्थान से 64वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। पिछले सप्ताह वह मियामी में चौथे राउंड तक पहुंचे थे। अन्य मैचों में 2018 के फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट मार्को सचिनाटो और छठी सीड मियोमिर केकमनोविच सेमीफाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम ने जीता फिनालिसिमा खिताब, ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में हराया

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टीम ने बेहद ही रोमांचक मुकाबले में ब्राजील को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर महिलाओं के लिए पहली बार आयोजित फाइनलिसिमा फुटबाल टूर्नामेंट जीत लिया। इंग्लैंड पिछले 30 मैचों से हारा नहीं है। शूटआउट के दौरान च्लोए कैली के गोल से इंग्लैंड की टीम चैंपियन बन गई और यहां वेंबले स्टेडियम में लगभग 83,132 प्रशंसकों की मौजूदगी में जश्न मनाया। क्लोए ने पिछले साल वेंबले में यूरो 2022 के फाइनल में भी गोल किया था। इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी ईर्प्स ने शूटआउट के दौरान पेनाल्टी बचाकर टीम की जीत में अपना योगदान दिया। इंग्लैंड की एला टून ने 23वें मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई और पहले हाफ में 1-0 से बढ़त अपने नाम की। फिर दूसरे हाफ में एक समय लग रहा था कि मेजबान टीम यह खिताब इसी स्कोर से अपने नाम कर लेगी।

मेसी या रोनाल्डो, फ्री-किक पर गोल करने में कौन बेहतर

नई दिल्ली।

फुटबॉल में अब भी फैंस के बीच पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी के बीच बेस्ट प्लेयर को लेकर बहस देखने को मिलती है। हालांकि, पिछले साल मेसी के फीफा वर्ल्ड कप जीतने के बाद इस बहस पर कुछ समय के लिए विराम जरूर लगा था, लेकिन रोनाल्डो के हाल फिलहाल में लगातार दो अंतरराष्ट्रीय मैचों में दो गोल दागने के बाद इस बहस को और तूल मिल गई है। रोनाल्डो ने लिस्टेंस्टीन और लग्जमबर्ग के खिलाफ कुल मिलाकर चार गोल दागे थे। इनमें से एक गोल रोनाल्डो ने फ्री-किक पर दागा था। लग्जमबर्ग के बॉक्स के बाहर से शूट कर रोनाल्डो ने गोल किया था। इस गोल के साथ ही रोनाल्डो ने फुटबॉल करियर में सिर्फ फ्री-किक से गोल की संख्या 60 कर ली। वहीं, इस तरह से गोल करने के मामले में वह मेसी से दो गोल पीछे हैं। फ्री-किक पर मेसी ने क्लब और अंतरराष्ट्रीय करियर को मिलाकर 62 गोल दागे हैं। हम फ्री-किक से दोनों के गोल करने की क्षमता पर एनालिसिस कर रहे हैं। फुटबॉल में खेल को फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को फ्री-किक कहते हैं। यह विपक्षी टीम के फाउल यानी किसी नियम का उल्लंघन करने पर दूसरी टीम को इनाम के तौर पर दिया जाता है। फ्री-किक भी दो प्रकार का होता है- इनडायरेक्ट फ्री-किक और डायरेक्ट फ्री-किक। इनडायरेक्ट फ्री-किक को गोल करने पर या किसी टीम के गोल अटेम्प्ट करने पर दूसरी टीम को इनाम के तौर पर दिया जाता है। किसी भी तरह से खेल के रुकने पर खेल को

दोबारा शुरू करने के लिए यह फ्री-किक विपक्षी टीम को दी जाती है।

इन मामलों में दी जाती है दूसरी टीम को इनडायरेक्ट फ्री-किक - यदि खिलाड़ी खतरनाक तरीके से खेल रहा हो एक खिलाड़ी दूसरी टीम के खिलाड़ी को बिना छुए आगे बढ़ने से रोकता है कोई खिलाड़ी अगर दूसरी टीम के खिलाड़ी पर अश्लील या अपमानजनक भाषा या इशारों का प्रयोग करता है कोई फुटबॉलर अगर दूसरी टीम के गोलकीपर को गेंद को पकड़ने से रोकता है गोलकीपर के शॉट लगाने के दौरान अगर सामने वाली टीम का प्लेयर अगर इसमें अड़चन डालता है और फुटबॉल को किक करने की कोशिश करता है। यदि किसी टीम का गोलकीपर गेंद के साथ कोई छेड़छाड़ करता है तो भी इनडायरेक्ट फ्री-किक दी जाती है। फ्री-किक एक टीम को तब इनाम स्वरूप दी जाती है जब विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी अपने बॉक्स के आसपास सामने वाली टीम के खिलाड़ी पर फाउल करता है यानी गलत तरीके से टैकल करता है, उसे धक्का देता है या उसे गिरा देता है। इसके अलावा हैंडबॉल होने पर भी डायरेक्ट फ्री-किक अवॉर्ड किया जाता है। जिस टीम को फ्री-किक इनाम के तौर पर मिलता है उसका कोई स्पेशलिस्ट फुटबॉलर बॉक्स के आसपास से सीधे गोलपोस्ट पर शूट कर गोल करने की कोशिश करता है।

डायरेक्ट फ्री-किक कब दी जाती है- जब कोई खिलाड़ी लापरवाही से खेलता है कोई फुटबॉलर नियम तोड़ने के लिए एक्स्ट्रा पावर लगाता है जब कोई फुटबॉलर हैंडबॉल करता हुआ पाया जाता है। कोई फुटबॉलर सामने वाली टीम के खिलाड़ी को छूकर या धक्का देकर या पैर फंसाकर रोकता या पकड़ता है

फ्री-किक से किसने किए सबसे ज्यादा गोल - यह भी एक तरह की कला है, जिसमें हर फुटबॉलर को महारत हासिल नहीं होती है। जुनिनो पर्नामबुकानो को इसमें महारत हासिल थी। मौजूदा समय में मेसी और रोनाल्डो फ्री-किक पर गोल करने में एक्सपर्ट हैं। फ्री-किक पर सबसे ज्यादा गोल करने के मामले पर्नामबुकानो सबसे आगे हैं। उन्होंने अपने करियर में फ्री-किक से कुल 77 गोल दागे थे। पर्नामबुकानो ने ही नकल-बॉल शूट की तकनीक का इजात किया था। वहीं, फ्री-किक पर गोल करने वाले टॉप 10 खिलाड़ियों में मेसी आठवें और रोनाल्डो 10वें स्थान पर हैं। इस टॉप-10 की लिस्ट में मेसी और रोनाल्डो ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो मौजूदा समय में फुटबॉल खेल रहे हैं।

मेसी और रोनाल्डो में से फ्री-किक में कौन बेहतर - मेसी हर 16.4वें मैच में फ्री-किक पर एक गोल करते हैं, जबकि रोनाल्डो हर 19.3वें मैच में इस तरह से गोल करते हैं। यानी फ्री-किक पर रोनाल्डो का सक्सेस रेट मेसी से कम है। फ्री-किक पर मेसी के गोल दागने का सक्सेस रेट 9.1 प्रतिशत है, जबकि रोनाल्डो का सक्सेस रेट 6.4 प्रतिशत है। दोनों के अलग-अलग प्रतियोगिताओं में फ्री-किक पर गोल करने के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो मेसी इसमें भी आगे हैं।

आंकड़े क्या कहते हैं - किसी देश की फुटबॉल लीग में मेसी ने 41 गोल किए हैं, जबकि रोनाल्डो ने लीग मैचों में 34 गोल फ्री-किक से किए हैं। मेसी फिलहाल फ्रेंच लीग लीग-वन और रोनाल्डो साउदी फुटबॉल लीग में खेल रहे हैं। गोल कन्वर्जन रेट की बात करें तो लीग फुटबॉल में मेसी हर 13.9वें मैच में और रोनाल्डो हर 19.4वें मैच में फ्री-किक पर गोल दागते हैं। वहीं, चैंपियंस लीग में मेसी ने पांच और रोनाल्डो ने 12 गोल फ्री-किक से किए हैं।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को तीसरे टी-20 में हराया

रोमांचक मैच में कीवियों ने 1 बॉल रहते जीत हासिल की, सीरीज पर कब्जा जमाया

नई दिल्ली।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को तीन टी-20 मैच की सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड तीन मैच की सीरीज 2-1 से जीत ली। क्वींसटाउन में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में ही लक्ष्य का हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के टिम सेफर्ट ने अर्धशतक लगाया। टिम सेफर्ट को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी जो उसने 1 बॉल शेष रहते हासिल कर लिया। इस दौरान उसने दो विकेट भी गंवाए।

श्रीलंका की पारी- कुसल मेंडिस ने लगाया अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की। पथुम निसंका और कुसल मेंडिस ओपनिंग करने उतरे। दोनों के बीच 76 रन की पार्टनरशिप हुई। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 73 रन की पारी खेली।

उनके अलावा कुसल परेरा 33, निसंका 25 और धनंजय डी सिल्वा ने 20 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। बेन लिस्टर को 2 और ईश सोढी और एडम मिल्ने को 1-1 विकेट मिला। चरित असलंका को मार्क चैपमैन और टॉम लाथम ने रन आउट किया।

न्यूजीलैंड के टिम सेफर्ट ने 88 रन की पारी खेली

न्यूजीलैंड ने आसानी से 183 रन का टारगेट हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के लिए टिम सेफर्ट ने 88 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान टॉम लाथम 31 ने बनाए।

लाहिरू कुमारा को 3 और प्रमोद मदुशन और महेश थीक्षाना को 1-1 विकेट मिला।

लियाम लिविंगस्टोन के आईपीएल में आने की तारीख तय नहीं: मैनचेस्टर में रिहैब कर रहे है, ईसीबी की तरफ से मेडिकल क्लियरेंस नहीं मिला

मैनचेस्टर/मुंबई।

पंजाब किंग्स के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन इस समय इंग्लैंड में ही हैं। 5 अप्रैल को पंजाब का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुआ था। इस दौरान मैच के बाद पंजाब किंग्स के एक अधिकारी ने कहा था कि लियाम लिविंगस्टन अगले मैच में टीम में शामिल होंगे। लिविंगस्टोन के आने की सम्भावना नहीं दिखा रही है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और लांकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के ने बताया कि लियाम लिविंगस्टोन को टीम जॉइन करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लगेगा।

पंजाब ने 11.5 करोड़ रुपए में खरीदा

पंजाब किंग्स ने विस्फोटक ऑलराउंडर को 2022 में आईपीएल ऑक्शन में 11.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबाजी के साथ राइट आर्म

ऑफ स्पिन करते हैं।

लिविंगस्टोन अभी पूरी तरह फिट नहीं

ईसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि, लिविंगस्टोन अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। लांकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब इस समय उनकी फिटनेस पर काम कर रहा है। उम्मीद है कि लिविंगस्टोन 15 अप्रैल के आस-पास खेलेंगे। टखने और घुटने में चोट की वजह से लिविंगस्टोन ने दिसंबर से क्रिकेट नहीं खेला है।

सोशल मीडिया पर कर रहे है टीम को चीयर

लिविंगस्टोन ने कहा - आईपीएल सीजन का इंतजार है। हालांकि, लिविंगस्टोन पंजाब टीम को सोशल मीडिया पर लगातार चीयर करते रहते हैं।

आईपीएल चीयरलीडर्स को हर मैच के बाद मिलती है 14-17 हजार सैलरी

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग का 16वां सीजन जारी है और फैंस के बीच इस टी20 लीग का उत्साह दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। मैच देखने के लिए रिकॉर्ड संख्या में फैंस ग्राउंड में आ रहे हैं। इसमें लोकप्रिय क्रिकेटर्स के साथ-साथ ग्लैमर का तड़का भी देखने को मिला है।

टूर्नामेंट की रौनक बढ़ाने के लिए इस साल चीयरलीडर्स की वापसी भी हुई है। चीयरलीडर्स अपने शानदार डांस स्टेप्स से फैंस का भरपूर मनोरंजन करती हैं। पिछले कुछ सीजन में कोविड पाबंदियों के कारण आईपीएल में चीयरलीडर्स नजर नहीं आ रही थी, लेकिन अब इनकी वापसी हो चुकी है।

प्रति मैच कितनी कमाई

आईपीएल में हिस्सा ले रही अधिकतर चीयरलीडर्स विदेश की हैं जबकि कुछ ही भारतीय चेहरे दिख रहे हैं। तो इन चीयलीडर्स को आखिर हर मैच की कितनी सैलरी मिलती है चलिए इसकी जानकारी देते हैं। डीएनए की रिपोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि आईपीएल की चीयरलीडर्स को प्रति मैच 14-17 हजार

रुपये की सैलरी मिलती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीयरलीडर्स को सीएसके, पंजाब,सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें प्रत्येक मैच के 12 हजार रुपये देती है। वहीं मुंबई इंडियंस और आरसीबी अपनी टीम की चीयरलीडर्स को 20 हजार रुपये देतेहैं। केकेआर सबसे ज्यादा रकम चीयरलीडर्स को देता है, जो करीब 24 हजार रुपये है।

बोनस भी मिलता है

एक मैच की फिक्स सैलरी के अलावा चीयरलीडर्स को उनके प्रदर्शन के आधार पर बोनस भी मिलता है। अगर उनकी टीम जीतती है तो उस पर भी बोनस मिलता है। इसके अलावा उन्हें अन्य सुविधाएं, जैसे रुकने के लिए अच्छी जगह, खाना आदि मिलती हैं। हालांकि, आईपीएल चीयरलीडर की नौकरी पाना आसान नहीं है। इनका चयन परख के बाद होता है। आईपीएल चीयरलीडर को डांसिंग, मॉडलिंग और बड़े क्राउड के सामने प्रस्तुति देने के अनुभव की जरुरत होती है।

पुरुष विश्व मुक्केबाजी: 13 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित, अमित पंघल को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिवा थापा और 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता दीपक भोरिया 30 अप्रैल से 14 मई तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली आगामी आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। शिवा 63.5 किग्रा वर्ग में भारतीय चुनौती संभालेंगे। दीपक 51 किग्रा फ्लाईवेट वर्ग में चुने गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि दीपक को 2019 विश्व मुक्केबाजी के रजत विजेता अमित पंघल के मुकाबले आकलन स्कोर के आधार पर चुना गया है। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, पुरुष टीम कड़ी मेहनत कर रही है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि उनमें से हरेक देश को गौरव प्रदान करेगा। हमने हाल में भारतीय महिला मुक्केबाजों को दिल्ली विश्व चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ पदक आंकड़ा जीतते देखा था और मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे लड़के भी विश्व चैंपियनशिप में हमें गौरव प्रदान करेंगे।

प्रतियोगिता में सात गत विश्व चैंपियन उतरेंगे।

भारतीय टीम में अनुभवी मुक्केबाज और 2022 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन 57 किग्रा वर्ग में अपनी चुनौती रखेंगे। ताशकंद चैंपियनशिप में 104 देशों के लगभग 640 मुक्केबाज अपना पंजीकरण करा चुके हैं। स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा जबकि रजत विजेता को एक लाख डॉलर का पुरस्कार मिलेगा। दोनों कांस्य पदक विजेताओं को 50-50 हजार डॉलर दिए जाएंगे।

भारतीय टीम 17 अप्रैल को ताशकंद रवाना होगी और विश्व चैंपियनशिप से पहले ट्रेनिंग कैम्प में हिस्सा लेगी। सात ओलम्पिक वर्गों - 51, 57, 63.5, 71, 80, 92 और 92 प्लस किग्रा में दो-दो मुक्केबाज ट्रेनिंग कैम्प में हिस्सा लेंगे।

भारतीय दल इस प्रकार है:

गोविन्द साहनी (48), दीपक भोरिया(51), सचिन सिवाच (54), मोहम्मद हुसामुद्दीन(57), वरिंदर सिंह (60), शिवा थापा (63.5), आकाश सांगवान (67), निशांत देव (71), सुमित कुंडू (75), आशीष चौधरी (80), हर्ष चौधरी (86), नवीन कुमार (92) और नरेंदर बेरवाल (92 प्लस) भारतीय टीम 17 अप्रैल को ताशकंद रवाना होगी और विश्व चैंपियनशिप से पहले ट्रेनिंग कैम्प में हिस्सा लेगी। सात ओलम्पिक वर्गों - 51, 57, 63.5, 71, 80, 92 और 92 प्लस किग्रा में दो-दो मुक्केबाज ट्रेनिंग कैम्प में हिस्सा लेंगे।

फायदे ही नहीं नुकसान भी पहुंचाता है ऐलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है जिससे कई सारे फायदे मिलते हैं। यह त्वचा को निखारने और बालों को मजबूत बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा एलोवेरा जूस सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसके ज्यादा सेवन से शरीर को नुकसान भी हो सकता है।

कमजोरी : एलोवेरा जूस का अधिक या गलत तरीके से सेवन किया जाए तो शरीर में पोटैशियम की कमी हो जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और कमजोरी महसूस होने लगती है।

दस्त : एलोवेरा में लैक्सेटिव और एंथ्राक्विनोन तत्व होते हैं जो पेट में कई तरह की परेशानियां पैदा करते हैं। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से दस्त लग जाते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या होती है उन्हें एलोवेरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

गर्भपात : गर्भवती महिला को कभी भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा जो महिलाएं अपने बच्चे को स्तनपान करवाती हैं उनके लिए भी यह जूस खतरनाक साबित हो सकता है।

दवा का कम असर: कई लोग किसी लंबी बीमारी की वजह से दवाओं का सेवन करते हैं। ऐसे में उन्हें एलोवरा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे शरीर पर दवा असर नहीं करेगी और नुकसान होगा।

अधिकार

परिवार में बच्चों के भी हैं कानूनी अधिकार

बच्चों द्वारा पैरेंट्स के खिलाफ केस दर्ज कराने के मामले भारत में काफी कम देखने को मिलते हैं, लेकिन यूरोपीय देशों में यह अक्सर होता है। भारत में भी जहां तक बच्चों के अधिकार का सवाल है तो बच्चे मारपीट या किसी भी तरह की प्रताड़ना से कानून में पूरी तरह प्रोटेक्टेड हैं। राइट-टू-एजुकेशन ऐक्ट के तहत टीचर भी बच्चे को डरा-धमका और पीट नहीं सकते। ऐसा करने पर केस दर्ज होगा और उनकी नौकरी भी जा सकती है।

क्या कहता है जेजे ऐक्ट

सीनियर ऐडवोकेट रमेश गुप्ता बताते हैं कि अगर बच्चे को पैरेंट्स टार्चर करते हैं या पीटते हैं तो जेजे (जूवनाइल जस्टिस) ऐक्ट में पुलिस से शिकायत की जा सकती है। यदि बच्चे को चोट पहुंची है तो फिर आईपीसी के तहत केस दर्ज होगा। आईपीसी हो या जेजे ऐक्ट कानून में कही भी पैरेंट्स अपवाद नहीं हैं। जेजे ऐक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर 6 महीने तक की सजा ही सकती है। यह मामला जमानती है।

नप सकते हैं IPC में

ऑल इंडिया पेरेंट्स असोसिएशन के प्रेसिडेंट और हाई कोर्ट के वकील अशोक अग्रवाल बताते हैं कि मारपीट पर आईपीसी की धारा 323 के तहत केस दर्ज होगा, जो गैर-संज्ञेय है। इसमें आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होगी। बच्चे को कोर्ट में खुद ही अपना केस लड़ना होगा और जुर्म साबित होने पर जुर्माना या एक साल की कैद हो सकती है। लेकिन नुकीले हथियार से मारने पर धारा 324 लगती है, जिसमें 3 साल तक की सजा का प्रावधान है। जानलेवा चोट पहुंचाने पर 326 के तहत मुकदमा दर्ज होगा, जिसमें 10 साल तक या उम्रकैद तक सजा का प्रावधान है। सिर पर चोट लगने पर 308 (गैर-इरादतन हत्या का प्रयास) का केस बनेगा। इसके तहत 3 से 7 साल तक कैद हो सकती है। 326 और 308 दोनों गैर-जमानती हैं। अन्य धाराओं के तहत अलग-अलग सजा का प्रावधान है।

मुकदमा होने पर क्या करें

ऐडवोकेट रमेश गुप्ता बताते हैं कि केस दर्ज होने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत जमानत लेनी होगी। मामला समझौतावादी होने पर पिता-बच्चे की इच्छा से कॉम्प्रोमाइज़ हो सकता है, लेकिन गंभीर धाराओं (326 और 308) में एफआईआर दर्ज होने पर मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। गैर-समझौतावादी मामले में सिर्फ हाई कोर्ट से ही एफआईआर रद्द हो सकती है। हालांकि कोर्ट में बच्चे को पीटने के पीछे का मोटिव भी देखा जाता है। यदि गलत हरकत से रोकने के लिए या ना पड़ने पर पीटा गया हो तो बचाव पक्ष इसकी दलील देकर सजा में राहत हासिल कर सकता है।

इन नियमों से दिनों-दिन बढ़ेगा आत्मविश्वास

जीवन में सफलता की सीढ़िया चढ़ने के लिए आत्मविश्वास बहुत जरूरी है। चाहें और कितना ही पढ़-लिख लें लेकिन आत्मविश्वास के बिना आपका ज्ञान भी अधूरा है। बिना आत्मविश्वास के सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती है। अगर आपको अपने ऊपर ही विश्वास नहीं होगा तो आप दूसरों को कैसे अपने ऊपर विश्वास करने के लिए कह सकते है। अक्सर लोगों में इसकी कमी देखी जाती है, जो लाइफ में कई तरह की दिक्कतों को सामने लाकर खड़ा कर देता है। अगर आप भी अपने आत्मविश्वास(Self-confidence) को बढ़ाकर सफलता की सीढी चढ़ना चाहते है तो आज हम आपको कुच टिप्स बताएंगे, जो आपको आत्मविश्वास को बढ़ावा देंगे।

1. अपनी प्रशंसा करें

अपने आप को सबसे बेहतर समझें। खुद को दूसरों से ज्यादा पसंद करें। अपने मन में हमेशा यह बात रखें कि मैं कुछ भी कर सकती हूं। किसी भी काम में बेहतर हूं।

2. सफलता की कल्पना करें

किसी शांत जगह पर बैठकर किसी कार्यक्रम या परिस्थिति सोच-विचार करें। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। इतना ही नहीं, बल्कि अपन कल्पना में ही उस काम को पूरा करने की कोशिश करें। इस समय आपके मन में जो भी विचार और भावना आएगी, उसे नजरअंदाज करने के बजाएं महसूस करें।

3. निजी विज्ञापन तैयार करें

घर में ही अपने बारे में कुछ लिखकर विज्ञापन तैयार करें। फिर उसे पुरे आत्मविश्वास से शूट करें। अब कभी भी आपको अपने आत्मविश्वास कम लगे तो उस शूट को दोबारा से देखें। इससे आपको मनोबल बढ़ेगा।

4. तैयार करें सपनों की उड़ान

घर की दीवार या फिर विजन बोर्ड तैयार करके उसपर प्रेरणा देने वाली तस्वीरें, प्रेरक वाक्य चिपका दें। फिर रोज सुबह उठते समय और रात को सोने से पहले उनपर एक नजर झुमाएं। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा।

5. छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

अपने सामने छोटे-छोटे लक्ष्य रखें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे भी इन लक्ष्य को पूरा करने की हिम्मत रखेगे।

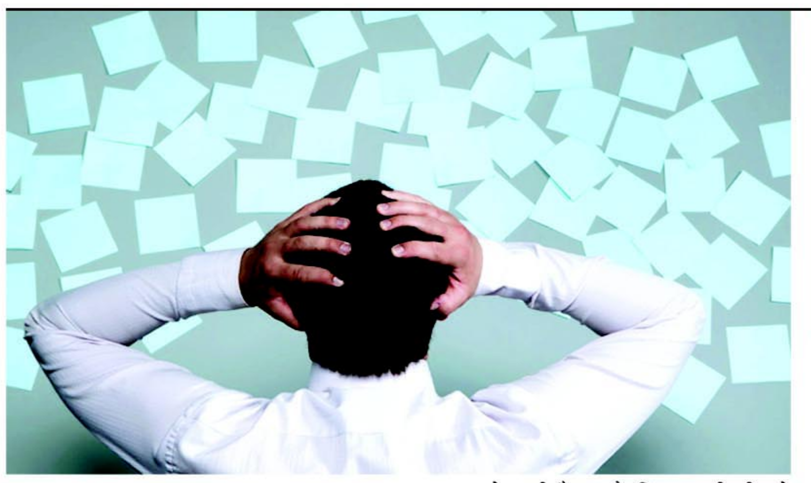

ऑफिस के तनाव को इस तरह मिनटों में करें दूर

भागदौड़ भरी जिदंगी में आराम के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। जिस वजह से व्यक्ति हर समय थकान महसूस करता है। आजकल ज्यादातर ऑफिस में कंप्यूटर का काम ही किया जाता है जिससे सारा दिन एक ही पोजिशन में बैठकर काफी थकावट हो जाती है। ऐसे में खुद को फ्रेश रखने के लिए कुछ काम जरूर करने चाहिए।

1. **टहलना :** एक ही जगह बैठे-बैठे काफी थकावट हो जाती है। इसके लिए अपनी सीट से उठकर थोड़ा टहलना जरूरी होता है। इससे मांसपेशियां को ऑक्सीजन मिलता है जिससे शरीर और दिमाग दोनों फ्रेश हो जाते हैं।

2. **पानी पीएं :** काम के दौरान अक्सर पानी का कम सेवन किया जाता है। शरीर में पानी की कमी के कारण भी थकावट महसूस होती है। ऐसे में खूब पानी पीएं और उन फलों का अधिक सेवन करें जिसमें अधिक मात्रा में पानी हो।

3. **अधिक खाना :** लंच टाइम में जरूरत से ज्यादा खा लेने से आलस पड़ जाता है लेकिन न सो पाने की वजह से अधिक थकान महसूस होती है।

4. **बातें करें :** जब भी शरीर को थकान महसूस हो उस समय अपने साथी से बातें करे। बात करने से ध्यान दूसरी तरफ हो जाता है और थकावट भी कम हो जाती है।

5. **गाने सुनें :** ऑफिस में काम के साथ-साथ कंप्यूटर या फोन पर गाने भी सुन सकते हैं। इससे बॉडी फ्रैश महसूस करेगी और थकावट भी नहीं होगी।

6. **चाय या कॉफी :** काम के दौरान चाय या कॉफी का सेवन जरूर करें। इसमें मौजूद कैफिन शरीर को ऊर्जा देता है और थकान भी दूर करता है।

सौंदर्य

हेयर कलर करने से पहले जान लें ये 5 साईड इफेक्ट

यह कोई नई बात नहीं कि बालों को डाई करना आजकल का ट्रैंड बन चुका है। लड़कियां हो या लड़के, अपने बालों को नए-नए रंग देने के लिए हेयर कलर्स का सहारा ले रहे है लेकिन क्या आपने कभी हेयर कलर करवाने से पहले इससे होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में सोचा है? बालों को डाई करना , सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अगर आप भी ढेरों पैसे खर्च करके अपने बालों हेयर कलर करवाने जा रही है तो पहले इसके साइड-इफैक्ट्स के बारे में अच्छे से जान लें।

1. बालों का टूटना

हेयर कलर्स या डाई में अमोनिया का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व हेयर फाइबर को खोलकर बालों पर अपना काम करता है। पर्मानेंट हेयर कलर में अदिक मात्रा में अमोनिया का इस्तेमाल होता है। यह बालों को कमजोर बना देता है और बालों में मौजूद प्राकृतिक प्रोटीन को छीन लेता है, जिस वजह से बालों की किस्में खराब होने लगती है और कमजोर और टूटने लगते है।

2. रूखे हेयर

हेयर डाई में मौजूद अमोनिया बालों की चमक को कम कर देता है, खासकर जब आप एक के बाद एक हेयर कलर करवा रही हो। अगर आप जरूरत से ज्यादा बालों को डाई करती है तो इससे स्कैल्प में रूसी की मात्रा बढ़ सकती है। इससे बालों को मॉइवरेट करने के लिए मॉइस्चराइज नहीं मिलता।

3. विकास में रूकावट

हेयर डाई में मौजूद रसायन बालों के रोम को नुकसान पहुंचाते है। इसका मतलब है कि बालों का बढ़ना काफी मुश्किल हो जाता है। गंजापन और बालों का तेजी झड़ना शुरू हो जाता है। अगर आपको ऐसा कुछ दिखाई देता है तो बालों को डाई करने के लिए थोड़ी ब्रेक ले या फिर इसका इस्तेमाल करना ही बंद कर दें।

4. कैंसर का खतरा

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, गाढ़े रंग के पर्मानेंट हेयर डाई से ल्यूकेमिया या लिम्फोमा जैसे रोग हो सकते हैं। । उन्होंने ने बताया कि 1980 से पहले हेयर डाई का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कैंसर के जोखिम का सामना करना पड़ा है। खासकर जिन्होंने ज्यादा डार्क कलर का इस्तेमाल किया है। इसलिए हेयर डाई करवाने से पहले ही सावधान हो जाएं।

5. एलर्जी

कई रासायनिक उत्पादों के साथ बने हेयर कलर्स एलर्जी का कारण भी बन सकते है। इससे रूसी, खुजली और आंखों के चारों ओर लालच या सूजन की समस्या आ सकती है। खासकर छोटी उम्र के लोग इन लक्षणों को अनदेखा न करें। अगर आपकी स्किन ज्यादा संवेदनशिल है तो हेयर डाई से बचें।

फ्री वाई-फाई से फोन को खतरा !

इसमें कोई दो राय नहीं है कि स्मार्टफोन हमारी जिंदगी में बहुत महत्व रखते हैं। मोबाइल फोन के बिना हम कहीं एक कदम नहीं जा सकते और हो भी क्यों ना, फोन ने हमारी जिंदगी को इतना सरल जो बना दिया है। नए-नए फीचर्स और अपडेट्स के बदौलत हम इंटरनेट के ज़रिये हमेशा कनेक्टेड रहना चाहते हैं। और यही वजह है कि हम इंटरनेट के इतने आदी हो गए हैं कि हम जहां जाते हैं वहीं नेट ढूंढते हैं। और यही वजह है कि हम रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मॉल, बस अड्डे, होटल या अन्य जगहों पर फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप को सावधान होने की ज़रूरत है क्योंकि इंटरनेट से कनेक्ट होने की जल्दी में हम यह भूल जाते हैं कि हम सार्वजनिक वाई-फाई का इस्तेमाल कर रहे हैं और ये अनसेफ हो सकते हैं। इसलिए आप बाद में फ्री इंटरनेट इस्तेमाल कर पछताएं, इससे तो बेहतर है कि पहले ही कुछ बातों का ध्यान रख लिया जाए। यदि सावधानी ना बरती गई तो आपको कई मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि सार्वजनिक वाई-फाई के इस्तेमाल से, आपके स्मार्टफोन से कई संवेदनशील जानकारियां चुराई जा सकती हैं। इससे बचने के लिए हम आपको विस्तार से बताएंगे ऐसी ही कुछ ज़रूरी बातें जिनको जानकर आप इस रिस्क से बच सकते हैं। तो आइये जानते हैं-

जानें बचने के उपाय

1. फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेटेड रखें

सबसे पहले तो यह है कि आपको हमेशा अपने स्मार्टफोन के सॉफ्टवेयर को अप-टु-डेट रखना चाहिए। क्योंकि ऑपरेटिंग सिस्टम्स सिर्फ़ स्मार्टफोन्स के लिए ज़रूरी इंटरफेस ही नहीं मुहैया करवाते बल्कि खतरों से भी बचाते हैं। इसके लिए समय-समय पर फोन कंपनियां सिक्यॉरिटी अपडेट्स जारी करती ही रहती हैं, जो खामियों को दूर करते हैं और अन्य खतरों से भी स्मार्टफोन्स को बचाते हैं। इसलिए सिर्फ पब्लिक वाई-फाई ऐक्सेस करने के लिहाज से नहीं, आपको वैसे भी अपने फोन का ऑपरेटिंग सिस्टम अपडेटेड रखना चाहिए।

2. बैंकिंग और शॉपिंग करने से बचें

सबसे ध्यान रखने वाली बात ये है कि पब्लिक वाई-फाई कनेक्शन के ज़रिये ऑनलाइन बैंकिंग या शॉपिंग बिल्कुल ना करें, ये करना असुरक्षित है। हैकर चाहें तो आपके अकाउंट्स की डीटेल्स को हैक कर सकते हैं। यदि कोई ज़रूरी ट्रांज़ैक्शन करनी हो तो कोशिश करें कि मोबाइल डेटा इस्तेमाल करें या फिर वीपीएन इस्तेमाल करें। नहीं तो, ब्राउज़र पर नेट बैंकिंग करने के बजाय बैंक के ऑफिशियल एप्प का इस्तेमाल करें क्योंकि उसमें एनक्रिप्शन होता है। और अगर ज़रूरी है तो इसी तरह से स्थापित कंपनियों के एप्स के ज़रिये ही शॉपिंग करें।

3. मोबाइल ऐंटी-वायरस टूल्स का करें इस्तेमाल

सार्वजनिक वाई-फाई यूज़ करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि फोन में सिक्यॉरिटी सॉफ्टवेयर इंस्टॉल्ड है। आईओएस स्मार्टफोन्स के लिए दिक्कत नहीं है मगर ऐंड्रॉयड पर मैलवेयर आ सकते हैं। इससे बचने के लिए आप कोई ऐसा ऐंटीवायरस डालें जिसमें फायरवॉल, मैलवेयर स्कैनिंग और रिमूवल जैसे फीचर्स हों। दरअसल, पब्लिक वाई-फाई कनेक्ट करने से संभावना है कि अन्य डिवाइसेज के मैलवेयर आपके फोन पर आ सकते हैं। यह गलती से हो सकता है और तभी हो सकता है, जब हैकर्स जानबूझकर ऐसा कर रहें हों। ऐसे में आपके लिए ऐंटी-मैलवयेर एप्स काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

4. वाई-फाई हो सकते हैं खतरनाक

अगर आप सार्वजनिक जगह पर वाई-फाई नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं और लग रहा है कि कनेक्शन स्लो है तो तुरंत उसे डिस्कनेक्ट कर दें। और अगर साइन-इन पेज पर भी जाने में दिक्कत हो रही है, तब भी डिस्कनेक्ट करें। क्योंकि स्पीड इसलिए कम हो सकती है, अगर राउटर वायरस की चपेट में हो। ऐसा भी हो सकता है कि आप मेन राउटर के बजाय किसी और राउटर से कनेक्ट हो गए हों और कोई और आपका डेटा अन्य डिवाइस के ज़रिये ऐक्सेस कर रहा हो। दरअसल, साइबर क्रिमिनल आसपास वाई-फाई सिग्नल ट्रैक करते रहते हैं और मिलते ही वे तुरंत अपने पीसी को फेक राउटर में तब्दील कर देते हैं। जैसे ही कोई यूज़र मेन राउटर के बजाय उनके डिवाइस से कनेक्ट करता है, वे उसके ज़रिये भेजे जाने वाले सारा डेटा कॉपी कर लेते हैं।

5. अपनाएं टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन

अगर आप अक्सर फ्री वाई-फाई यूज़ करते हैं तो अपने सभी ऑनलाइन अकाउंट्स, खासकर पर्सनल मेल और बैंक अकाउंट्स पर टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन कर रखें। दरअसल, टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन में सामान्य पासवर्ड के अलावा आपको ओटीपी भी डालना होता है, जिसके बिना आप लॉगइन नहीं कर पाएंगे। यह बेहद ज़रूरी है क्योंकि अगर किसी ने पब्लिक वाई-फाई के ज़रिये आपके पासवर्ड का पता लगा लिया होगा, तब भी वह कुछ नहीं कर पाएगा।

6. वीपीएन के बिना पब्लिक वाई-फाई से कनेक्ट न करें

वीपीएन के इस्तेमाल से पब्लिक वाई-फाई इस्तेमाल से होने वाले खतरों को कम किया जा सकता है। पहले डेस्कटॉप और लैपटॉप पर ही वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) को इस्तेमाल किया जा सकता था मगर अब एप्स भी मौजूद हैं। ये एप्स सुरक्षित वीपीएन सर्वर से कनेक्ट कर, आपके डेटा को एनक्रिप्ट करते हैं। वीपीएन के कई फायदे हैं, जैसे आपके देश में कोई वेबसाइट ब्लॉक हो तो उसे भी देखा जा सकता है।

7. वाई-फाई से डिस्कनेक्ट करें

अगर आप वाई-फाई पर काम पूरा कर चुकें हैं तो स्मार्टफोन या टैब का वाई-फाई स्विच ऑफ कर दें। ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं। यदि आप इसे डिसेबल नहीं करेंगे तो चुपके से कोई आपके फोन में वायरस डाल सकता है।

रेसिपी

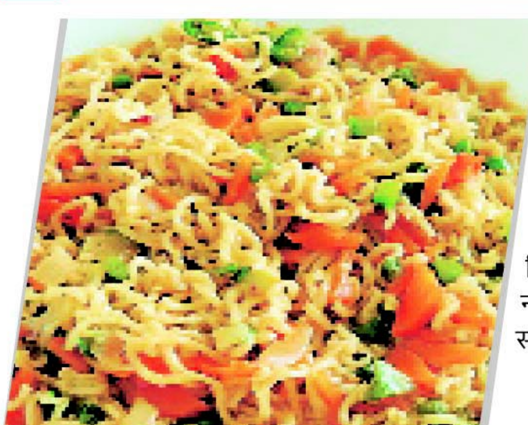

चिली पनीर मैगी

सामग्री

1 पैरेट मैगी, 1 कप पनीर (कटा हुआ), 11/2 कप ब्रोकली (कटी हुई), 1 कप बेबी कॉर्न (कटी हुई), 1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर, 1 शिमला मिर्च(कटी हुई), नमक स्वादानुसार, 1 टेबलस्पून तेल, सोया सॉस जरूरतानुसार, चिली और टोमैटो सॉस

विधि

एक पैन में एक कप पानी लेकर इसमें मैगी डाल दें और इसमें नमक और थोड़ा सा तेल डाल लें। मैगी पकने पर इसे छलनी में डालकर पानी सुखा लें। एक पैन में तेल गर्म करके इसमें शिमला मिर्च,ब्रोकली और बेबी कॉर्न डालकर 3-4 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें सोया सॉस,चिली सॉस और पनीर डालकर पकाएं। अब इसमें मैगी डालकर अच्छे से मिक्स करें। मैगी बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

रोस्टेड आलू वेजेज

सामग्री

4 आलू, 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, नमक स्वादानुसार, 1/2 छोटा चम्मच कालीमिर्च पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच आरगेनो, 1/2 छोटा चम्मच कसूरी मेथी, 1/2 छोटा चम्मच तिल

विधि

सबसे पहले आलूओं को छीलकर लम्बाई में काट लें। अब एक बाउल में ऑलिव ऑयल, नमक, काली मिर्च, आरगेनो और कसूरी मेथी डाल कर मिला लें। कटे हुए आलूओं को इस मसाले में डालकर तबतक मिलाइए जब तक आलू के टुकड़ों पर मसाले की कोटिंग अच्छी तरह से न आ जाएं। अब ऊपर से तिल डालें और मिक्स करें। ओवन को 180 डि.से. पर प्रिहीट कर लीजिए। मसाले में मिले हुए आलूओं को ट्रे में एक एक करके लगा कर ओवन में रोस्ट होने के लिए रख दें। 35 मिनट बाद आलू वेजेज को ओवन से निकालिए। रोस्टेड आलू वेजेज तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)